नई दिल्ली
रविवार 22 फरवरी 2026
फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष,
पंचमी वर्ष : 29, अंक : 310
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 27
न्यून. 14

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

विदेश मंत्रालय ने बताया, दुनिया के देशों, वैश्विक संगठनों ने एक मजबूत, मरोसेमंद और कुशल एआई के लिए किया साझा विजन का समर्थन

अमेरिका, चीन सहित 86 देशों ने स्वीकार किया 'नई दिल्ली घोषणापत्र', संपन्न हुआ एआई सम्मेलन

हरिभूमि ब्यूरो ⏭नई दिल्ली

भारत की मेजबानी में बीते 16 से 20 फरवरी तक राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित किया गया 'इंडिया इंपैक्ट शिखर सम्मेलन-2026' शनिवार को सफलता के साथ संपन्न हो गया है। जिसकी सबसे बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि यह रही कि इसमें अमेरिका, चीन, ब्रिटेन और कनाडा सहित दुनिया के कुल 86 देशों और 2 अंतरराष्ट्रीय संगठनों (यूरोपीय संघ, अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष) ने सर्वसम्मति से 'नई दिल्ली घोषणापत्र' को स्वीकार किया है। जो इस बात का प्रमाण प्रस्तुत करता है कि भारत द्वारा इस वैश्विक आयोजन की 'सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय' की थीम यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभ को समूची मानवता के साथ बराबरी से साझा करने को भी विश्व समुदाय ने एकस्वर में अपना समर्थन प्रदान किया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आयोजन के समापन अवसर पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मानव-केंद्रित एआई की सोच और दृष्टिकोण को सम्मेलन के जरिए वैश्विक स्तर पर अंगीकार किया गया है। आर्थिक वृद्धि के साथ सामाजिक भलाई को संतुलित करने को भी प्राथमिकता दी जा रही है। इन दोनों पहलुओं पर ध्यान दिया जाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, घोषणापत्र के मुख्य बिंदुओं में सुरक्षा और भरोसे को केंद्र में शामिल किया ⏭शेष पेज 5 पर

- **7 स्तंभों में ग्लोबल प्लेटफार्म और सिद्धांत संग साथ मिलकर काम करने के तरीकों की गई घोषणाएं**
- **समानता, पहुंच और वैश्विक सहयोग के साथ की गई सबके लिए एआई की मांग को आगे बढ़ाया गया**
- **वैष्णव बोले, पीएम मोदी के मानव केंद्रित एआई के दृष्टिकोण को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया गया स्वीकार**
- **दुनिया में मजबूती के साथ पहुंचा भारत का आर्थिक वृद्धि के साथ सामाजिक भलाई को संतुलित करने का संदेश**

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

सीएम सुक्खू की तबीयत बिगड़ी, एम्स ले गए

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू शनिवार की सुबह के दिल्ली में

बीमार पड़ गए। हल्के दर्द के बाद वह दिन में करीब 12 बजे उपचार के लिए एम्स दिल्ली पहुंचे। टेस्ट कराने के बाद सीएम सुक्खू वापस हिमाचल सदन लौट आए हैं। अब उनका स्वास्थ्य ठीक बताया जा रहा है। हालांकि, सीएम के स्वास्थ्य को लेकर मेडिकल बुलेटिन का अभी इंतजार है।

सलीम खान की तबीयत सुधरी, वेंटिलेटर से हटाया

मुंबई। अभिनेता सलमान खान के पिता सलीम खान का मुंबई के लीलावती अस्पताल में उपचार

चल रहा है। 'बिग बॉस 6' फेम संतोष शुक्ला, जो सलमान खान के साथ फिल्म 'दबंग 3' और 'जय हो' में नजर आ चुके हैं, ने बताया कि उनकी हालत में सुधार के चलते वेंटीलेटर हटा लिया गया है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे सलीम खान के दुआएं करें। जल्द ही वे घर वापस लौटेंगे।

राजधानी में शनिवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के साथ हुई उच्च-स्तरीय बैठक के बाद दिए संयुक्त प्रेस बयान में बोले प्रधानमंत्री

अगले पांच वर्षों में 20 बिलियन डॉलर के पार पहुंचेगा भारत-ब्राजील का द्विपक्षीय व्यापार: पीएम मोदी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭नई दिल्ली

क्षेत्रीय और वैश्विक परिदृश्य में बनी हुई मौजूदा चुनौतियों के बीच शनिवार को राजधानी के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के बीच एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक हुई। जिसके परिणामस्वरूप एक प्रकार से चीन के एकाधिकार को खुली चुनौती देते हुए दोनों देशों ने दुर्लभ और जटिल खनिजों के क्षेत्र में एक जरूरी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। साथ ही इसे मिलाकर कुल करीब 9 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) और डिजिटल भागीदारी में भविष्य के सहयोग को लेकर एक संयुक्त घोषणापत्र का आदान-प्रदान किया गया है। दोनों शीर्ष नेताओं की बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों के तमाम पहलुओं के अलावा साझा हितों से जुड़े हुए क्षेत्रीय, वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की गई। राष्ट्रपति लूला के साथ वार्ता के बाद प्रधानमंत्री ने अपने संयुक्त प्रेस वक्तव्य में लैटिन अमेरिका में ब्राजील को भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बताते हुए कहा कि दोनों देश आगामी पांच वर्षों में यानी 2030 तक अपने द्विपक्षीय व्यापार को 20 बिलियन डॉलर के पार पहुंचाने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। हमारा व्यापार महज एक आंकड़ा नहीं बल्कि ये विश्वास का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा, भारत-मर्कोसुर व्यापार समझौते के विस्तार से दोनों देशों का आर्थिक ⏭शेष पेज 5 पर

- **बैठक के बाद दुर्लभ खनिजों, रक्षा सहयोग सहित अन्य क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच हुए कुल 9 एमओयू और 1 संयुक्त घोषणापत्र का किया गया आदान-प्रदान**
- **राष्ट्रपति लूला ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की, बोले-ये किसी धर्म या राष्ट्रीयता से जुड़ा नहीं है**
- **ब्राजील ने सामान्य भारतीय वीजा धारकों के लिए बिजनेस वीजा की अवधि को 10 साल के लिए बढ़ाया**

बड़े डेलिगेशन संग भारत पहुंचे राष्ट्रपति

गौरतलब है कि ब्राजील के राष्ट्रपति 18 से 22 फरवरी तक भारत की पांच दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं। जिसके तहत उन्होंने 19 फरवरी को एआई इंपैक्ट सम्मेलन में भाग लिया था और उसके बाद प्रधानमंत्री के साथ ये उच्च-स्तरीय बैठक की है। उनके प्रतिनिधिमंडल में कुल 11 कैबिनेट मंत्री, ब्राजील के निजी क्षेत्र से आए वृहद व्यापारिक और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल रहे। बैठक के पूर्व में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ब्राजील के राष्ट्रपति का ⏭शेष पेज 5 पर

दुर्लभ खनिजों पर हुए एमओयू के मायने

दुर्लभ खनिजों को लेकर हुए समझौता ज्ञापन को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह लचीली सप्लाई चेन के निर्माण में एक बड़ा कदम है। साथ ही उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि राष्ट्रपति लूला की ये भारत यात्रा दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और गहराई प्रदान करेगी और आने वाले वर्षों में सहयोग के नए आयाम स्थापित करेगी। यहां बता दें कि वर्ष 2024-25 में भारत और ब्राजील के बीच 12 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ था। जिसमें भारत का ब्राजील को किया गया निर्यात 6.77 बिलियन डॉलर और ब्राजील से आयात का आंकड़ा 5.43 बिलियन डॉलर था।

बातचीत-कूटनीति से निकले समाधान

पीएम ने कहा कि हमारा मानना है कि हर समस्या का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से होना चाहिए। भारत और ब्राजील एकमत हैं कि आतंकवाद और उसके समर्थक पूरी मानवता के दुश्मन हैं। दोनों इस बात को लेकर भी सहमत हैं कि वर्तमान की चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थानों का सुधार बेहद जरूरी है। इस दिशा में भी दोनों देश मिलकर प्रयास करते रहेंगे। दोनों शीर्ष नेताओं ने बातचीत में रक्षा, ऊर्जा, स्वास्थ्य देखभाल और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने पर भी जोर दिया है। साथ ही विभाजित भू-राजनीतिक माहौल में दोनों देशों के बीच रणनीतिक गतिविधियों को गहराई प्रदान करने को लेकर सहमति प्रदान की है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत, ब्राजील की साझेदारी सशक्त व प्रभावशाली रही है। लोकतांत्रिक देशों के रूप में हम ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं ⏭शेष पेज 5 पर

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

दिल्ली पुलिस 79वां स्थापना दिवस 2026

सहयोग
जन-पुलिस भागीदारी से सुरक्षित दिल्ली

नागरिको के साथ मिलकर, सहभागिता और विश्वास के माध्यम से एक सुरक्षित सशक्त और शांतिपूर्ण दिल्ली का निर्माण करने के लिए दिल्ली पुलिस प्रतिबद्ध है

इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (ICJS) 2.0
शीघ्र, पारदर्शी और निष्पक्ष न्याय

7 दिन 7 संकल्प
एक सुरक्षित दिल्ली

दिल्ली पुलिस सप्ताह: 16-22 फरवरी, 2026

❶ सेवा ❷ सुरक्षा ❸ समर्पण ❹ साहस
❺ संवेदनशीलता ❻ सतर्कता ❼ सहयोग

दिनांक	कार्यक्रम
16.02.2026	दिल्ली भर में रक्तदान शिविरों का आयोजन
17.02.2026	प्रत्येक पुलिस स्टेशनों में छात्रों का दौरा
18.02.2026	दिल्ली भर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्यक्रम
19.02.2026	आरडब्ल्यूए एवं एमडब्ल्यूए के साथ संवाद कार्यक्रम
20.02.2026	दिल्ली भर में ग्रामीण खेल/आँख एवं कान/प्रहरी बैठक
	20 से 23 फरवरी 2026 तक सेंट्रल पार्क, कनॉट प्लेस, दिल्ली में भव्य प्रदर्शनी
	कवि सम्मेलन–लाल किला, दिल्ली (शाम 6.30 बजे से)
21.02.2026	दिल्ली के प्रत्येक पुलिस स्टेशनों में जन संपर्क कार्यक्रम
22.02.2026	मादक पदार्थों के दुरूपयोग के विरूद्ध जन–जागरूक संगीतमय कार्यक्रम एम्फीथिएटर, सेंट्रल पार्क, कनॉट प्लेस, दिल्ली (सायंकालीन)

समर्पण जो विश्वास का निर्माण करता है

लाइसेंसिंग यूनिट
लाइसेंस, परमिट और सत्यापन जारी एवं नियंत्रित कर सार्वजनिक गतिविधियों को कानूनी और सुरक्षित बनाती है।

लीगल सेल
नागरिकों को कानूनी प्रक्रियाओं को समझने हेतु कानूनी मार्गदर्शन, शिकायत सहायता और जागरूकता प्रदान करता है।

फॉरेनर्स सेल
विदेशी नागरिकों के पंजीकरण, सत्यापन और सुरक्षा में सहायता कर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ विश्वास स्थापित करता है।

ICJS 2.0 यूनिट
पुलिस, न्यायालय और अन्य न्यायिक तंत्रों के बीच डिजिटल एकीकरण सुनिश्चित कर, मामलों की तेज़ और पारदर्शी प्रक्रिया को सक्षम बनाती है।

साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर: 1930

DP/9865/2026

पुलिस आयुक्त, दिल्ली को ई-मेल करें cpdelhi@delhipolice.gov.in | लिखें: पुलिस आयुक्त, दिल्ली को पोस्ट बॉक्स नं. 171, जीपीओ, नई दिल्ली पर

@DelhiPoliceOfficial @DelhiPolice @delhi.police_official @DelhiPoliceofficial delhipolice.gov.in

तुरंत पुलिस सहायता के लिए 112 नम्बर पर कॉल करें | पुलिस को सूचना देने के लिए 14547 पर कॉल करें

सबसे पहले लाइफ इंश्योरेंस

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

सौ वर्षीय प्लान!

एलआईसी का
जीवन उमंग
UIN No.: 512N312V03 PLAN NO: 745
एक पार, नॉन-लिंक्ड, व्यक्तिगत, बचत, आजीवन बीमा प्लान

अंतिम प्रीमियम के बाद से लेकर 99 वर्ष की आयु तक हर वर्ष पाइए मूल बीमाधन राशि का 8% के बराबर गारंटीड उत्तरजीविता लाभ और 100 वर्ष की आयु तक जीवित रहने पर एकमुश्त परिपक्वता लाभ.

विशेषताएँ :
- आयु योग्यता : 30 दिन से लेकर 55 वर्ष तक
- न्यूनतम मूल बीमाकृत राशि : ₹ 2,00,000/-
- अधिकतम मूल बीमाकृत राशि : कोई सीमा नहीं
- प्रीमियम भुगतान अवधि : 15, 20, 25 एवं 30 वर्ष
- पॉलिसी अवधि : (100 में से प्रवेश पर आयु घटाकर) वर्ष

प्रमुख विशेषताएँ :
- 100 वर्ष की आयु तक आजीवन जोखिम बीमा-सुरक्षा
- पूरी प्रीमियम भुगतान अवधि में बोनस
- अंतिम अतिरिक्त बोनस (यदि कोई हो)
- ऋण सुविधा

हमारा वॉट्सएप नं. 8976862090 कहिए 'Hi'

अधिक जानकारी के लिए आप अपने बीमा एजेन्ट/नज़दीकी एलआईसी शाखा से संपर्क करें

डाउनलोड करें एलआईसी मोबाइल ऐप LIC digital | कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827 | हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever

IRDAI Regn No.: 512

धोखेधड़ी वाले फोन कॉल्स तथा झूठे/भ्रामक प्रस्तावों से सावधान रहें. आईआरडीएआई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस की घोषणा या प्रीमियम्स के निवेश, राशियां लौटाना जैसी कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं. जिन पॉलिसीधारकों या संभावित ग्राहकों को ऐसे फोन कॉल्स मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करें. कृपया बिक्री के समापन से पहले बिक्री पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें.

LIC/P1/2025-26/32/Hin

गर्दन, कंधे और पीठ के निचले हिस्से पर मिले कई घाव

नरेला में फैक्टरी मालिक की चाकू मारकर हत्या

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के नरेला इलाके में स्थित एक फैक्टरी के बाहर उसके मालिक की अज्ञात हमलावरों ने कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि फैक्टरी मालिक को शुक्रवार रात बेहोशी की हालत में सत्यवादी राजा हरीश चंद्र अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) हरेश्वर स्वामी ने बताया कि चिकित्सा जांच में फैक्टरी मालिक की गर्दन, कंधे और पीठ के निचले हिस्से पर चाकू के कई घाव मिले। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि रवि (28) ने नरेला के डीएसआईआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्टरी किराये पर ली थी, जहां वह जूते बनाने का व्यवसाय करता था। पुलिस ने बताया कि रवि नरेला में रहते थे और मूल रूप से राजस्थान के भरतपुर जिले के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि 20 फरवरी को रात करीब 8:30 बजे फैक्टरी बंद करने के बाद एक ठेकेदार को चाबियां सौंप कर रवि एक अन्य साथी के साथ मोटरसाइकिल से जाने लगा और इसी बीच कुछ अज्ञात लोगों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया और उसके बाद हमलावर फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज कर लिया गया है और हमलावरों का पता लगाने के लिए कई टीम गठित की गई हैं।

फिर बिगड़ने लगे सूरज के तेवर, सामान्य से अधिक पहुंचा तापमान

नई दिल्ली। एक बार फिर दिल्ली वालों के लिए सूरज के तेवर बिगड़ने लगे है। जिसके चलते अधिकतम तापमान का ग्राफ सामान्य से अधिक दर्ज हो रहा है, लोगों को अभी से गर्मी का अहसास होने लगा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार शनिवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 28.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 2.6 डिग्री सेल्सियस अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान बढ़कर 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 2.4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। आंकड़े बताते है कि अब दिल्ली से सर्दी की विदाई होने जा रही है, जिसके चलते तापमान में बढोतरी दर्ज होने लगी है। न्यूनतम तापमान में शुक्रवार की तुलना में दो डिग्री की बढ़त दर्ज हुई है। जबकि अधिकतम तापमान में मामूली गिरावट है। शनिवार को सुबह से ही मौसम के मिजाज बदले हुए रहे, सूरज निकलने के साथ ही उसने बता दिया कि दिन कैसा रहेगा। आईएमडी ने अगल तीन चार दिन के मौसम के लिए भविष्यवाणी करते हुए कि फिलहाल ऐसा ही हाल बना रहेगा, कोई बड़ा उलटफेर संभव नहीं है। वहीं दूसरी तरफ निजी मौसम अनुमान कंपनी स्काईमेट वेदर का कहना है कि दिल्ली में शुक्रवार व शनिवार लगभग एक जैसा मौसम रहा है।

आतंकवादी खतराः दिल्ली में प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के पास सुरक्षा बढ़ाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में आतंकी खतरे की आशंका संबंधी खुफिया जानकारी मिलने के बाद शनिवार को लाल किले के आसपास के इलाके और चांदनी चौक के कुछ हिस्से सहित राष्ट्रीय राजधानी के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया था कि पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटीटी) ने कथित तौर पर भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को हमले वाले स्थानों की सूची में रखा है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने लाल किले के पास संभावित विस्फोट के खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया है, जो प्रमुख पर्यटन स्थल और उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र है। सूत्रों ने बताया कि ऐसी खुफिया सूचना है कि चांदनी चौक स्थित एक मंदिर को भी निशाना बनाया जा सकता है।

सूत्रों ने कहा कि खुफिया जानकारी का सत्यापन और उनका आकलन किया जा रहा है। इसी के मद्देनजर संवेदनशील धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया है कि लश्कर-ए-तैयबा इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) आधारित हमले को अंजाम देने की कोशिश कर सकता है। सूत्रों के अनुसार, हमले की यह कथित साजिश आतंकी समूह द्वारा छह फरवरी को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में एक मस्जिद में हुए विस्फोट का बदला लेने के प्रयासों से जुड़ी है। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियां और दिल्ली पुलिस की इकाइयां आपस में करीबी समन्वय बनाए हुए हैं और सीसीटीवी निगरानी, वाहनों की जांच व संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती के माध्यम से निगरानी बढ़ा दी गई है। उन्होंने बताया कि बम निरोधक दस्ते, खोजी दस्ते और त्वरित प्रतिक्रिया दल भी रणनीतिक स्थानों पर तैनात किए गए हैं। यह चेतावनी 10 नवंबर, 2025 को लाल किले के पास हुए घातक कार विस्फोट की पृष्ठभूमि में जारी की गई है। विस्फोट में कम से कम 13 लोग मारे गए थे और 20 से अधिक लोग घायल हुए थे। सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि के बारे में तुरंत पुलिस या आपातकालीन सेवाओं को सूचित करने का आग्रह किया है। अधिकारियों ने कहा कि घबराने की कोई बात नहीं है और ये उपाय एहतियात के तौर पर किए गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि आगे की जानकारी जुटाने और प्राप्त सूचनाओं की पुष्टि की जा रही है।

गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में लिफ्ट सुविधा शुरु

नई दिल्ली। दिल्ली के ऐतिहासिक गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में शनिवार को लिफ्ट सुविधा की शुरुआत की गई। इस अवसर पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका व महासचिव जगदीप सिंह काहलों, कार सेवा वाले बाबा बचन सिंह जी और बाबा सुरिंदर सिंह सहित संगत मौजूद रही। इस मौके पर कमेटी अध्यक्ष कालका ने कहा कि लिफ्ट सुविधा शुरू होने से खासकर बुजुर्गों, बच्चे व महिला संगत को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि लिफ्ट लगाने की सेवा आनंद परिवार द्वारा की गई है, यह प्रयास सराहनीय है। उन्होंने बताया कि कार सेवा वाले बाबा बचन सिंह जी और बाबा सुरिंदर सिंह जी की निगरानी में लिफ्ट लगाने की सेवा की गई है, जिसके लिए कमेटी हमेशा उनकी आभारी रहेगी। उन्होंने कहा कि जिन संगतों को सीढ़ियाँ चढ़कर गुरु घर के दर्शन करने में कठिनाई होती थी, वह अब लिफ्ट के माध्यम से गुरुद्वारा साहिब तक पहुँचकर श्री गुरु ग्रंथ साहिब और गुरु तेग बहादुर के स्थान के दर्शन कर सकेंगी।

कार ने स्कूटर को मारी टक्कर डिलीवरी एजेंट की मौत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम दिल्ली के तिलक नगर इलाके में शनिवार तड़के एक कार ने एक इलेक्ट्रिक स्कूटर को पीछे से टक्कर मार दी जिससे स्कूटर सवार 25 वर्षीय डिलिवरीकर्मी की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कार चालक की पहचान मोहित कुमार (27) के रूप में हुई है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस के अनुसार, उन्हें सुबह 3.30 बजे दुर्घटना की सूचना मिली थी जिसके बाद पुलिस की टीम नजफगढ़-राजौरी गार्डन मार्ग पर मौके पर पहुंची और वहां दोनों वाहनों को पाया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घायल व्यक्ति की पहचान रघुबीर नगर निवासी हेम शंकर के रूप में हुई है। उसे पहले ही दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया था, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि वह ई-कॉमर्स मंच के साथ काम करता था।

उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच और घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने के बयानों से संकेत मिलता है कि एक कार ने कथित तौर पर स्कूटर को पीछे से टक्कर मारी थी। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) दरादे शरद भास्कर ने कहा, ₹नजफगढ़ निवासी कार चालक मोहित कुमार को मौके से हिरासत में ले लिया गया तथा उसका वाहन भी जब्त कर लिया गया।₹ भास्कर के अनुसार, मोहित कुमार दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के ठेकेदार के रूप में काम करता है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है।

अंतरराज्यीय मादक पदार्थ गिरोह के पांच सदस्य अरेस्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- 60 लाख रुपये मूल्य की स्मैक जब्त

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में 'स्मैक' की आपूर्ति करने वाले एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ गिरोह से जुड़े पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से लगभग 60 लाख रुपये मूल्य के मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुख्य आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के बदायूं निवासी अमीन खान (24) के रूप में हुई है। उसे 12 फरवरी को पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर में नोएडा लिंक रोड के पास से गिरफ्तार किया गया था। वह कथित तौर पर 'स्मैक' (मिलावटी हेरोइन) की खेप पहुंचाने के लिए मौके पर पहुंचा था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उसके पास से 291 ग्राम प्रतिबंधित पदार्थ बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान खान ने खुलासा किया कि वह बदायूं के आपूर्तिकर्ताओं से स्मैक खरीदता था और पूर्वी दिल्ली के खोड़ा चौक व शशि गार्डन जैसे इलाकों में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में बेचता था। इसके बाद पुलिस ने बदायूं से उसके दो आपूर्तिकर्ताओं राशिद (38) और बलबीर (34) को गिरफ्तार किया, जिनके पास से अतिरिक्त 35.85 ग्राम स्मैक बरामद की गई। खान के कॉल रिकॉर्ड की जांच और विश्लेषण से पुलिस को उसके दो स्थानीय सहयोगियों आसिफ (27) और इकरार (42) का पता चला। दोनों त्रिलोकपुरी के निवासी हैं और कथित तौर पर पूर्वी दिल्ली में मादक पदार्थों की आपूर्ति में शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि खान के सीधे संपर्क में पाए जाने के बाद उन्हें शनिवार को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि दोनों ने खुलासा किया कि वे स्थानीय क्षेत्रों में बेचने के लिए खान से स्मैक प्राप्त कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि दोनों मयूर विहार थाने में दर्ज तस्करी के एक पुराने मामले में भी वांछित थे।

अधिकारियों ने बताया कि पांचों आरोपी उत्तर प्रदेश से दिल्ली-एनसीआर में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक संगठित अंतरराज्यीय नेटवर्क का हिस्सा थे।

गैस सिलेंडर विस्फोट में परिवार के तीन घायल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के मदनपुर खादर इलाके में शनिवार तड़के एक घर में संदिग्ध गैस सिलेंडर विस्फोट में एक दंपति और उनका 22 वर्षीय बेटा गंभीर रूप से झुलस गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घायलों की पहचान जगदीश (52), उनकी पत्नी लक्ष्मी (48) और उनके बेटे ज्योतिष (26) के रूप में हुई है। इस घटना में जगदीश लगभग 80 प्रतिशत झुलस गए, उनकी पत्नी लगभग 70 प्रतिशत झुलस गईं और उनका बेटा लगभग 25 प्रतिशत झुलस गया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने कहा कि विभाग को सुबह चार बजकर 46 मिनट पर एक फोन आया था जिसके बाद दमकल की तीन गाड़ियों को घटनास्थल भेजा गया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार पीड़ितों के एक मंजिला घर में अचानक विस्फोट हुआ। घटना के वक्त सभी सो रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि शुरुआती रिपोर्ट से एलपीजी सिलेंडर से रिसाव का संकेत मिलता है। लेकिन घटनास्थल का निरीक्षण पूरा होने के बाद तकनीकी विशेषज्ञ वास्तविक कारण का पता लगाएंगे। पुलिस ने बताया कि जगदीश दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते हैं और उनकी पत्नी लक्ष्मी गृहिणी हैं जबकि उनका बेटा ज्योतिष नोएडा के एक सैलून में काम करता है। जगदीश और ज्योतिष को शुरू में लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया और लक्ष्मी को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि तीनों को बाद में सफदरजंग के 'बर्न्स वार्ड' में रेफर किया गया। उन्होंने बताया कि जगदीश और ज्योतिष की हालत स्थिर है लेकिन लक्ष्मी की हालत गंभीर बनी हुई है। घटनास्थल के पास रहने वाले मदनपुर खादर इलाके के निवासियों ने कहा कि उन्हें पहले लगा कि भूकंप आया है। पड़ोसी श्याममल बर्मन ने बताया कि घटना सुबह करीब साढ़े चार बजे हुई होगी। मैं वॉशरूम में था तभी अचानक मुझे एक जोरदार धमाका सुनाई दिया और हमारा घर हिलने लगा। मुझे लगा कि शायद भूकंप आया है। उन्होंने कहा कि जब मैं दौड़कर नीचे गया, तो मैंने देखा कि एक मोटरसाइकिल के पास एक दरवाजा पड़ा हुआ था और पति-पत्नी दोनों वहीं बैठे मदद के लिए चिल्ला रहे थे। पुलिस ने बताया कि घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

पश्चिमी दिल्ली में 48 घंटे रहेगी पाने के पानी की भारी किल्लत, डीजेबी करेगा टैंकरों से आपूर्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) द्वारा आवश्यक कार्य करने के चलते पश्चिमी दिल्ली की कई कॉलोनियों में 48 घंटे रहेगी पाने के पानी की दिक्कत, डीजेबी करेगा टैंकरों से आपूर्ति करने का भरोसा दे रहा है। बयान जारी करते हुए कहा है कि भाग्य विहार में द्वारका जल शोधन संयंत्र की मौजूदा 1500 एमएम डायन ट्विन रॉ वाटर मैन को अलग करने के लिए नई बिछाई लाइन का इंटरकनेक्शन कार्य किया जाएगा। जिसके चलते पश्चिमी दिल्ली की कई कॉलोनियों में 25 फरवरी 2026 को सुबह 11 बजे से 27 फरवरी 2026 की सुबह 11 बजे तक यानी लगभग 48 घंटे पानी की सप्लाई नहीं होगी। डीजेबी ने बताया कि द्वारका सब सिटी, महावीर एन्क्लेव, विजय एन्क्लेव, उत्तम नगर ग्रुप ऑफ़ कालोनी, पोचनपुर, भरथल, अंबरही गाँव, मधु विहार, सागरपुर, कैलाशपुरी, दुर्गा पार्क, मंगलापुरी, राज नगर फेज वन और टू , बागडोला गांव, बिजवासन, धूलसिरस, बिंदापुर, सेवक पार्क, भरत विहार, सीतापुरी, राजापुरी, जीवन पार्क, इंद्र पार्क मिलाप नगर, चाणक्य प्लेस, अर्जुन पार्क, लक्ष्मी विहार, बजरंग एन्क्लेव, मकसूदाबाद, नया बाजार, विजय पार्क, साईं बाबा एन्क्लेव, नंगली सकरावती गाँव व एक्सटेंशन, राणा जी एन्क्लेव, श्याम विहार कॉलोनियों का समूह, धरमपुरा कॉलोनियों का समूह, रोशनपुरा कॉलोनियों का समूह, दीनपुर गांव, मटियाला, पालम, विश्वास पार्क, साधनगर भाग-वन और टू , नन्हे पार्क, बामनोली गांव, शाहबाद मोहम्मदपुर गाँव, कापसहेड़ा गांव, आईजीआई हवाई अड्डा व आईआईसीसी (यशोभूमि), नजफगढ़ टाउन और आसपास के क्षेत्र शामिल है। डीजेबी ने संबंधित कॉलोनियों के उपभोक्ताओं अनुरोध किया है कि वह हर संभव पर्याप्त मात्रा में पानी का भंडारण करें। बावजूद के अगर आपातकालीन जलापूर्ति की जरूरत हो तो निशुल्क पानी के टैंकर मंगवाए जा सकते है।

आरडी इंटरनेशनल स्कूल ने धूमधाम से मनाया वार्षिक उत्सव, बच्चों ने पेश किया रंगारंग कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

आरडी इंटरनेशनल स्कूल रोहिणी ने शनिवार को अपना वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर ओमशीला, सत्यवीर सिंह भास्कर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह में कांग्रेस की पूर्व विधायक सुशीला जयकिशन, स्कूल के चेयरमैन राहुल ढाका, प्रिंसिपल योगिता ढाका, स्कूल स्टाफ, शिक्षक, शिक्षिकाएं, छात्र छात्राएं व उनके परिजन, स्थानीय लोग आदि मौजूद थे। इस अवसर पर कांग्रेस की पूर्व विधायक सुशीला जयकिशन ने कहा कि स्कूल को लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने में लंबा मार्ग तय किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक व स्कूल के तत्कालीन चेयरमैन स्व.जयकिशन की अगुवाई में आर. डी. इंटरनेशनल स्कूल ने शिक्षा के क्षेत्र नई क्रांति का आगाज किया। उनके दिशा निर्देशन में बड़े गर्व की बात रही की स्कूल के छात्रों ने गोल्ड, सिल्वर, पदक आदि जीते। इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ओमशीला, सत्यवीर सिंह भास्कर ने कहा कि छात्र छात्राएं अपने देश व स्कूल का नाम रोशन करें बच्चों के माता-पिता को भी अपने बच्चों का खेल के लिए प्रोत्साहन करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए चेयरमैन राहुल ढाका ने आमंत्रित अतिथियों का आभार प्रकट किया व भारी संख्या में मौजूद अभिभावकों का स्वागत किया। समारोह में स्कूली बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम पेश कर सभी का मन मोह लिया।

खरीदारों के बैग से नकदी चुराने के आरोप में दो भाई गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के गांधी नगर बाजार क्षेत्र में खरीदारी करने वालों के बैग से नकदी चुराने के आरोप में दो भाइयों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उत्तम नगर निवासी आरोपी सनी (34) और हनी (32) को गांधी नगर में इसी महीने की शुरुआत में दर्ज चोरी के दो मामलों के बाद गिरफ्तार किया गया। उनके पास से चोरी किए गए कुल 83,000 रुपये बरामद किए। पुलिस ने बताया कि इन दोनों भाइयों ने व्यस्त बाजार में 12 फरवरी को व्यापारियों और ग्राहकों के थैलों से 1.5 लाख रुपये तथा 14 फरवरी को 78,000 रुपये चोरी किए थे। जांच के दौरान, सीसीटीवी फुटेज से संदिग्धों की पहचान करने में मदद मिली और 17 फरवरी को चोरी करने के इरादे से फिर बाजार में आने पर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि सनी से मौके पर ही 50,000 रुपये नकद बरामद किए और बाद में हनी के घर से 15,000 रुपये बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में पहले हुई चोरियों से जुड़े 18,000 रुपये और बरामद किए गए।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने थोक बाजार में सामान या नकदी से भरे थैले ले जाने वाले लोगों को निशाना बनाने की बात कबूल की है। पुलिस ने बताया कि सनी के खिलाफ पहले से ही शस्त्र अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज है।

'अटल बिहारी वाजपेयी : द इटरनल स्टेट्समैन' पर की चर्चा

उपराष्ट्रपति ने विजय गोयल की कॉफी टेबल पुस्तक का किया विमोचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल की कॉफी टेबल पुस्तक 'अटल बिहारी वाजपेयी: द इटरनल स्टेट्समैन' का विमोचन डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित एक समारोह में किया। इस अवसर पर पूर्व भाजपा अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी, हरियाणा के राज्यपाल प्रो. आशीम कुमार घोष, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान तथा राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसानराव बागड़े सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि विजय गोयल द्वारा लिखित यह किताब अपनी आत्मीयता के कारण अत्यंत विशिष्ट है। यह लगभग पचास वर्षों के उनके निकट संबंधों का दस्तावेज है, जो हमें उस अटल जी से परिचित कराता है जो एक मार्गदर्शक, एक मित्र और जन-जन के प्रधानमंत्री थे। इस पुस्तक में हम उन्हें केवल तीन बार के प्रधानमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे नेता के रूप में देखते हैं जो मतदाताओं से जुड़ने के लिए साइकिल या घोड़े पर सवार होकर गलियों में निकल पड़ते थे, और पार्टी अध्यक्ष रहते हुए स्वयं कार्यकर्ताओं को भोजन परोसते थे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को दूरदर्शी राजनेता बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि दिल्ली मेट्रो रेल परियोजना का साकार होना उनके दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है, जो आज राजधानी की जीवनरेखा बन चुकी है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि मेरे लिए यह अपनी तरह की पहली पुस्तक है। यह केवल अटल जी की राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि आधुनिक भारतीय राजनीति की आत्मा को प्रतिबिंबित करती है। अटल बिहारी वाजपेयी देश के सबसे बड़े नेताओं में से एक थे। किंतु सबसे बढ़कर वे एक सच्चे इंसान थे। अटल बिहारी वाजपेयी के साथ अपने दीर्घ और आत्मीय संबंधों को याद करते हुए विजय गोयल ने कहा कि उनका संबंध लगभग पाँच दशकों तक रहा, जो केवल राजनीति तक सीमित नहीं था, बल्कि मार्गदर्शन, विश्वास और साझा संकल्प पर आधारित था। उनके मंत्रिमंडल में सेवा करने का अवसर मेरे सार्वजनिक जीवन का निर्माणकारी काल रहा।

जेएनयू की कुलपति शांतिश्री के बयान की प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष यादव ने की निंदा

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) की वीसी (कुलपति) कुलपति प्रोफेसर शांतिश्री धुलीपुड़ी पंडित द्वारा दलितों को लेकर दिए गए एक बयान पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कड़ी आपत्ति जताई है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हम कुलपति शांतिश्री की दलितों के प्रति जातिवादी बातों की कड़ी निंदा करते हैं और मांग करते है कि वह छात्रों सहित पूरे देश से सबके सामने माफी मांगे। यादव ने कहा कि शांतिश्री ने अपने दलित विरोधी बयान में सोशल जस्टिस को विक्टिम कार्ड कहा और बराबरी का मजाक उड़ाया है। यादव ने कहा कि कुलपति शांतिश्री का यह बयान पूरी तरह से बाबा साहेब अंबेडकर के विज़न का घोर अपमान है। उन्होंने कहा कि किसी भी यूनिवर्सिटीज़ को भेदभाव की नहीं, सबको साथ लेकर चलने की ज़रूरत है। बता दें कि एक खबरिया पॉडकास्ट में जेएनयू की कुलपति शांतिश्री ने यूजीसी के नए इक्विटी रेगुलेशन को पूरी तरह अनावश्यक और तर्कहीन करार दिया था। उन्होंने अपने बयान में परमानेंट विक्टिम हुड को एक तरह की ड्रग करार देते हुए कहा था कि इससे प्रगति संभव नहीं है। शांतिश्री के शब्दों में, हमेशा विक्टिम बने रहते हैं, आप हमेशा विक्टिम बनकर या विक्टिम कार्ड खेलकर तरक्की नहीं कर सकते। उनके इस बयान का खासकर बहुजन, दलित, आदिवासी और ओबीसी समुदायों में इन टिप्पणियों को लेकर गहरा असंतोष व्यक्त किया जा रहा है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr.PC.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **हंसराज भारद्वाज उर्फ राज,** **पुत्रः** सीता राम, **पताः** मकान न. ए–123, गली न. 04, दक्षिण अनारकली, कृष्णा नगर, नई दिल्ली, ने **FIR No. 27/2003, U/s: 25 A. Act, थानाः ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **हंसराज भारद्वाज उर्फ राज,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **हंसराज भारद्वाज उर्फ राज,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 27/2003, U/s: 25 A. Act, थानाः ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **हंसराज भारद्वाज उर्फ राज,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.03.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री आकांशा गौतम
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी – 02
(दक्षिण–पूर्व), कमरा न. 513
साकेत कोर्ट परिसर, नई दिल्ली

DP/2169/SE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **कुसुम लता, पत्नीः राहुल,** **पताः 30/1, एमसीडी कॉलोनी, मॉडल टाउन–III, दिल्ली–110009** ने **CC NI Act/1421/2021, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना मॉडल टाउन, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **कुसुम लता** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **कुसुम लता** फरार हो गई है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Ct. No. 445/2018, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना मॉडल टाउन, दिल्ली** के अभियुक्त **कुसुम लता** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.03.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – श्री गौरव दहिया
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (एनआई एक्ट)
डिजिटल कोर्ट–05 (उत्तर), रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/2036/NW/2026

मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया 'सीएम जनसुनवाई पोर्टल'

सरकार और जनता के बीच की दूरी तकनीक से कर रहे हैं खत्म : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

अब एक ही ऐप पर दर्ज होंगी दिल्ली के सभी विभागों की शिकायतें

हम तकनीक के माध्यम से सरकार और जनता के बीच की दूरी को समाप्त कर रहे हैं। आज लॉन्च किए गए पोर्टल और ऐप्स केवल डिजिटल प्लेटफॉर्म नहीं हैं, बल्कि 'सुशासन' और 'सबका साथ, सबका विकास' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली सचिवालय में कई अहम आईटी परियोजनाओं के शुभारंभ के मौके पर यह बात कही। मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई पोर्टल एवं मोबाइल ऐप, कॉमन सर्विस सेंटर डिजिटल सेवा पोर्टल के माध्यम से ई-डिस्ट्रिक्ट सेवाएं और ईडब्ल्यूएस/डीजी/सीडब्ल्यूएसएन एडमिशन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'डिजिटल इंडिया' विजन से प्रेरणा लेते हुए दिल्लीवासियों की सुविधा के लिए इन पहलों की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि इनका उद्देश्य सरकारी सेवाओं को पारदर्शी, सुलभ और भ्रष्टाचार मुक्त बनाकर दिल्ली के नागरिकों को सशक्त बनाना है। इस अवसर पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, वरिष्ठ अधिकारी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

यह पोर्टल डुप्लीकेट और अनियमितता रोकेगा : सूद

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार का पहला वर्ष पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन स्थापित करने के लिए समर्पित रहा है। समय-समय पर व्यवस्था को लेकर उठने वाले विभिन्न प्रश्नों और आरोप-प्रत्यारोपों के बीच मुख्यमंत्री के निर्देश पर शिक्षा विभाग ने एनआईसी के सहयोग से ईडब्ल्यूएस, डीजी और सीडब्ल्यूएसएन श्रेणी के बच्चों के लिए एक नया डिजिटल पोर्टल तैयार किया है।

सुशासन की दिशा में प्रभावी कदम : पंकज

दिल्ली के आईटी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर राजधानी विकास और डिजिटल सुशासन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल और मोबाइल ऐप से नागरिक ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर उसकी स्थिति ट्रैक कर सकेंगे। साथ ही, साइबर क्राइसिस मैनेजमेंट प्लान लागू कर सरकारी वेबसाइटों और डेटा की सुरक्षा मजबूत की गई है। 200 से अधिक विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली से काम पेपरलेस हो रहा है और सभी सरकारी वेबसाइटें एकीकृत प्लेटफॉर्म पर लाई गई हैं। जल्द ही व्हाट्सऐप आधारित सेवा भी शुरू की जाएगी, जिससे नागरिक चैट के माध्यम से जानकारी और सेवाएँ प्राप्त कर सकेंगे।

कैसे दर्ज होगी शिकायत

मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल का आधिकारिक वेब पता https://cmjansunwai.delhi.gov.in है, जहां नागरिक सीधे ऑनलाइन जाकर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। 'CM Jansunwai' नाम से इसका मोबाइल एप्लिकेशन भी उपलब्ध है, जिसे एंड्रॉयड उपयोगकर्ता गूगल प्ले स्टोर या वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। इस पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने के लिए वेबसाइट पर जाएं और 'Register a Complaint' या शिकायत दर्ज करें वाले विकल्प पर क्लिक करें। वहां आपका मोबाइल नंबर मांगा जाएगा, जिस पर ओटीपी। इसे भरकर आगे बढ़ें। फिर आपसे अपनी समस्या से जुड़ी जानकारी जैसे समस्याएं / शिकायत विवरण, विभाग (जैसे जल, बिजली, पेंशन आदि) और इलाका जैसे विवरण पूछे जाएंगे। नागरिक यहां समस्या से जुड़े दस्तावेज भी अपलोड कर सकते हैं। शिकायत सबमिट करने के बाद आपको एक रेफरेंस या पंजीकरण नंबर मिलेगा, जिससे आप बाद में अपनी शिकायत की स्थिति आसानी से देख सकते हैं। इसके अलावा, पोर्टल पर शिकायत की स्थिति देखें, रिमाइंडर भेजें अगर समाधान में देरी हो रही हो, और फीडबैक/प्रतिक्रिया दें जैसे विकल्प भी हैं, इससे आप अपनी शिकायत के समाधान और गुणवत्ता की जानकारी स्वयं रख सकते हैं।

मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल एवं मोबाइल ऐप

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'सीएम जनसुनवाई पोर्टल व ऐप' की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यह पोर्टल एक एकीकृत मंच के रूप में कार्य करेगा। इसी एक मंच पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली पुलिस और दिल्ली सरकार के सभी विभागों से जुड़ी शिकायतें दर्ज की जा सकेंगी। इसकी कार्यप्रणाली को बेहद सरल रखा गया है ताकि आम नागरिक बिना किसी तकनीकी परेशानी के अपनी बात कह सके। सिस्टम के भीतर शिकायतों, क्षेत्रों और विभागीय अधिकारियों की मैपिंग पहले से ही कर दी गई है।

चार माध्यमों से दर्ज कर सकेंगे शिकायतें

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने पाया कि नागरिकों के पास अपनी समस्याएं दर्ज करने के लिए तो मंच थे, लेकिन उनके समाधान की प्रभावी निगरानी की कोई व्यवस्था नहीं थी। शिकायतें एक विभाग से दूसरे विभाग में ट्रांसफर होती रहती थीं और आवेदक को यह पता ही नहीं चलता था कि समाधान कब और किस स्तर पर होगा। इसी समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल एवं मोबाइल ऐप शुरू किया गया है। इसकी विशेषता बताते हुए कहा कि शिकायत दर्ज करने के लिए नागरिकों को चार माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं, ऑनलाइन पोर्टल, मोबाइल ऐप, कॉल सेंटर (1902) और मुख्यमंत्री कार्यालय के माध्यम से ऑफलाइन व्यवस्था।

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए फंड की नहीं होगी कमी: इन्द्राज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- कुतुबगढ़ और मुंगेशपुर में सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों का शिलान्यास-उद्घाटन

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए कभी फण्ड की कमी नहीं होने दी जाएगी। ये शिलान्यास केवल ईंट और पत्थर का प्रतीक नहीं, बल्कि क्षेत्र के नागरिकों के विश्वास, सुविधाओं और बेहतर जीवन की मजबूत नींव हैं। समाज कल्याण मंत्री एवं बवाना विधानसभा क्षेत्र से विधायक रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने शनिवार को कुतुबगढ़ और मुंगेशपुर गांवों सहित क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर विकास कार्यों के शिलान्यास एवं उद्घाटन के बाद यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि मजबूत आधारभूत ढांचा ही सशक्त ग्रामीण समाज की पहचान है।

इसी संकल्प के साथ कुतुबगढ़ गांव में दिल्ली ग्राम विकास फण्ड के अंतर्गत शमशान घाट रोड एवं नालियों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। साथ ही नए फिरनी रोड एवं नालियों के निर्माण कार्य का उद्घाटन तथा पुराने फिरनी रोड एवं नालियों के निर्माण कार्य का भी उद्घाटन किया गया। इसके अतिरिक्त पुठ खुर्द में गंगा टोली रोड एवं नालों के विकास कार्यों का भी उद्घाटन किया गया। वहीं, मुंगेशपुर गांव में दिल्ली ग्राम विकास फण्ड द्वारा नहर वाले रोड के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया गया, जिससे क्षेत्र में सड़क, पानी, स्वास्थ्य और रोजगार को नई रफ्तार मिलेगी।

मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि वर्षों तक ग्रामीण क्षेत्रों को केवल घोषणाओं तक सीमित रखा गया, जिससे सड़क, जल निकासी और सीवर जैसी मूलभूत सुविधाएं उपेक्षित रहीं।

वर्तमान सरकार का लक्ष्य गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए गली, मोहल्ले और गांव स्तर तक समान रूप से विकास पहुंचाना है। मंत्री ने विश्वास जताया कि इन कार्यों के पूर्ण होने से बवाना विधानसभा क्षेत्र विकास, सुविधा और विश्वास का सशक्त मॉडल बनकर उभरेगा। सरकार जनता के सहयोग से दिल्ली को आधुनिक, समावेशी और आत्मनिर्भर राजधानी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

'विकसित भारत' के लिए केवल योग्यता ही हो पैमाना : गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- 15वें भारतीय छात्र संसद के उद्घाटन सत्र को किया संबोधित

'विकसित भारत' के लिए ऐसी राजनीतिक संस्कृति की आवश्यकता है जहां केवल योग्यता ही पैमाना हो और "जोड़-तोड़" के स्थान पर "समर्पण" हो। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को 15वें भारतीय छात्र संसद के उद्घाटन भाषण के दौरान यह संबोधन दिया।

उन्होंने कहा कि खेल में जीत टीम की होती है लेकिन राजनीति में सच्ची जीत जनता की होनी चाहिए। 'स्टेडियम से स्टेट्समैनशिप तक : राजनीति खेलों से क्या सीख सकती है?' विषय पर बोलते हुए, अध्यक्ष गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि खेल का मैदान सार्वजनिक जीवन के लिए एक प्रमुख पाठशाला है। जिस तरह एक एथलीट तिरंगे का मान बढ़ाने के लिए पसीना बहाता है, उसी तरह एक जन प्रतिनिधि को निस्वार्थ भाव से काम करना चाहिए ताकि राष्ट्र की गरिमा अडिग रहे।

अध्यक्ष गुप्ता ने दोहराया कि जब नेता स्वयं के लिए खेलना बंद करके 'राष्ट्रीय टीम' के लिए खेलना शुरू करेंगे, तो भारत को वैश्विक चैंपियन बनने से कोई नहीं रोक सकता। युवा सृजनशीलता और योग्यता 'विकसित भारत 2047' के खेल मैदान हैं। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' के लिए ऐसी राजनीतिक संस्कृति की आवश्यकता है जहां केवल योग्यता ही पैमाना हो और 'जोड़-तोड़' के स्थान पर 'समर्पण' हो। गुप्ता ने कहा कि खेल की भावना आधुनिक राजनीति को तीन स्तंभों के माध्यम से 'संजीवनी' प्रदान करती है - अनुशासन, टीम वर्क और खेल भावना। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ लोकतंत्र में संविधान ही अंतिम 'रूलबुक' है, ठीक वैसे ही जैसे खेल के नियम होते हैं। उन्होंने युवा नेताओं से आग्रह किया कि वे राजनीतिक विरोधियों को 'शत्रु' नहीं बल्कि 'प्रतिस्पर्धी' के रूप में देखें। उन्होंने जोर देकर कहा कि हार को शालीनता से स्वीकार करना और विजेता का सम्मान करना एक प्रगतिशील समाज की आत्मा है। उन्होंने कहा कि एक कप्तान की परीक्षा संकट में होती है; उसी तरह, एक नेता की असली पहचान तब होती है जब देश किसी चुनौती का सामना कर रहा हो।

'एमसीडी के जन स्वास्थ्य विभाग में एग्रीमेंट को लेकर कर्मियों में रोष'

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के जन स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत एमटीएस (डीबीसी/सीएफडब्ल्यू) कर्मियों में प्रशासन द्वारा लिए जा रहे एग्रीमेंट को लेकर रोष है। एंटी मलेरिया एकता कर्मचारी यूनियन (रजि.) के बैनर तले कर्मियों ने आरोप लगाया है कि पिछले तीन दशकों से निरंतर सेवा देने के बावजूद अब उनसे एग्रीमेंट लिया जाना उनके मौलिक अधिकारों का हनन है। यूनियन के महासचिव देवा नंद शर्मा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2023 से पहले तक कर्मियों को बिना किसी ब्रेक के हर वर्ष 1 अप्रैल से सेवा विस्तार दिया जाता रहा है और किसी प्रकार का एग्रीमेंट या एफिडेविट नहीं लिया जाता था। पिछले करीब 10 वर्षों से लगातार बिना ब्रेक और बिना एग्रीमेंट के सेवा दी जा रही थी। यूनियन का कहना है कि दशकों तक बिना किसी शर्त के सेवा विस्तार दिए जाने के बाद अचानक एग्रीमेंट की शर्त थोपना अनुचित है और इससे कर्मियों का मनोबल प्रभावित हो रहा है। यूनियन ने इस संबंध में महापौर और निगम आयुक्त को लिखित ज्ञापन सौंपकर एग्रीमेंट की शर्त समाप्त कर बिना ब्रेक सेवा विस्तार देने की मांग की है। यूनियन के अनुसार, वर्ष 2023 में एमटीएस पोस्ट बनने के बाद प्रशासन ने एग्रीमेंट लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी, जिसका उस समय भी विरोध किया गया था। अब 31 मार्च को सेवा समाप्ति के बाद 1 अप्रैल से पुनः सेवा भी विस्तार दिए जाने से पहले कर्मियों से फिर एग्रीमेंट मांगा जा रहा है, जिससे कर्मियों में असंतोष व्याप्त है।

एआई समिट मामला: कांग्रेस मुख्यालय पर भाजपा ने किया विराट रोष प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

एआई समिट में भारत को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपमानित करवाने के प्रयास के विरोध में शनिवार को दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस मुख्यालय पर विराट रोष प्रदर्शन किया और गिरफ्तारी दी। सचदेवा ने प्रदर्शन में सम्मिलित कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए पहले भारत माता की जय एवं वंदेमातरम का उदघोष करवाया और कांग्रेस द्वारा शुक्रवार को ए.आई. समिट में प्रदर्शन करने की निंदा की। प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक राजकुमार भाटिया द्वारा संचालित प्रदर्शन में एकत्र बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं सहित सांसद, विधायक, निगम पार्षद सम्मलित थे। प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार वीरेन्द्र सचदेवा एवं लगभग 1000 प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ता जब दूसरा बैरिकेड्स तोड़ कर आगे बढ़े तो दिल्ली पुलिस ने बल प्रयोग कर उन्हें रोका और गिरफ्तार कर तुगलक थाने ले गई, जहां से लगभग 1 घंटे बाद चेतावनी देकर छोड़ दिया।

नई ऊंचाइयों को पचा नहीं पा रही है कांग्रेस : सचदेवा

सचदेवा ने कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि यह वही मानसिकता है जो संसद से लेकर सड़कों तक देश को बदनाम करने की कोशिश करती रही है। उन्होंने कहा कि भारत आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में तकनीक, स्टार्टअप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है, जिसे कांग्रेस पचा नहीं पा रही है।

पुलिस से पहले जनता ने ही सिखा दिया सबक : तिवारी

सांसद मनोज तिवारी ने प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार की एआई समिट में कांग्रेस द्वारा घटना घटी है वह समान्य घटना नहीं है हालांकि जबतक पुलिस उन कांग्रेस के गुंडों को पकड़ती उससे पहले ही वहां उपस्थित जनता ने ही उन्हें सबक सिखा दिया लेकिन ए.आई. समिट में कांग्रेस ने यह सिर्फ विरोध नहीं किया है बल्कि राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस पार्टी का फ्रस्ट्रेशन दर्शाता है। 80 से ज्यादा देशों से युवा ए.आई. समिट में आए हैं जो कांग्रेस को नहीं पच पा रहा है। यह भाजपा में ए.आई. समिट नहीं था बल्कि यह भारत का एआई समिट था।

खुले और सुगम स्थान पर बनाया जाए नरेला जोन का नया भवन, जर्जर हालात पर पार्षदों ने जताई चिंता

दया राम ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के नरेला जोन भवन की जर्जर हालात को लेकर पार्षदों ने चिंता जाहिर की है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम में पूर्व नेता विपक्ष और मुंडका वार्ड से पार्षद अनिल लाकड़ा ने वार्ड समिति की बैठक में शुक्रवार को यह मामला उठाया और कहा कि भवन की वर्तमान हालात और इस मार्ग पर यातायात जाम की बढ़ती समस्या को देखते हुए इस भवन को किसी ऐसे खुले और सुगम स्थान पर बनाया जाए जहां जनप्रतिनिधि और जनता आसानी से पहुंच सके। इस दौरान उपमहापौर जयभगवान यादव, वार्ड समिति अध्यक्ष बबीता डबास, उपाध्यक्ष जनता देवा, संदीप, बबीना शौकीन, नेहा मिश्रा, विनोद सहरावत, लक्ष्मण आर्या, पवन सहरावत, दिनेश भारद्वाज सहित कई पार्षद मौजूद थे।

इसके अलावा बैठक में पार्षदों ने अधूरे विकास कार्यों और कर्मियों की भारी कमी को लेकर गंभीर मुद्दे उठाए। कुछ पार्षदों ने सहमति जताते हुए कहा कि जोन कार्यालय के भवन की हालत बेहद खराब है और विशेषकर बेसमेंट की स्थिति चिंताजनक है, जहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने मौजूदा बिल्डिंग के स्थान पर नई बिल्डिंग के लिए किसी खुले और सुगम स्थान पर नई बिल्डिंग निर्माण का प्रस्ताव रखा, ताकि बैठकें और प्रशासनिक कार्य सुचारु रूप से हो सकें।

अब और तेज होगी दिल्ली में विकास की गति: कपिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- करावल नगर में किया विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं उद्घाटन

पिछले एक वर्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार के पहले साल में व्यवस्था पूरी तरह पटरी पर लौटी और आज पूरी दिल्ली सेवा, सुशासन और अंत्योदय की योजनाओं का स्वागत कर रही है।

इस वर्ष दिल्ली की सभी विधानसभाओं में विकास की गति अब और तेज होगी। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री एवं उत्तर-पूर्वी दिल्ली के प्रभारी कपिल मिश्रा ने शनिवार को करावल नगर में महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं के शिलान्यास एवं उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार विरासत में दिल्ली के लिए जर्जर व्यवस्था, अंधकार, और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़े आधे-अधूरे विकास कार्य छोड़ कर गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली को 50 साल बाद करीब 50 हजार करोड़ से आधिक का नया ड्रेनेज मास्टर प्लान मिला। प्रमुख नालों से 22 लाख मीट्रिक टन से अधिक सिल्ट निकाली गई है। माँ यमुना के पुनर्जीवन के अलावा घरों को सीवर से जोड़ने और जल-आपूर्ति के लिए 9 हजार करोड़ की योजनाएं हैं। साथ ही यमुनापार क्षेत्रों में विकास के लिए 723 करोड़ की योजनाओं को स्वीकृति भी मिली। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में नीति और नियत स्पष्ट न होने से दिल्ली देश की राजधानी होने के बावजूद विकास की दौड़ में पिछड़ती गई। खासकर दिल्ली में यमुना पार क्षेत्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं पर भी काम नहीं हुआ। मंत्री मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री और सभी कैबिनेट मंत्री लगातार दिल्लीवासियों से जनसुनवाई के माध्यम से संवाद करते हैं, और दिल्लीवासियों के सुझावों को सरकार की योजनाओं में भी शामिल किया जाता है।

सक्सेना ने यमुना के किनारे बने नए साइकिल ट्रैक का किया उद्घाटन

उपराज्यपाल ने असिता में डीडीए के तीन दिवसीय पलाश महोत्सव 2026 का उद्घाटन किया, लोगों को किया आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय पलाश महोत्सव 2026 का उद्घाटन किया। तीन दिवसीय व्यवस्थित महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, थीम आधारित फूड स्टॉल और सभी आयु वर्गों के लिए सहभागितापूर्ण प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं।

महोत्सव के अलावा एलजी ने यमुना के किनारे बने नए साइकिल ट्रैक का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर एलजी सक्सेना के अलावा डीडीए उपाध्यक्ष एन. सरवण कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उद्घाटन अवसर पर एलजी ने अपने संदेश में कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर मौसमी पुष्प परिदृश्य का व्यापक विस्तार समावेशी शहरी सौंदर्यीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। किसी ने कल्पना नहीं की थी कि असिता का जर्जर भूभाग आज इतना जीवंत और सुंदर भू-दृश्य बन जाएगा। ऐसे प्रयास प्रकृति को नागरिकों के समीप लाते हैं और पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी को मजबूत करते हैं। मैं डीडीए को हरित सार्वजनिक स्थलों के सृजन और संरक्षण के निरंतर प्रयासों के लिए बधाई देता हूँ, जो शहर में जीवन गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं। इस अवसर पर डीडीए उपाध्यक्ष एन. सरवण कुमार ने कहा इस महोत्सव का उद्देश्य लोगों को प्रकृति से पुनः जोड़ना है। क्योंकि डीडीए राष्ट्रीय राजधानी में हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मैं सभी नागरिकों से आग्रह करता हूँ कि वे अपने परिवारों के साथ आकर प्रकृति की गोद में आयोजित इस जीवंत और रंगीन उत्सव का आनंद लें। डीडीए ने विस्तार से बताया कि एलजी की पहल के अंतर्गत ट्यूलिप को पलाश महोत्सव की एक प्रमुख विशेषता के रूप में सम्मिलित किया गया है। जिससे दिल्ली का पुष्प भू-दृश्य पारंपरिक लुटियंस दिल्ली से आगे बढ़कर व्यापक क्षेत्रों तक विस्तार हुआ है।

खबर संक्षेप

कार की टक्कर से बैंक कर्मचारी की मौत

फरीदाबाद। सूरजकुंड रोड पर मंगलवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की

जान चली गई। हादसा मानव रचना यूनिवर्सिटी के पास हुआ, जहां पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया गया।

कार की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

फरीदाबाद। जिले के गढ़खेड़ा गांव में शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 27 वर्षीय साइकिल सवार युवक की जान

चली गई। तेज रफ्तार मारूती सूजुकी ईको कार ने युवक को टक्कर मार दी, वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान तेजपाल (27) निवासी गढ़खेड़ा के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार तेजपाल प्रतिदिन खेतों में कुत्तों को रोटी डालने जाता था। भी वह दोपहर बाद साइकिल से खेतों से घर लौट रहा था।

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार की मौत

गुरुग्राम। बिलासपुर थाना एरिया में स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार फिजियोथेरेपिस्ट की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में

लेकर मोर्चरी में पहुंचाया। अज्ञात स्कॉर्पियो के चालक के खिलाफ धारा 281,106 बीएनएस के तहत बिलासपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की है। नूंह निवासी मुकेश (25) फिजियोथेरेपी करने का काम करता था। 20 फरवरी की देर शाम मुकेश ताजनगर गांव में किसी मरीज को देखने गया था। रात को वह ताजनगर से अपने गांव पाड़ा की ओर बाइक पर सवार होकर जा रहा था।

सरहौल गांव में पैदल यात्रा कर लोगों को किया जागरूक

फर्स्ट क्लाइमेट एक्शन वॉक' और एआई राउंडटेबल का आयोजन

■ पर्यावरण संतुलन में जलवायु अनुकूल सड़कें और गलियों के महत्व को बताया

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

दिल्ली क्लाइमेट इनोवेशन वीक 2026 के तहत राहगीरी फाउंडेशन और नगारो ने मिलकर 'पीपल-फर्स्ट क्लाइमेट एक्शनः वॉकिंग द फ्यूचर' कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें सरहौल गांव के निकट एक पैदल यात्रा की और एआई राउंडटेबल के माध्यम से यह प्रदर्शित किया कि कैसे जन-केंद्रित शहरी नियोजन और उभरती तकनीकें मिलकर जलवायु के प्रति अनुकूल शहरों का निर्माण कर सकती हैं। कार्यक्रम की शुरुआत सरहौल गांव और सनथ रोड पर एक पैदल यात्रा से हुई, जहां प्रतिभागियों ने जलवायु-उत्तरदायी सड़क परिवर्तनों का प्रत्यक्ष अनुभव किया। इस पैदल यात्रा के दौरान छायादार पैदल पथ,

साइकिलिंग के बुनियादी ढांचे, जलभराव प्रबंधन के लिए बायोस्वैल्स और शहरी हरियाली जैसे हस्तक्षेपों को दिखाया गया, जो न केवल सुरक्षा बढ़ाते हैं बल्कि भीषण गर्मी के प्रभाव को कम कर पड़ोस की प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत करते हैं। मौके पर एआई और नागरिक डिजाइन पर एक गोलमेज चर्चा आयोजित की गई। चर्चा में गुरुग्राम नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त यश झालुका ने स्पष्ट किया कि शहर केवल तकनीक से स्मार्ट नहीं बनते, बल्कि वे तब लचीले बनते हैं जब सरकार, नागरिक समाज और डेटा मिलकर काम करते हैं। वहीं, राहगीरी फाउंडेशन की सह-संस्थापक और नगारो की निदेशक सारिका पांडा ने कहा कि जलवायु कार्रवाई तब वास्तविक बनती है जब लोग अपने रोजमर्रा के जीवन में अधिक सुरक्षित, ठंडी और समावेशी सड़कों का अनुभव करते हैं। शहरों की योजना वाहनों के बजाय लोगों को केंद्र में रखकर बननी चाहिए। चर्चा में वक्ताओं ने बताया कि पैदल चलने योग्य सड़कें और गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक स्थल शिक्षा, रोजगार और सामुदायिक कल्याण से जुड़े हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित वीडियो निगरानी, नवीकरणीय ऊर्जा ग्रिड का अनुकूलन और डिजिटल ट्विन तकनीक से जल रिसाव की पूर्वानुमानित पहचान जैसे उपाय शहरों को प्रतिक्रियात्मक व्यवस्था से सक्रिय योजना की ओर ले जा सकते हैं। गुरुग्राम नगर निगम के आयुक्त प्रदीप दाहिया ने कहा कि सुरक्षित शहर समावेशी डिजाइन से बनते हैं जहां दृश्यता, पहुंच और गरिमा सभी के लिए सुनिश्चित हो।

प्रतिनिधियों ने अपने विचार साझा किए

कार्यक्रम के दौरान गुरुग्राम नगर निगम सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सरकार, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र के बीच मजबूत सहयोग पर जोर देते हुए कहा कि बढ़ते जलवायु दबाव के बीच चुनौतियों को नवाचार और व्यापक प्रभाव के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। इस सत्र में शहरी नेताओं, नीति निर्माताओं और तकनीकी विशेषज्ञों ने इस बात पर मंथन किया कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सड़कों पर सूक्ष्म जलवायु परिस्थितियों को मापने, पैदल यात्रियों की सुरक्षा में सुधार करने और डेटा-संचालित योजना बनाने में सहायक हो सकती है। आयोजन में जाना अर्बन स्पेस, आईसीसीटी इंडिया, पर्पस, जीका कैपिटल और हनू एआई के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार साझा किए। जीका कैपिटल के प्रतिनिधि पवन राज कुमार ने सुझाव दिया कि एआई को एक अदृश्य परत के रूप में काम करना चाहिए जो मानवीय स्पर्श को खोए बिना शहरों को सुरक्षित और अधिक समावेशी बनाए। सरहौल को एक 'लिविंग लैब' के रूप में पेश करते हुए इस पहल ने भविष्य के लिए एक ऐसा मार्ग प्रशस्त किया है जहां गतिशीलता, आजीविका और सामुदायिक जीवन के चौराहे पर जलवायु समाधानों को लागू किया जा सके।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए

जश्न-ए-फरीदाबाद-5 में संगीत, साहित्य और संस्कृति का संगम, श्रोताओं ने खूब सराहना की

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद साहित्यिक एवं सांस्कृतिक केंद्र द्वारा आयोजित जश्न-ए-फरीदाबाद-5 में संगीत, साहित्य और संस्कृति का अनुपम संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनका स्वागत प्रधान नवीन सूद, सांस्कृतिक सचिव विनोद मलिक, महामंत्री मनोहर लाल नंदवानी, कोषाध्यक्ष वसु मित्र सत्यार्थी, कार्यकारिणी सदस्य अश्विनी सेठी तथा वीके अग्रवाल ने पट्टिका और स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। अपने संबोधन में कृष्ण पाल गुर्जर ने संस्था के कला, साहित्य और सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि एफएलसीसी फरीदाबाद की सांस्कृतिक विरासत को संजोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने पूरी टीम को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। सदाबहार नगमे संध्या में किशोर अलंकरण सम्मान से सम्मानित गायक राजेश अय्यर और इंडियन आइडल फेम अंकिता मिश्रा ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। राजेश अय्यर ने मैं हूं झुम झुम झुमरू, मेरे सपनों की रानी, ओ मेरे दिल के चैन, तेरे बिन जिंदगी से कोई शिकवा जैसे गीतों से श्रोताओं को झुमाया। वहीं अंकिता मिश्रा ने हमें तुमसे प्यार कितना और तुझसे नाराज नहीं जिंदगी जैसे गीतों से माहौल भावुक कर दिया। दोनों कलाकारों ने किशोर कुमार को सुरमयी

श्रद्धांजलि दी। मंच संचालन प्रदीप पल्लवी ने किया। चौपाल सत्र में फरीदाबाद का रिश्ता बन्नु तक विषय पर प्रसिद्ध लेखक एवं इतिहासकार विवेक शुक्ला, सरदार मोहन सिंह भाटिया, गुलशन भाटिया और विनोद मलिक ने विभाजन काल और बन्नु समुदाय के योगदान पर विचार रखे। डॉ. अंजू मुंजाल के निर्देशन में प्रथम अर्धशास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता आयोजित हुई। निर्णायक साक्षी गौड़ और अलाईवा रहीं। अमायरा लूथरा (प्रथम), अहाना सैनी (द्वितीय), भानवी नागपा (तृतीय) तथा जागृति और शनाया भाटिया को सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

आज हेल्थ कैंप एवं रक्तदान शिविर का आयोजन

त्वरित, सस्ता एवं सुलभ न्याय प्रत्येक नागरिक का अधिकार हैः संजय सिंह

गाजियाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजियाबाद के तत्वावधान में 22 फरवरी (रविवार) को अपराह्न 12:00 बजे जनपद न्यायालय परिसर, गाजियाबाद में मेगा/वृहद विधिक सेवा, जागरूकता, हेल्थ कैंप एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

यह कार्यक्रम अध्यक्ष/ जनपद न्यायाधीश विनोद सिंह रावत के निर्देशन में आयोजित होगा। सचिव संजय सिंह द्वितीय ने बताया कि शिविर का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करना तथा विभिन्न शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। शिविर में

निःशुल्क विधिक परामर्श एवं सहायता, लोक अदालत के माध्यम से सुलह-समझौते संबंधी जानकारी, आवेदन/ प्रार्थना पत्र लेखन में सहयोग, पीड़ित प्रतिकर योजना संबंधी मार्गदर्शन, महिला, बालक, वरिष्ठ नागरिक, श्रमिक एवं अन्य वर्गों के विधिक अधिकारों की जानकारी, हेल्थ कैंप, स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन आदि सुविधाएं उपलब्ध हैं।

भाजपा ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में प्रदर्शन पर जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सेक्टर-15 में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूंका। यह प्रदर्शन दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस के कुछ सदस्यों द्वारा किए गए शर्टलेस प्रदर्शन के विरोध में किया गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस घटना को देश की छवि के खिलाफ बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई। दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने क्यूआर कोड के माध्यम से भारत मंडपम स्थल में प्रवेश किया। इसके बाद वे प्रदर्शनी हॉल में पहुंचे और वहां अपने कपड़े उतारकर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान उनकी टी-शर्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति की तस्वीरों के साथ इंडिया-यूएस ट्रेड डील और पीएम इज कम्प्रोमाइज्ड जैसे राजनीतिक नारे लिखे हुए थे। भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां लेकर एकत्रित हुए, जिन पर कांग्रेस मुर्दाबाद के नारे लिखे थे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब देश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है, तब इस तरह का विरोध प्रदर्शन देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला है। भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि दिल्ली में चल रहे इस एआई सम्मेलन में दुनिया भर से प्रतिनिधि शामिल हुए हैं।

कोराली स्कूल में प्रतिभाशाली छात्राओं को वितरित की साइकिलें

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सामाजिक संस्था एक संघर्ष के तत्वावधान में राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, कोराली में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पढ़ाई, खेलकूद एवं

सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली आठ छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं। सम्मानित छात्राओं में वर्षा, राधिका, अंशु, नंदिनी, दिया, नंदिनी, पूनम और वैष्णवी शामिल रहीं। इसके अतिरिक्त ग्रीटा महोत्सव में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया गया। समारोह में संस्था की ओर से अजय बहल, चेतना और तान्या विशेष रूप से उपस्थित रहे। अजय बहल ने कहा कि शिक्षा और आत्मविश्वास से ही बेटियां नई ऊंचाइयों को छू सकती हैं।

शहरी जीवन बनेगा सुविधाजनक, होगा पर्यावरण संरक्षण

अच्छी खबरः जीडीए ने लागू किया मिश्रित भूउपयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

गाजियाबाद के लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की सीमा में मिश्रित उपयोग को किया लागू कर दिया गया है। जिसका उद्देश्य भूमि का अधिकतम एवं संतुलित उपयोग सुनिश्चित करना, यात्रा की आवश्यकता को कम करना तथा शहरी जीवन को अधिक सुविधाजनक और गतिशील बनाना है। जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मिश्रित उपयोग विकास वह नियोजन अवधारणा है।

जिसमें एक ही भूखण्ड, भवन या क्षेत्र में दो या अधिक प्रकार के भूमि उपयोग जैसे आवासीय, वाणिज्यिक, कार्यालय, संस्थागत, मनोरंजन आदि को समन्वित रूप से विकसित किया जाता है। इसका उद्देश्य भूमि वर्तमान का अधिकतम एवं संतुलित उपयोग सुनिश्चित करना, यात्रा की आवश्यकता को कम करना तथा शहरी

जीवन को अधिक सुविधाजनक और गतिशील बनाना है। शहरी परिदृश्य में तीव्र जनसंख्या वृद्धि, सीमित भूमि संसाधन और बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए मिश्रित उपयोग विकास एक प्रभावी एवं व्यवहारिक समाधान के रूप में उभरा है।

मिश्रित उपयोग विकास की मूल अवधारणा यह है कि नागरिकों को आवास, रोजगार, खरीदारी, शिक्षा एवं मनोरंजन जैसी दैनिक आवश्यकताएँ एक ही क्षेत्र या समीपवर्ती परिसर में उपलब्ध हों। इससे अनावश्यक आवागमन कम होता है। ईंधन की बचत होती है तथा पर्यावरणीय प्रदूषण में कमी आती है।

25 फरवरी से 13 मार्च तक कर सकते हैं आवेदन

महायोजना के अंतर्गत चिन्हांकित मिश्रित उपयोग स्वीकृत ले- आउट के भाग के रूप में चिन्हित मिश्रित उपयोग वाले भूखण्ड, जैसे प्राधिकरण द्वारा विकसित मधुबन आवासीय योजना में पाकेट ए एवं बी में मिश्रित उपयोग के भूखण्ड नियोजित किए गए है, जिसके पंजीकरण के लिए 25 फरवरी से 13 मार्च तक आवेदन किया जा सकता है। प्राप्त आवेदन को नीलामी के माध्यम से 18 मार्च को आवंटन किया जाएगा। 18 मीटर से कम चौड़ी अधिसूचित बाजार स्ट्रीट (निर्दिष्ट प्रतिबंधों के साथ) 24 मीटर चौड़े एवं उससे अधिक चौड़ी सड़कों पर (प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित या विकसित ले आउट तथा बाजार स्ट्रीट सहित) टीओडी जोन्स मिश्रित उपयोग विकास के लिए निर्धारित मानक मिश्रित उपयोग में सामान्यतः मुख्य उपयोग (जैसे आवासीय) के साथ सहायक उपयोग (जैसे वाणिज्यिक / कार्यालय) का एक निश्चित प्रतिशत निर्धारित किया जाता है। मुख्य उपयोग -33, अन्य उपयोग-66, अन्य उपयोग का क्षेत्रफल मुख्य उपयोग से अधिक नहीं होना।

सनलाइट कॉलोनी में पत्नी की गोली मारकर हत्या, आरोपी पति फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सनलाइट कॉलोनी में शुक्रवार रात एक सनसनीखेज वारदात में पति ने अपनी पत्नी की बीच सड़क पर तीन गोलियां

मारकर हत्या कर दी। घटना रात करीब 7:30 से 8 बजे के बीच की बताई जा रही है। मृतका की पहचान संगीता देवी (30) निवासी बसंतपुर गांव स्थित सनलाइट कॉलोनी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार संगीता ने करीब 12 वर्ष पहले दिलीप नामक युवक से प्रेम विवाह किया था। दोनों की दो बेटियां हैं। पिछले करीब तीन वर्षों से दंपती के बीच घरेलू विवाद चल रहा था और संगीता अपनी बेटियों के साथ अलग रह रही थी। पति दिलीप शिव एन्क्लेव में रह रहा था। संगीता ने दिल्ली की साकेत कोर्ट में तलाक का मामला भी दायर किया हुआ था। घर पर न मिलने से बढ़ा विवादः प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शुक्रवार शाम दिलीप अपने परिवार के कुछ सदस्यों के साथ संगीता के घर पहुंचा, लेकिन वह घर पर नहीं मिली। वे लौटने लगे तो गली में संगीता सामने से आती दिखाई दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक विवाद बढ़ने पर दिलीप ने पिस्टल निकाल ली। संगीता ने खुद को बचाने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने उस पर तीन राउंड फायरिंग कर दी। गोलियां लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर गली में गिर पड़ी। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। इस दौरान आरोपी पिस्टल लहराते हुए मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही संगीता के पिता और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे। पड़ोसियों की मदद से उसे सेक्टर-31 स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

योजना में भारी सब्सिडी भी प्रदान की गई है

पीएम सूर्य घर योजना में लगवाएं पैनल और करें पर्यावरण संरक्षणः डीपीआरओ

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

ज़िला पंचायत राज अधिकारी जाहिद हुसैन ने शनिवार को कहा कि ग्राम प्रधान पीएम सूर्य घर योजना में पैनल लगवाकर पर्यावरण संरक्षण करें। ज़िला पंचायत राज अधिकारी बताया कि पीएम सूर्य घर योजना सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है।

इस योजना के शुरू करने के पीछे सरकार का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है।विद्युत उत्पादन के विभिन्न तरीक़े है जिनमे कोयला,तेल इत्यादि से वायु प्रदूषण,जल प्रदूषण इत्यादि पर्यावरणीय हानि होती है,साथ ही कोयला खदान में जंगल कटान भी होता है जबकि सौर्य ऊर्जा विद्युत उत्पादन का एक ऐसा स्रौत है जिससे किसी भी प्रकार का प्रदूषण

नहीं होता और देश की प्राकृतिक संसाधनों का भी संरक्षण होता है पर्यावरण अनुकूल विद्युत उत्पादन के दृष्टिगत व प्राकृतिक संसाधनों के लगातार दोहन की रोकथाम हेतु भारत सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर योजना की शुरुआत की गई है। डीपीआरओ ने बताया इस योजनांतर्गत भारी सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है। एक किलोवॉट के कनेक्शन में जहां लगभग 65 हजार रुपए की कुल लागत आती है ।

मुजेसर इंडस्ट्रियल एरिया में छह दिन पहले हुआ था भीषण अग्निकांड

पीएसआई रवि का निधन, हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

मुजेसर थाना क्षेत्र के सेक्टर-24 स्थित इंडस्ट्रियल एरिया में हुए भीषण आगजनी और केमिकल ड्रम विस्फोट कांड में छठे दिन एक और दुखद मृत्यु हो गई।

मुजेसर थाने में तैनात पीएसआई रवि (पुत्र नवाब सिंह, निवासी गांव क्योड़क, जिला कैथल) ने 21 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 7:30 बजे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उपचार के दौरान अंतिम सांस ली। उनके निधन के साथ ही इस दर्दनाक हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। यह हादसा सोमवार शाम लगभग 4:30 बजे मुजेसर क्षेत्र में स्थित शिव स्टील और कालका जी लुब्रिकेंट केमिकल वर्कशॉप में हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अचानक लगी आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया। वर्कशॉप में रखे केमिकल से भरे ड्रमों में एक के बाद एक जोरदार विस्फोट हुए, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। धमाकों की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई।

आग और विस्फोट की चपेट में आकर 35 से अधिक लोग झुलस गए थे। सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। कई गाड़ियो और दर्जनों कर्मियों ने घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत और बचाव कार्य देर रात तक चलता रहा। घायलों को तुरंत शहर के निजी और सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से झुलसे लोगों को बेहतर उपचार के लिए दिल्ली रेफर किया गया।

हादसे के कारणों की गहन जांच की जा रही

हादसे के चौथे दिन वर्कशॉप मालिक के 25 वर्षीय बेटे अभिषेक मोंगा और कर्मचारी प्रदीप की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी। दोनों की हालत शुरू से ही नाजुक बनी हुई थी। पांचवें दिन आग बुझाने के दौरान घायल हुए फायर ब्रिगेड कर्मचारी भविचंद्र (48 वर्ष) ने भी दम तोड़ दिया। वह गंभीर रूप से झुलस गए थे और उनका इलाज दिल्ली में चल रहा था। अब छठे दिन पीएसआई रवि के निधन से पुलिस विभाग में गहरा शोक व्याप्त है। बताया जा रहा है कि वह रेस्क्यू अभियान के दौरान घायल हुए थे और पिछले कई दिनों से जीवन के लिए संघर्ष कर रहे थे। लगातार हो रही मौतों से पुलिस, दमकल विभाग और स्थानीय प्रशासन में शोक की लहर है। अधिकारियों ने दिवंगतों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। इधर, पुलिस ने संबंधित वर्कशॉप संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की गहन जांच की जा रही है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गीता उर्फ पूजा, पत्नीः श्री राम चंदर, पताः झुग्गी नं. 76/47, धोबी घाट, न्यू ओम नगर, संगम पार्क, राणा प्रताप बाग, दिल्ली** ने **FIR No. 191/2020, U/s 380 IPC, पुलिस थाना केशव पुरम, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **गीता उर्फ पूजा** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **गीता उर्फ पूजा** फरार हो गई है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 191/2020, U/s 380 IPC, पुलिस थाना केशव पुरम, दिल्ली** के अभियुक्त **गीता उर्फ पूजा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.07.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – सुश्री संयम जैन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–04, उत्तर–पश्चिम,
कमरा नं. 112, पहली मंजिल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/2134/NW/2026

आईएसटी लिमिटेड

CIN: L33301HR1976PLC008316
पंजीकृत कार्यालय : धारूहेड़ा इंडस्ट्रीयल कॉम्पलैक्स, दिल्ली जयपुर हाईवे नं. 8, कापड़ीवास, धारूहेड़ा, जिला रेवाड़ी- 123102 (हरियाणा)
Tel: (91) 1274 - 267346, 267347, 267348,267419,267420 Fax: 01274- 267444
Website: www.istindia.com; E-mail: cs@istindia.com

डाक मतदान की सूचना और दूरस्थ ई-वोटिंग जानकारी

एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि डाक मतदान दिनांक 19 फरवरी 2026 की सूचना में विनिर्दिष्टानुसार बिजनेस का सम्पादन करने के लिए कम्पनी के सदस्यों का डाक मतदान शनिवार, 21 फरवरी, 2026 से आयोजित किया जाना निर्धारित है।

कम्पनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियमों 2014 के नियम 20 और नियम 22 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 108 और धारा 110 के प्रावधानों और भारतीय प्रतिभूतियां एवं विनिमय बोर्ड (लिस्टिंग आब्लीगेशंस एवं घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों 2015 के नियमन 44 और अधिनियम के अन्य लागू प्रावधानों, उनके तहत जारी नियमों, नियमनों, सरकुलर्स और अधिसूचनाओं और दिशा-निर्देशों (समय-समय पर संशोधित अनुसार और उस समय लागू उनके वैधानिक संशोधनों अथवा पुनः क्रियान्वयन, यदि कोई हो, समेत) के सम्बन्ध में आईएसटी लिमिटेड ("दि कम्पनी") दूरस्थ इलैक्ट्रोनिक वोटिंग ("दूरस्थ ई-वोटिंग") के साधनों द्वारा डाक मतदान सूचना में विनिर्दिष्ट प्रस्ताव के सम्बन्ध में सदस्यों का अनुमोदन लेने हेतु डाक मतदान दिनांक 19.02.2026 की सूचना भेज चुकी है।

अन्य बातों के अलावा कम्पनी मामलों का मंत्रालय (एमसीए) द्वारा जारी लागू योग्य दिशा-निर्देशों / सरकुलर्स /नियमों समेत सामान्य सरकुलर नं. 03/2025 दिनांक 22 सितम्बर 2025 के अनुपालन में, कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 102 (1) के अनुसरण में व्याख्यात्मक विवरण के साथ-साथ उक्त डाक मतदान के माध्यम से सम्पादित किए जाने वाले बिजनेस निहित सूचना केवल इलैक्ट्रोनिक मोड के माध्यम से उन शेयरधारकों को भेज दी गई है जिनके ई-मेल आईडी शुक्रवार 13 फरवरी 2026 जोकि कटऑफ तिथि है, को कम्पनी/रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर एजेंट (आरटीए)/डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स (डीपी'एस) के पास पंजीकृत हैं। सूचना का प्रेषण शुक्रवार 20 फरवरी 2026 को पूर्ण कर लिया गया है। कोई व्यक्ति जो शुक्रवार 13 फरवरी 2026 ('कट-ऑफ तिथि') के अनुसार सदस्य नहीं है, डाक मतदान की इस सूचना को केवल जानकारी के प्रयोजन हेतु माने।

कृपया ध्यान दें कि एमसीए सरकुलर और सेबी मास्टर सरकुलर के प्रावधानों के अनुसरण में, डाक मतप्रपत्र और पूर्व-भुगतान बिजनेस जवाब लिफाफा के साथ-साथ सूचना की मुद्रित प्रति इस डाक मतदान के लिए सदस्यों को नहीं भेजी गई हैं और सदस्यों को केवल दूरस्थ ई-वोटिंग सुविधा के माध्यम से अपनी सहमति अथवा असहमति संचारित करना आवश्यक है।

कंपनी इसके सदस्यों को ई-वोटिंग सुविधा प्रदान करने के लिए नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉज़िटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) की सेवाएं ले चुकी है। दूरस्थ ई-वोटिंग शनिवार, 21 फरवरी, 2026 को पूर्वा. 09:00 बजे (आईएसटी) प्रारम्भ होगी और रविवार, 22 मार्च, 2026 को अप. 05:00 बजे (आईएसटी) समाप्त होगी। ई-वोटिंग सुविधा रविवार, 22 मार्च, 2026 को अप. 05:00 बजे (आईएसटी) एनएसडीएल द्वारा अयोग्य कर दी जाएगी। डाक मतदान के परिणाम मंगलवार, 24 मार्च, 2026 को या इससे पूर्व कम्पनी द्वारा घोषित किए जाएंगे।

कम्पनी ने निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से मतदान प्रक्रिया की संवीक्षा करने के लिए संवीक्षाकर्ता के तौर पर श्री विनोद कुमार अनेजा, पूर्णकालिक प्रैक्टिस कंपनी सचिव, नई दिल्ली को नियुक्त किया है। संवीक्षाकर्ता इसकी रिपोर्ट कंपनी के चेयरमैन को जमा करवाएंगे। डाक मतदान के परिणाम मंगलवार, 24 मार्च, 2026 को या इससे पूर्व कम्पनी द्वारा घोषित किए जाएंगे।

डाक मतदान सूचना के साथ-साथ ई-वोटिंग हेतु निर्देश कम्पनी की वेबसाइट पर, बीएसई की वेबसाइट https://www.bseindia.com पर उपलब्ध है। परिणाम के साथ-साथ संवीक्षाकर्ता की रिपोर्ट, एकबार घोषित कर दी जाती है तो इसकी वेबसाइट पर प्रदर्शित भी की जाएगी।

ई-वोटिंग के सम्बन्ध में किसी शिकायत / पूछताछ / स्पष्टीकरण हेतु, सदस्य बारम्बार पूछे जाने वाले प्रश्न ("एफएक्यूएस") और www.evoting.nsdl.com पर उपलब्ध ई-वोटिंग मैनुअल देख सकते हैं अथवा टोलफ्री नं. 1800-222-990 पर कॉल कर सकते हैं। सदस्य कम्पनी के रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट – मै. मास सर्विसेज लिमिटेड, जिसका कार्यालय टी-34, द्वितीय तल, ओखला इंडस्ट्रीयल एरिया, फेज-II, नई दिल्ली-110020, ई-मेल आईडी investor@masserv.com/ sm@masserv.com, पर सम्पर्क नं. 011-26387281, 26387282 , 26387283 पर किन्हीं शिकायतों को निपटाने के लिये सम्पर्क भी कर सकते हैं।

कृते आईएसटी लिमिटेड
हस्ता/-
सुरेश चंद जैन
कार्यकारी निदेशक

दिनांक : 21.02.2026
स्थान : नई दिल्ली

पेज एक का शेष

अगले पांच वर्षों में...

सहयोग और मजबूत होगा। वहीं, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने बैठक में पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की और कहा कि आतंकवाद किसी धर्म या राष्ट्रीयता से जुड़ा हुआ नहीं है। ब्राजील ने भारत के सामान्य वीजा धारकों के लिए बिजनेस वीजा की अवधि को 10 साल के लिए बढ़ा दिया है। उसका ये निर्णय इसी महीने की 7 तारीख से लागू माना जाएगा। विदेश मंत्रालय ने अपने अपने कुछ बयानों के जरिए यह जानकारी दी है।

बड़े डेलिगेशन...

स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने परंपरागत सैन्य गार्ड ऑफ आर्नर का निरीक्षण किया। राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर ब्राजील के राष्ट्रपति ने पुष्पांजलि अर्पित की।

बातचीत-कूटनीति से ...

और आकांक्षाओं को आगे बढ़ाते रहेंगे।

रक्षा क्षेत्र की 'विन-विन' भागीदारी : उन्होंने कहा कि रक्षा के क्षेत्र में भी हमारा सहयोग लगातार बढ़ रहा है। जो एक-दूसरे को लेकर भरोसे और रणनीतिक तालमेल का बेहतरीन उदाहरण है। हम इस विन-विन रणनीतिक भागीदारी को आगे और मजबूत करेंगे। तकनीक और नवाचार में हमारा सहयोग भारत, ब्राजील के अलावा ग्लोबल साउथ के लिए भी महत्व रखता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर, सुपर-कंप्यूटर और ब्लॉकचेन जैसे क्षेत्रों में भी अपने सहयोग को हम प्राथमिकता दे रहे हैं। दोनों का ये मानना है कि तकनीक समावेशी होने के साथ ही साझा प्रगति के एक पुल के समान होनी चाहिए।

सीडीआरआई की सह-अध्यक्षता करेगा ब्राजील: प्रधानमंत्री ने बताया कि राष्ट्रपति लूला के साथ हुई बैठक में मुझे प्रसन्नता हुई कि भारत, ब्राजील में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सेंटर फॉर एक्सीलेंस बनाने पर काम कर रहे हैं। ऊर्जा सहयोग को उन्होंने सहयोग का एक अहम स्तंभ बताते हुए कहा कि हाइड्रोकार्बन के साथ-साथ हम नवीकरणीय ऊर्जा, एथेनॉल शोधन, सतत हवाई ईंधन जैसे कई अन्य क्षेत्रों में भी सहयोग को और अधिक गति दे रहे हैं। ग्लोबल बॉयोफ्यूल अलायंस में ब्राजील की सक्रिय भागीदारी, ग्रीन फ्यूचर के प्रति हमारे साझा संकल्प को दर्शाती है। ब्राजील ने भारत की आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे (सीडीआरआई) की पहल की सह-अध्यक्षता करने का प्रस्ताव रखा है। इस क्षेत्र में ब्राजील का गहन अनुभव सीडीआरआई को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

खाद्य सुरक्षा को मिलेगी मजबूती : दोनों देश कृषि और पशुपालन क्षेत्र में अपनी साझेदारी को भविष्य की जरूरतों के मुताबिक नए आयाम दे रहे हैं। जलवायु आधारित कृषि, प्रिसिजन फार्मिंग और बायो फर्टिलाइजर जैसे क्षेत्रों में हमारा सहयोग दोनों देशों की खाद्य सुरक्षा को मजबूत करेगा। ब्राजील में तेल के बीज, दालों और एकीकृत कृषि के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में एक अहम पहल होने वाली है। इतना ही नहीं दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य और फार्मा के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं। जिसमें हम भारत से ब्राजील को सुलभ और गुणवत्ता वाली दवाइयों की आपूर्ति बढ़ाने पर काम करेंगे। इसके अलावा ब्राजील में आयुर्वेद और परंपरागत दवाओं का भी विस्तार किया जाएगा। जिससे समूचे स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा मिले।

इन क्षेत्रों में हुए एमओयू : दोनों देशों के बीच बैठक के बाद जो कुल 9 एमओयू और 1 दस्तावेज सामने आया है। उसमें दुर्लभ और जटिल खनिजों के क्षेत्र में सहयोग के लिए किया गया एमओयू, स्टील सप्लाई चेन को लेकर खनन क्षेत्र में हुआ एमओयू, पोस्टल क्षेत्र, एमएसएमई-आंत्रप्रेन्योरशिप व क्राफ्ट, हेल्थ नियामक एजेंसियों के बीच हुआ समझौता ज्ञापन (एमओयू) शामिल है। भारत-ब्राजील में व्यापार समझौते, आईएनपीआई और सीएसआईआर के बीच परंपरागत ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी को लेकर भी एक एमओयू किया गया है। साथ ही सीडीएससीओ और एएनवीआईएस के बीच हुआ एमओयू, आईआईएमसी व यूएफएमजी के बीच हुआ एमओयू, एसआरएफटीआई – यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ पाउलो के बीच हुआ एमओयू, ओरिजन के ई-सर्टिफिकेशन को लेकर हुआ एमओयू मुख्य है। इसके अलावा भविष्य के लिए डिजिटल भागीदारी के एक्शन प्लान को लेकर दोनों देशों ने एक संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर के साथ उसका आदान-प्रदान किया है।

अमेरिका, चीन सहित 86 ...

गया है। साथ ही नवाचार और मानव संसाधन के विकास पर भी इसमें ध्यान केंद्रित किया गया है। विदेश मंत्रालय ने 21 फरवरी को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। एआई में होगा 250 बिलियन का निवेश: केंद्रीय मंत्री ने ये भी बताया इस सम्मेलन की एक खास बात यह रही कि इसमें सिर्फ और सिर्फ एआई से जुड़े हुए बुनियादी ढांचे के लिए 250 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश सुनिश्चित किया गया है। सभी भागीदार देशों की आयोजन में सक्रिय भागीदारी देखने को मिली है। इसके अलावा सभी ने विषय से जुड़े हुए तमाम महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साथ मिलकर काम करने को लेकर सहमति जताई है। सम्मेलन में कुल करीब पांच लाख से अधिक लोगों यानी आगंतुकों ने भाग लिया। बहुत कुछ सीखने को मिला, दुनिया के कई विशेषज्ञों के साथ संवाद हुआ, स्टार्टअप्स ने अपने कार्य को प्रदर्शित किया। कुल मिलाकर कहूं तो इस सम्मेलन के दौरान हुई चर्चाओं की गुणवत्ता अद्भुत थी। उन्होंने बताया कि आयोजन में हुई मंत्री स्तरीय चर्चाएं, नेताओं की बैठकें, मुख्य उद्घाटन समारोह और सम्मेलन की पूरी प्रक्रिया सराहनीय रही है। भारत की थीम का लब्बोलुआब : विदेश मंत्रालय ने कहा, सम्मेलन की थीम मुख्य रूप से तीन बातों पर जोर देती हुई नजर आई। जिसमें वैश्विक सहयोग, बहुपक्षीय हितधारकों के साथ सहयोग को प्रगाढ़ बनाना, राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करना और सुलभ तथा भरोसेमंद फ्रेमवर्क के तहत एआई को आगे बढ़ाना मुख्य है।

इन 7 स्तंभों पर केंद्रित है घोषणापत्र
-एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण
-आर्थिक विकास-सामाजिक भलाई
-सुरक्षित और भरोसेमंद एआई
-विज्ञान के लिए एआई
-सामाजिक सशक्तिकरण के लिए पहुंच
-मानव पूंजी विकास
-लचीला, कुशल और नवीन एआई प्रणाली

54 घंटे की तीव्र नवाचार मैराथन के उपरांत भव्य समापन समारोह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न

नई दिल्ली। हैक-केआरएमयू 5.0, के. आर. मंगलम विश्वविद्यालय में आयोजित 54 घंटे की तीव्र नवाचार मैराथन के उपरांत भव्य समापन समारोह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन में देशभर के विभिन्न संस्थानों से 1,000 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिससे यह क्षेत्र के सबसे बड़े छात्र-प्रेरित नवाचार आयोजनों में से एक बन गया। इस आयोजन ने डेवलपर्स, डिजाइनर्स और समस्या-समाधानकर्ताओं को एक मंच पर एकत्रित कर वास्तविक जीवन से जुड़े प्रभावशाली समाधान विकसित करने का अवसर प्रदान किया।

मनशा ग्रुप ने नए प्रोजेक्ट मनशा ओआसीसी के साथ एक और अहम कदम आगे बढ़ाया

नई दिल्ली। हरियाणा के अग्रणी और विश्वसनीय रियल एस्टेट ब्रांड मनशा ग्रुप ने 18 फरवरी को सेक्टर-123 फरीदाबाद में अपने नए प्लॉटिंग प्रोजेक्ट मनशा ओआसीसी के शुभ भूमि पूजन समारोह के साथ एक और महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया। मनशा ओआसीसी एक आधुनिक और सुव्यवस्थित रिहायशी प्लॉटिंग परियोजना है, जिसे बेहतर कनेक्टिविटी, हरित वातावरण, आधुनिक सुविधाओं और सुरक्षित जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है। यह प्रोजेक्ट न केवल रहने के लिए आदर्श स्थान होगा, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत निवेश अवसर भी सिद्ध होगा।

महाप्रबंधक ने आज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार पांडे ने त्यौहार के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए किए गए इंतजामों का जायजा लेने के लिए आज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने अजमेरी गेट की तरफ वाले प्रवेश द्वार, एस्केलेटर, फुट ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया। उन्होंने भीड़भाड़ प्रबंधन का भी मूल्यांकन किया तथा स्वच्छता एवं यात्री सुविधाओं पर यात्रियों की प्रतिक्रिया लेते हुए उनके साथ बातचीत की। उन्होंने प्लेटफार्म नं.16 पर मिनी कंट्रोल रूम का दौरा किया तथा आगामी होली त्यौहार के दौरान यात्रियों की आवाजाही के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उनके साथ श्री पुष्पेश रमन त्रिपाठी, मंडल रेल प्रबंधक, दिल्ली; श्री प्रवीण पांडे, पीसीएसएम, उत्तर रेलवे; श्री पंकज गंगवार, पीसीएससी/ आरपीएफ; श्री प्रेम शंकर गुप्ता, पीसीई और दिल्ली मंडल के अधिकारी भी उपस्थित थे।

स्मार्ट कृषि ब्यूरो स्टूडियो इकाई का शिलान्यास

सीएम योगी ने 2.51 लाख किसानों को दिए 285 करोड़, 3500 लाभार्थी परिवारों को भी 175 करोड़

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ-2025) के अंतर्गत 2.51 लाख किसानों को 285 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति राशि का वितरण किया।

इसी के साथ ही योगी ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के 3500 लाभार्थी परिवारों को भी 175 करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की। इसके अलावा योगी ने बागपत, शामली, कासगंज, भदोही में उप कृषि निदेशक कार्यालय व मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं, राजकीय भूमि संरक्षण केंद्र मऊरानीपुर झांसी में 50 शैय्या के छात्रावास भवन तथा लखनऊ में स्मार्ट कृषि ब्यूरो स्टूडियो इकाई का शिलान्यास भी किया। इस कार्यक्रम में सीएम योगी ने होली की शुभकामनाएं देते हुए किसानों को आश्वस्त किया कि डबल इंजन सरकार मजबूती के साथ उनके साथ खड़ी रहेगी।

बिचौलियों की भूमिका समाप्त

उन्होंने विश्वास जताया कि अन्नदाता किसान उन्नत खेती के माध्यम से प्रदेश की समृद्धि में योगदान देते रहेंगे। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से बजट के माध्यम से प्रदेश के युवाओं, महिलाओं, किसानों, गरीबों के लिए ढेर सारी योजनाएं पास कराई गई हैं। जब बजट होता है तो लाभार्थियों के अकाउंट में सीधे पैसा जाता है और उन्हें लाभ प्राप्त होता है। शनिवार को एक बटन दबाते ही 460 करोड़ रुपए किसानों के खाते में पहुंच रहे हैं, बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो गई। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के माध्यम से 2.51 लाख किसान परिवारों को मिली 285 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति को संबल बताया।

तीन साल तक पांच लाख का बीमा कवर

सीएम योगी ने कहा कि आपदा प्रबंधन में फर्स्ट रिस्पॉन्डर आपदा मित्र हो सकता है। पीएम मोदी ने इस संबंध में बड़ा अभियान चलाया है। उत्तर प्रदेश ने पीएम की इस पहल को बढ़ाने का कार्य किया। 25 जनपदों में 29,772 युवा स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित कर आपदा मित्र प्रबंधन से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया गया है। इन स्वयंसेवकों को सात दिवसीय प्रशिक्षण के साथ भी जोड़ा गया है। इन्हें इमरजेंसी रिस्पॉन्डर किट, आपदा मित्र ट्रेनिंग, मॉड्यूल आईडी, आईडी कार्ड व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं। इमरजेंसी रिस्पॉन्डर किट में लाइफ जैकेट, सर्च टॉर्च, फर्स्ट-एड बॉक्स, सेफ्टी हेलमेट, चश्मा समेत 15 आइटम हैं। प्रदेश सरकार ने प्रशिक्षित युवा स्वयंसेवकों का तीन वर्ष का जीवन व चिकित्सा बीमा करने का निर्णय लिया है। 10 फरवरी को आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा नेशनल इंश्योरेंस कंपनी के साथ एमओयू किया गया है, जिसमें आपदा मित्र को तीन वर्ष के लिए 5 लाख का बीमा कवर प्रदान किया गया है। प्रदेश में अभी तक 2959 युवा स्वयंसेवक प्रशिक्षित किए जा चुके हैं, शेष का प्रशिक्षण भी आगे बढ़ाया जाएगा।

पतंजलि विश्वविद्यालय में अभ्युदय 2026 योगधर्म से युगधर्म आयोजित

नई दिल्ली। हरिद्वार स्थित पतंजलि विश्वविद्यालय के भव्य सभागार में वार्षिक सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक महोत्सव "अभ्युदय 2026" का आयोजन अत्यंत गरिमा, आध्यात्मिक उल्लास और राष्ट्रगौरव के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन प्राचीन गुरुकुल परंपरा और आधुनिक शिक्षा के सजीव समन्वय का प्रतीक बनकर उभरा। इस वर्ष अभ्युदय कार्यक्रम की थीम #योगधर्म से युगधर्म# रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। पतंजलि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने #योगधर्म से युगधर्म# नाट्य प्रस्तुति प्रस्तुत कर कार्यक्रम में पधारे गणमान्य अतिथियों का मन मोह लिया। इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव जी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सब उस पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हैं जो पूरी दुनिया का संस्कृति का सबसे बड़ा केंद्र है। आप सभी इस ऋषि संस्कृति के ध्वजवाहक बनकर इस अनुष्ठान को आगे बढ़ा रहे हैं। नाट्य प्रस्तुति देखकर स्वामी जी ने कहा कि आज एक षड्यंत्र के तहत विश्वगुरु भारत को लेकर कई भ्रामक रील्स चल रही हैं, लेकिन भारत विश्वगुरु था, है और हमेशा विश्वगुरु रहेगा । हमें पूरा विश्वास है कि हमारे पतंजलि के बालक कभी भी अपने चरित्र से नहीं गिर सकते, यह हमारा आत्मबल, वेदबल व ब्रह्मबल है। यह हमारा रामत्व, कृष्णत्व, हनुमत्व, शिवतत्व व गुरु तत्व है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परमार्थ आश्रम, ऋषिकेश के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानन्द मुनि जी महाराज ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय एक अद्वितीय साधना-स्थली है। योग केवल वैश्विक लोकप्रियता का विषय नहीं है, यह राष्ट्र निर्माण का आधार है।

ईईजेड में मछली पकड़ने के लिए एक्सेस पास का राष्ट्रीय शुभारंभ समुद्री मत्स्य पालन क्षेत्र का नया क्षितिज खोलता है

नई दिल्ली। भारत एक विशाल और विविध समुद्री संसाधन आधार से संपन्न है। यह लगभग 11,099 किमी की तटरेखा और लगभग 24 लाख वर्ग किलोमीटर के एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) द्वारा समर्थित है। वर्तमान में अधिकांश भारतीय मछली पकड़ने की गतिविधि समुद्र तट से 40-50 समुद्री मील तक सीमित है, जबकि 12 से 200 समुद्री मील तक फैले विशाल ईईजेड का काफी कम उपयोग किया जाता है। वैज्ञानिक आकलन के बावजूद उच्च मूल्य वाले समुद्री संसाधनों, विशेष रूप से टूना और टूना जैसी प्रजातियों के लिए पर्याप्त क्षमता का संकेत मिलता है।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 22 फरवरी 2026

कुछ साल पहले तक वर्क फ्रॉम होम के बारे में कम ही लोग जानते थे। लेकिन आज कंडीशन इससे भी एक कदम आगे बढ़कर वर्क फ्रॉम एनीवेयर तक पहुंच चुकी है। कई सर्विस सेक्टर्स ऐसे हैं, जिसमें यह वर्क मोड खूब पॉपुलर हो चुका है। इस मोड के अनेक फायदे हैं तो कुछ कमियां भी हैं। इन सबके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

कहीं से भी काम करने की आजादी

वर्क फ्रॉम एनीवेयर

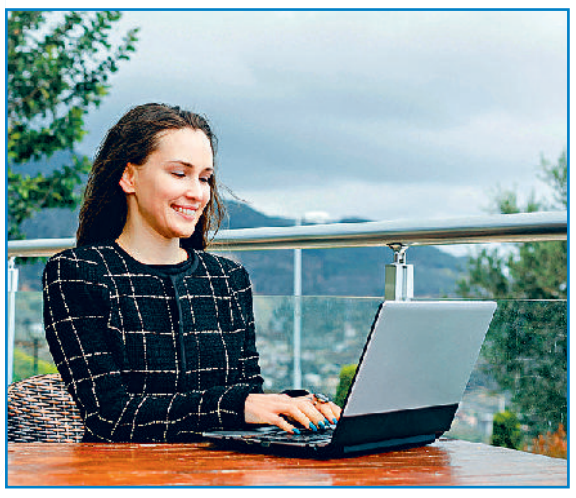

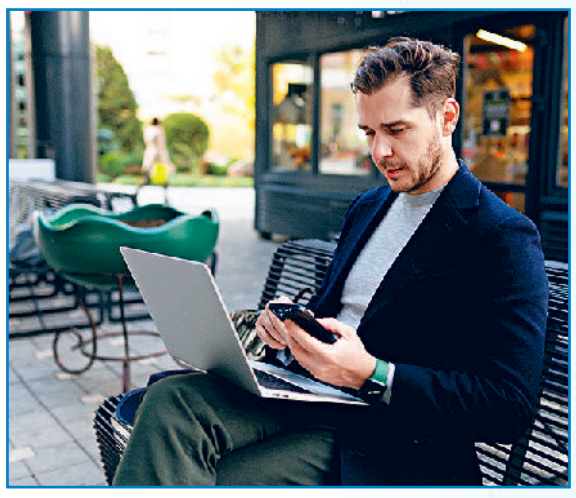

{ कवर स्टोरी / कीर्तिशेखर }

करीब पांच वर्ष पहले कोरोना महामारी ने कार्यशैली में जिस बदलाव को मजबूरी में शुरू कराया था, वह अब स्थायी जीवनशैली का विकल्प बनता जा रहा हैं। पहले सवाल था- क्या घर से काम करना संभव है? अब सवाल बदल चुका है- क्यों न कहीं से भी काम किया जाए? इसी सवाल से जन्म होता है, वर्क फ्रॉम एनीवेयर की अवधारणा का यानी, ऐसा काम जिसे करने के लिए न तो ऑफिस की दीवारें जरूरी हैं, न किसी तय शहर की सीमा, बस आपका अपना लैपटॉप हो, इंटरनेट कनेक्शन हो और थोड़ी-सी मानसिक एकाग्रता, इसके बाद कहीं पर भी आप अपना ऑफिस वर्क शुरू कर सकते हैं।

ऐसे बदलती गई कार्यशैली: वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को यह सिखाया कि जरूरी नहीं कि हर काम मीटिंग रूम या ऑफिस डेस्क पर ही बैठकर किया जाए। इस अवधारणा ने यह भी बताया कि प्रोडक्टिविटी का मतलब केवल कुर्सी पर बैठना नहीं होता। आउटपुट ज्यादा मायने रखता है। इसके बाद लोगों ने महसूस किया कि अगर घर से काम करना संभव है, तो फिर इंटरनेट की बदौलत कहीं से भी काम करना संभव है। कोरोना और उसके बाद से ही लोगों ने घूमने गए हिल स्टेशनों, समुद्र किनारे या शहर से अपने गांव जाकर घर के एक कोने में बैठकर देश-विदेश की मल्टीनेशनल कंपनियों का काम करने लगे। यहीं से वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट व्यवहार में उतरा।

इसलिए चुन रहे यह तरीका: वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट पॉपुलर होने की कई वजहें हैं। महानगरों में भीड़ बहुत बढ़ती जा रही है। भारी-भरकम किराए के बाद ही किराए का मकान मिलता है, बल्कि वहां जिंदगी भी बहुत मुश्किल भरी हो जाती है। ऑफिस आने-जाने में रोज ट्रैफिक जाम से पाला पड़ता है। परिवार साथ न होने की वजह से खाने की समस्या होती है। घर और परिवार से दूर रहने के कारण हर समय मानसिक अशांति रहती है। इस तरह काम तो होता है, पर जीवन बेचैन रहता है। इसलिए युवाओं का कहना है कि अब वो जीवन के लिए काम करना चाहते हैं, काम के लिए जीवन की हायतौबा नहीं झेलना चाहते। नतीजा यह है कि नई पीढ़ी के बहुत से लोग वर्क फ्रॉम एनीवेयर का विकल्प बड़ी सहजता से चुन रहे हैं, क्योंकि यह विकल्प उन्हें भरपूर आजादी का एहसास कराता है।

इस कॉन्सेप्ट का मेन टार्गेट: वर्क फ्रॉम एनीवेयर के बारे में इस बात को समझना जरूरी है कि इसका मतलब डिजिटल घुमक्कड़ी नहीं है, न ही इसका मतलब है कि कहीं भी घूमते-फिरते रहें और जब मौका मिले या मन करे तो काम कर लें। अगर इस धारणा का मतलब यह हो जाएगा, तब तो काम करना प्राथमिकता नहीं रह जाएगी। प्रोफेशनल्स के लिए उनका वर्क बहुत मायने रखता है। ऐसे में इंटरनेट ने बौद्धिक काम करने वाले लोगों को यह सुविधा तो दी ही है कि अगर हिल स्टेशन पर घूमने जाएं, तो समय निकालकर वहां से भी अपना काम कर सकें। मां-बाप के पास गांव जाएं तो वहां भी साथ अपना काम लेकर जाएं और कहीं किसी जरूरी यात्रा पर निकल रहे हों तो भी अपना काम अपने साथ रख सकते हैं।

इन फील्ड्स में है सफल यह मॉडल: वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट सर्विस सेक्टर में ही संभव है कि आप कहीं से भी अपनी विशेषज्ञता संबंधी सेवाएं अपने नियोक्ता को दे सकें। हर काम वर्क फ्रॉम एनीवेयर के ढांचे में फिट नहीं होता है। बहरहाल, जो काम इस मोड में सही से किए जा सकते हैं, वो क्षेत्र हैं- आईटी और सॉफ्टवेयर, डिजिटल मार्केटिंग, एडिटिंग, कंटेंट राइटिंग, डिजाइनिंग, ऑनलाइन टीचिंग, कस्टमर सपोर्ट-कंसल्टेंसी, एचआर असिस्टेंस और फाइनेंस एनालिसिस भी इस वर्क पैटर्न से संभव है। दूसरे शब्दों में जिन कामों में फिजिकल उपस्थिति या मशीनरी की मौजूदगी की जरूरत नहीं होती, उन क्षेत्रों में यह मॉडल तेजी से अपनाया जा रहा है।

एंप्लॉई-एंप्लॉयर दोनों खुश: कंपनियां इसलिए इस मॉडल को स्वीकार कर रही हैं, क्योंकि इससे उनको भी फायदा है। इससे उन्हें ऑफिस स्पेस पर खर्च नहीं करना पड़ता। ऑफिस चलाने के लिए जो एस्टेब्लिशमेंट खर्च होते हैं, उनसे भी बचाव हो जाता है और सबसे बड़ी बात तो यह है कि लोगों को भर्ती करने के लिए पूरी दुनिया का दायरा मिल जाता है। कर्मचारी भी इससे संतुष्ट रहते हैं, क्योंकि हर रोज घर से काम करने के लिए नहीं निकलना पड़ता और न ही यात्रा करने की जो परेशानियां और तनाव होती हैं, उनसे निपटना पड़ता है।

कंपनियां भी अब इस बात को समझ चुकी हैं कि अगर सहूलियतों के बीच कर्मचारी को काम करने का मौका मिलता है तो उसका परफॉर्मेंस बेहतर होता है। इसलिए वे ऐसे कर्मचारियों को रखना पसंद करती हैं। इससे कर्मचारियों को सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि उनके रहने और दूसरी जगह पर जाकर खाने-पीने की जो भारी भरकम लागत आती है, उससे छुटकारा मिल जाता है। घर से ऑफिस तक जाने में जो समय लगता है, उससे भी मुक्ति मिल जाती है। यह बचा हुआ समय व्यक्तिगत रुचियों का आनंद लेने और आराम करने के लिए इस्तेमाल होता है। कह सकते हैं इस अवधारणा से काम कराने वाला भी खुश होता है और काम करने वाला भी खुश और दोनों को फायदा होता है।

प्रोफेशनल्स का बचता है टाइम: काम की इस अवधारणा का एक फायदा यह है कि लोग दिन में ऑफिस का काम करते हैं और फिर जो उनका दफ्तर तक जाने और आने का समय बचता है। उस समय का उपयोग बागवानी करने, संगीत सीखने, लेखन करने या अपने किसी शौक को पूरा करने के लिए लगाते हैं।

मौजूद हैं कुछ चुनौतियां: इस वर्क मोड में सबसे पहली चुनौती तो यह है कि ये काम वहीं हो सकता है, जहां इंटरनेट की सुविधा अच्छी हो, बिजली की आपूर्ति चौबीसों घंटे हो और काम करने के लिए एक सुरक्षित और एकांत जगह हो। साथ ही वहां दफ्तर जैसा माहौल बनाने की सुविधा हो। इसके अलावा सेल्फ डिसिप्लीन भी जरूरी होता है। कुछ लोग जब खुद निर्णय लेना होता है, तो कंसंट्रेट होकर काम नहीं करते। ऐसे काम करने के तरीके से कई प्रोफेशनल्स का निजी जीवन डिस्टर्ब हो जाता है। वे ऑफिस वर्क में बहुत समय देने लगते हैं। इसलिए बहुत सारे लोग शुरू-शुरू में यह फॉर्मूला अपनाते हैं, लेकिन जल्द ही ऊब कर ऑफिस आने लगते हैं। क्योंकि घर में काम करते हुए उनके वर्किंग ऑवर बहुत बढ़ जाते हैं। वर्क फ्रॉम एनीवेयर करते समय भले तनाव कम होता हो, आजादी खूब महसूस होती हो, लेकिन सामाजिक संपर्क से कट जाते हैं और अकेलेपन की आशंका से घिर जाते हैं। इसलिए कई बार कहीं से भी काम करने की सुविधा का नुकसान मानसिक रूप से बीमार होने के रूप में सामने आता है। इसलिए लोग अब हाइब्रिड मॉडल को बेहतर मान रहे हैं यानी चार दिन घर में और दो दिन दफ्तर में काम करना, सही संतुलन है। हां, महिलाओं को जरूर काम करने की इस शैली का फायदा मिलता है, क्योंकि इसके चलते उन्हें होम मेकिंग और करियर में संतुलन बनाने में मदद मिलती है। *

वर्क फ्रॉम एनीवेयर के लिए जरूरी सुविधाएं

- घर में तेज रफ्तार इंटरनेट कनेक्शन होना जरूरी है।
- घर में लैपटॉप के साथ बैकअप पावर की सुविधा होना जरूरी है।
- घर में काम करने के लिए ऑफिस जैसे स्थान का होना जरूरी है।
- रोज सुबह अनुशासित ढंग से तैयार होकर दफ्तर की तरह काम करना जरूरी है।
- घर से काम करते समय कंप्यूटर और साइबर सिक्योरिटी का ज्ञान भी जरूरी है। अगर कंप्यूटर की बेसिक समझ नहीं है तो कभी-भी अगर लैपटॉप या वर्क स्टेशन में कोई समस्या आ गई, तो तब तक काम नहीं कर पाएंगे, जब तक घर कोई मैकेनिक आकर समस्या हल न करे।
- घर से काम करने के लिए लगातार तकनीक में भी माहिर होते रहना जरूरी है।
- घर से काम करते समय लगातार उत्साह बनाए रखना भी जरूरी है ताकि अपना नियमित रूटीन सही से पूरा कर सकें।

आज के दौर में जीवन को सुविधाजनक बनाने वाला मोबाइल बेशुमार लोगों को अपना लती भी बना रहा है। इसके दुष्प्रभावों से बचने के लिए अब लोग तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनके बारे में आप भी जानिए।

मोबाइल एडिक्शन से बचने के लिए

आजमाए जा रहे तरह-तरह के उपाय

{ टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम }

हर सुबह आंख खुलते ही मोबाइल। रात में सोते समय आखिरी नजर तक मोबाइल। दिन में बीच-बीच में सैकड़ों बार स्क्रीन चेक करना। अब ये किसी व्यक्ति विशेष की आदत नहीं बल्कि ज्यादातर लोगों की लाइफस्टाइल बन गई है। अब मोबाइल में नोटिफिकेशन देखना याद नहीं रखना पड़ता। लोगों की यह स्वतः आदत बन गई है। लेकिन इसी दौर में कुछ और भी दिलचस्प और विरोधाभासी बातें भी हो रही हैं। एक ट्रेंड बहुत तेजी से उभर रहा है और यह है मोबाइल से दूरी बनाने का। नहीं, लोग तकनीक छोड़ नहीं रहे बल्कि उसके साथ नई-नई शर्तों के तहत रिश्ता तय कर रहे हैं। कोई नोटिफिकेशन बंद कर रहा है, कोई फोन ग्रे स्केल पर डाल रहा है, कोई डंब फोन खरीद रहा है, तो कोई रविवार को मोबाइल अलमारी में बंद करके उसमें ताला लगा देता है। मोबाइल को लेकर उसके पक्ष और उसके विरोध में एक से बढ़कर एक आदतें दुनिया का ध्यान खींच रही हैं।

क्यों छोड़ना चाहते हैं फोन: हाल के कुछ सालों में ऐसे कई अनुभव सामने आए हैं, जिससे पता चलता है कि मोबाइल लोगों का ध्यान बहुत जल्दी भटका देता है। यह भी महसूस किया गया है कि लगातार मोबाइल का इस्तेमाल करने से अधूरेपन का एहसास बढ़ जाता है। मोबाइल की लत लग जाए, तो कब देखते ही देखते टाइम फुर्र हो जाता है, पता ही नहीं चलता। इन सबके अलावा हाल के सालों में बिना कुछ किए लोगों को एक ऐसी थकान जकड़ रही है, जो जानकारों के मुताबिक मोबाइल की देन है। ऐसे ही और भी अनेक कारण हैं, जिसके चलते अब लोग मोबाइल से अगर पूरी तरह से नहीं, तो बीच-बीच में कुछ समय तक के लिए पिंड छुड़ाना चाहते हैं। इसलिए इन दिनों लोग मोबाइल से दूर रहने के लिए तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनमें से कुछ के बारे में बता रहे हैं।

नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म: बहुत से लोग अब सिर्फ कॉल और जरूरी एप्स के नोटिफिकेशन ही चालू रखते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप, सोशल मीडिया लाइक और ई-मेल अलर्ट, सब कुछ लोग बंद कर रहे हैं। इस कारण फोन हाथ में लेने की अपने आप जरूरत कम रह जाती है। ऐसे उपाय अपनाने वाले लोग बताते हैं- जहां वह पहले 125 से 150 बार तक स्क्रीन अनलॉक करते थे, वहीं ऊपर बताए गए उपाय यानी नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म के बाद अब ये संख्या घटकर 40 से 50 बार रह गई है।

ग्रे स्केल मोड: इसका मतलब है फोन की रंगीन स्क्रीन को ब्लैक एंड व्हाइट में बदल देना। फोन की दुनिया काली-सफेद होते ही लोगों का रील्स में आकर्षण घट जाता है और स्क्रॉल करने का मन ही नहीं रह जाता। यह एक छोटा-सा उपाय है, लेकिन इसके बेहद असरदार मनोवैज्ञानिक नतीजे हासिल होते हैं। इसके साथ ही कुछ लोग अपने फोन में डाउनलोड किए गए हर मीडिया एप के लिए दिन में 20 से 30 मिनट की लिमिट तय कर देते हैं और लिमिट खत्म होते ही यह एप अपने आप ही लॉक हो जाते हैं, जिससे इनसे मुक्ति मिल जाती है। ये उपाय शुरू में तो झुंझुलाहट पैदा करता है, मगर 3-4 दिन के बाद इसकी आदत बन जाती है।

फोन मुक्त दिन की शुरुआत: कुछ लोग इन दिनों सुबह जगने के बाद एक से दो घंटा तक बिल्कुल मोबाइल के पास नहीं जाते, इस दौरान उनका मोबाइल स्विच ऑफ रहता है। जब तक मोबाइल स्विच ऑफ रहता है, वे फ्रेश होते हैं, चाय पीते हैं, अखबार पढ़ते हैं, एक्सरसाइज का अपना रुटीन खत्म करते हैं या ऐसा कुछ नहीं भी करते हैं तो इस दौरान सिर्फ खिड़की या बालकनी से बाहर झांकते हैं। जो लोग ये उपाय आजमा रहे हैं, उनका अनुभव बताता है कि इससे पूरा दिन शांति महसूस होती है।

सोशल मीडिया फास्टिंग: कुछ लोग सोशल मीडिया फास्टिंग का उपाय भी आजमा रहे हैं। फोन से दूर रहने का यह एक और उपाय है। इसके चलते जैसे कुछ लोग धार्मिक रूप से हफ्ते में किसी एक या दो दिन उपवास रखते हैं। लगभग उसी तरह इस प्रयोग के तहत लोग हफ्ते में एक दिन या 15 दिन में एक दिन फोन से पूरी तरह से दूर रहने का उपाय आजमाते हैं।

बेडरूम से बाहर फोन: कुछ लोग अपने फोन को बेडरूम से बाहर रखकर सोते हैं। इस तरह फोन को बेडरूम से बाहर रखने के बहुत फायदे मिलते हैं। इससे नींद बेहतर आने लगती है। रात की स्क्रॉलिंग खत्म हो जाती है। *

मानसिक स्वास्थ्य के लिए है जरूरी

लोग इस बात को भली-भांति समझने लगे हैं कि फोन के बहुत ज्यादा इस्तेमाल के कारण उनकी आंखों पर ही नहीं, ध्यान लगाने की क्षमता पर, भावनात्मक स्थिरता पर और यहां तक कि आत्मसंतोष की अनुभूति पर भी जबर्दस्त असर पड़ने लगा है। मोबाइल से दूर रहना एक तरह से खुद के पास होने जैसा है। क्योंकि जो लोग बहुत ज्यादा फोन इस्तेमाल करते हैं, उन लोगों के अनुभव बताते हैं कि वो जितना ही ज्यादा फोन में रहते हैं, उतना ही ज्यादा अकेलापन महसूस करते हैं। ऐसे में इससे दूरी बनाने की आदत मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाती है।

{ गजल / हबीब कैफी }

मोहब्बत में जो लिखता है
अंधेरे में भी दिखता है

वहां कुछ फूल खिलते हैं
जहां वो पांव टिकता है

जिसे सब इश्क कहते हैं
सर-ए-बाजार बिकता है

फकत रोटी नहीं सिकती
तवे पर दिल भी सिकता है

महकता फूल लिखना था
उसी को खार लिखता है

{ व्यंग्य / महेश कुमार केशरी }

प्रभु बचाए ऐसे पड़ोसी से

मेरे घर आ धमकने का पड़ोसी महोदय को बस बहाना चाहिए। कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी मांगने चले आते हैं। गोया मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो।

कहते हैं, सांप चंदन के पेड़ से हमेशा लिपटे रहते हैं। हालांकि मैं चंदन जैसा तो बिल्कुल नहीं हूं, फिर भी न जाने क्यों आस-पड़ोस के लोग मुझसे लिपटने को आतुर रहते हैं। कुछ ऐसे ही बगल के घर में रहने वाले मेरे एक पड़ोसी भी हैं। मेरे घर आ धमकने का उनको बस बहाना चाहिए। कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी मांगने चले आते हैं। उन पड़ोसी महाशय को जब-जब कोई जरूरत होती है, वे भुजंग की तरह मुझसे आकर चिपट जाते हैं। गोया कि मैं आदमी नहीं बल्कि चंदन का पेड़ होऊं। उनका मेरे घर आना-जाना ऐसे होता है, जैसे मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो। ऐसे पड़ोसी मुझे मिले हैं, जिनको दिन भर में मुझसे दसियों बार काम पड़ता है। 'भाई साहब! भाई साहब!' कह-कह कर वे मुझे चूना लगाते रहते हैं। कभी-कभी तो मुझे लगता है, जैसे मैंने इन पड़ोसी महाशय को गोद लिया हुआ है। और वे मेरे बच्चे सरीखे हैं। वाह रे भाई! मान-न-मान मैं तेरा मेहमान। कभी 'हम बाहर जा रहे हैं, जरा घर देखिएगा।' कभी 'जरा बाइक की चाबी दीजिएगा बच्चे को स्कूल छोड़ने जाना है।' तो कभी 'बाजार जा रहे हैं, जरा मेरा फलना-ढिमकाना सामान भी लेते आइएगा।' अगर कभी थोड़ी नाराजगी मैं जताता तो दांत निपोरते हुए बोलते, 'अब एक पड़ोसी ही तो दूसरे पड़ोसी के काम आता है!' किसी दिन आकर पूछते हैं, 'भाई आपके पास कैंची होगी?' तो किसी रोज कहते, 'भाई साहब आपके पास रस्सी तो होगी?' मन आता है कि कह दूं, 'जिस भी चीज की जरूरत पड़े, वो आपको मुझसे ही चाहिए होती है। भला मैं आपूर्ति मंत्रालय में काम तो नहीं करता कि हर चीज का जुगाड़ करके आपके लिए रखा होऊं। भाई मैंने आपका ठेका थोड़ी न लेकर रखा है।' अभी बीते दिनों उन्हीं पड़ोसी का खल चोरी हो गया। वे मुझ पर झल्लाने लगे, 'आप के भरोसे घर छोड़कर गया था, देखिए मेरा खल चोरी हो गया।' मन में आया उसी खल में उन्हें कूट दूं। कह दूं कि आपने मुझे अपना खरीदा हुआ नौकर समझ लिया है क्या, जो मैं आपकी चाकरी करूंगा।

पता नहीं कब मेरा पिंड छूटेगा इन महाशय से! भगवान बचाए ऐसे पड़ोसी से। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

दो दिलों की खत-ओ-किताबत

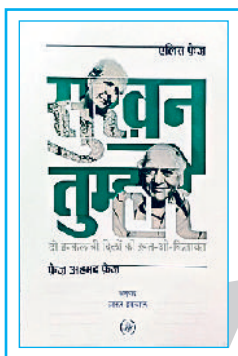

पुस्तक: सुखन तुम्हारे, **लेखक:** फैज अहमद फैज-एलिस फैज, **अनुवाद:** जफर इकबाल, **मूल्य:** 550 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

गजलों-नज्मों का शायद ही कोई ऐसा कद्रदान होगा, जो फैज अहमद फैज के नाम से नावाकिफ हो। अपनी शायरी में इंकलाबी तेवर और हुकूमत की बंदिशों को चुनौती देने वाले फैज के भीतर एक नाजुक दिल पति और बेहद जज्बाती पिता भी मौजूद था, इसकी बानगी उनके द्वारा लिखे उन खतों में दिखती है, जिनको उन्होंने कैद के दौरान अपनी पत्नी और बच्चों को लिखे थे। हाल में छपकर आई किताब 'सुखन तुम्हारे' में फैज के द्वारा लिखे गए 135 खत और उनकी पत्नी एलिस के द्वारा लिखे गए 178 खतों को संकलित किया गया है। वर्ष 1951 में पाक सरकार द्वारा गैर कानूनी तौर पर गिरफ्तार किए गए फैज, करीब चार वर्ष तक जेल में रहे। इस दौरान फैज और एलिस के बीच हुई खत-ओ-किताबत का महत्व किसी ऐतिहासिक दस्तावेज से कम नहीं है। यहां गौर करने वाली बात है कि फैज की गिरफ्तारी ने उन्हें बेबस नहीं और मजबूत बना दिया था। 17 जुलाई 1952 को लिखे खत में वह कहते हैं, 'यह जख्म बहुत अचानक, बहुत बेसबब लगा है लेकिन इसे सहने का बल मुझमें है। और इसके सामने भी मेरा सिर नहीं झुकेगा।' 24 अगस्त 1954 को एलिस, फैज को लिखे खत में भीगे जज्बातों से उनकी गैरमौजूदगी को महसूस करती हैं, 'जब मीजू ने केक काटा, उसने अपना मुंह बना लिया। आंखें बंद कीं और उस चीज की दुआ मांगी, जिसके लिए हम सब मांग रहे थे- खुदा तुम्हें हमारे पास घर भेज दें।' कह सकते हैं इस किताब में एक इंकलाबी शायर और उनकी पत्नी के व्यक्तित्व का बिल्कुल नया पहलू हमारे सामने उजागर होता है। *

{ लघुकथा / डॉ. रंजना जायसवाल }

डुबकी

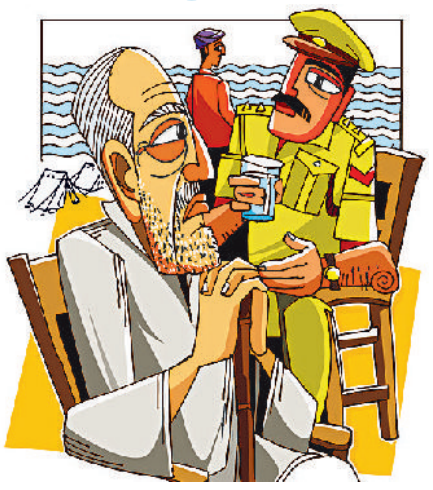

खोया-पाया कैंप में उस बूढ़े बाबा को बैठे छह घंटे हो गए थे। रात गहराती जा रही थी। अभी तक उन्हें कोई ढूंढने भी नहीं आया था। बाबा की आंखें एक आशा के साथ हर आहट के साथ दरवाजे तक जातीं, लेकिन वह निराश होते। कैंप के कर्मचारी की ड्यूटी बदलने का समय हो गया था। नए कर्मचारी ने पानी का गिलास पकड़ाते हुए बाबा से पूछा, 'आप कहां से आए हैं?'

'बेटा काफी दूर से आए हैं।'

'कुछ नाम तो होगा।'

'नाम...' बाबा ने याद करने की कोशिश की।

'किसके साथ आए हैं?'

'कलुवा, हमारा इकलौता बेटा'

'कुंभ नहाए आए थे?'

'हमार बेटवा ब्याह के दस बरस के बाद पैदा हुआ था। उसकी अम्मा मन्नत की रही, गंगा मैया को साड़ी चढ़ाएगी पर परमात्मा को कुछ और ही मंजूर था। अब जइबे तब जइबे करते-करते बख्त निकल गया। उसकी अम्मा ने मरते बख्त कसम ली थी। बचुवा के साथ मन्नत उतारे आए रहे। कुंभ नहाए लेब और मन्नत भी उतार देब।'

'बेटा कहां है बाबा?'

'हमसे बोला कुछ खाए का सामान लेने जाए रहे। इहां बैठे रहो हम अबही आत है।'

'फिर?'

'हमको बैठाकर पता नहीं कहां चला गवा? पुलिस वाले हमको इहां पहुंचा गए। बेचारा कितना परेशान हो रहा होगा।' बाबा की आंखों में अपने बेटे कलुवा के लिए चिंता उभर आई। कर्मचारी समझ चुका था, बीते कुछ दिनों में बाबा जैसे न जाने कितने लोग अपनों की तलाश और इंतजार में भटक रहे थे। 'बाबा, दस बार माइक पर कलुवा का नाम पुकारा जा चुका है। फोन नंबर याद है उसका?'

'फोन?'

'वापसी कब थी?'

'छः बजे की टरेन थी।'

'पर बाबा अब तो नौ बज रहे हैं।'

'नौ!' बाबा की आंखों के जुगनू धप्प पड़ गए।

'कलुवा आता ही होगा। हमें लिए बिना कैसे जाएगा?'

बाबा ने धीरे से बुदबुदाया। सामने गंगा मैया मंद-मंथर गति से बह रही थी। वह एक और पाप की साक्षी थी। जिसे कोई डुबकी धुल नहीं सकती थी। *

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

सत्यमेव जयते
Government of the National Capital Territory of Delhi

दिल्ली – NCR के करोड़ों लोगों के लिए बहुत बड़ा उपहार

₹12,930 करोड़ की परिवहन परियोजनाओं से होगा जीवन आसान

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री
के कर कमलों द्वारा

भारत के प्रथम रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (RRTS)

के सराय काले खाँ से न्यू अशोक नगर (5 किमी) और मेरठ साउथ से मोदीपुरम (21 किमी) खंड
के उद्घाटन के साथ

दिल्ली–मेरठ नमो भारत के सम्पूर्ण कॉरिडोर

का राष्ट्र को समर्पण

नमो भारत RRTS की मुख्य विशेषताएँ

- अब दिल्ली से मेरठ केवल 59 मिनट में जाना होगा संभव; पहले लगते थे 2–3 घंटे
- सराय काले खां से गाजियाबाद केवल 21 मिनट में
- दिल्ली से तेज गति से जुड़ेंगे साहिबाबाद, गाजियाबाद, मोदीनगर तथा मेरठ के बेगमपुल और मोदीपुरम जैसे शहरी केंद्र
- 180 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति
- हर 10 मिनट पर 6–कोच की ट्रेन उपलब्ध

और

मेरठ मेट्रो

मेरठ साउथ से मोदीपुरम (21 किमी)
का उद्घाटन

मेरठ मेट्रो की मुख्य विशेषताएँ

- केवल 30 मिनट में पूरा होगा मेरठ साउथ से मोदीपुरम का 21 किमी का सफर
- 135 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति : मेरठ में मेट्रो के 12 स्टेशन
- हर 10 मिनट पर 3–कोच की ट्रेन

- देश में पहली बार एकीकृत इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माणः मेरठ में नमो भारत सेमी हाई स्पीड रीजनल रेल के साथ मेट्रो का भी संचालन
- शिक्षा, रोजगार और आर्थिक विकास के बढ़ेंगे अवसर, दिल्ली से जुड़ेंगे मेरठ के मुख्य बाजार
- स्टेशनों और ट्रेनों में दिव्यांगजनों के लिए विशेष प्रावधान
- जाम और प्रदूषण पर लगेगा अंकुश; लगभग एक लाख निजी वाहन सड़कों से होंगे कम
- सभी मेट्रो स्टेशनों और नमो भारत स्टेशनों पर पीने के पानी और वॉशरूम की निःशुल्क सुविधा

रविवार 22 फरवरी, 2026 दोपहर 01:00 बजे

स्थानः रैली ग्राउंड, न्यू टाउनशिप योजना, मोहिउद्दीनपुर, मेरठ (उत्तर प्रदेश)

गरिमामयी उपस्थिति

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

योगी आदित्यनाथ
माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

श्री मनोहर लाल
माननीय केंद्रीय मंत्री, आवासन और शहरी कार्य और विद्युत

श्री वी के सक्सेना
माननीय उपराज्यपाल, दिल्ली

श्रीमती रेखा गुप्ता
माननीया मुख्यमंत्री, दिल्ली

श्री तोखन साहू
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, आवासन और शहरी कार्य

श्री हर्ष मल्होत्रा
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, सड़क परिवहन और राजमार्ग

श्री अरुण गोविल
माननीय सांसद, लोकसभा

श्री लक्ष्मीकांत बाजपेयी
माननीय सांसद, राज्य सभा

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

CBC 44101/13/0012/2526

DD NEWS
डीडी न्यूज पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें

भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है, लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं- नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। दूसरी एक बड़ी चिंता विदेशी एआई सिस्टम पर निर्भरता और उसके चलते मार्केट कंसंट्रेशन है। फिर भी, एआई अब केवल भविष्य की अवधारणा नहीं, बल्कि वर्तमान का हिस्सा बन चुका है। एआई लोगों को रोजगार देगा। 2025 में भारत में लगभग 2.9 लाख एआई से जुड़े रोजगार के अवसर पैदा हुए और 2026 में इसमें 32% की वृद्धि होने का अनुमान है, जो करीब 3.8 लाख नई नौकरियों का लक्ष्य दिखाता है। हालांकि एआई के लाभ तभी व्यापक होंगे, जब उसका उपयोग केवल बड़े शहरों या बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों, छोटे उद्यमों और सामान्य नागरिकों तक पहुंचे। साथ ही, सरकार को इस बात पर भी निरंतर नजर रखनी होगी कि एआई का दुरुपयोग, जैसे फेक न्यूज, डीपफेक, साइबर अपराध और डेटा के अनैतिक इस्तेमाल समाज में अस्थिरता न पैदा करें। भरोसा और सुरक्षा, एआई के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

एआई लोगों की मदद करेगा, रहना होगा अलर्ट

विश्लेषण
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में जो कुछ हुआ, उसने साफ कर दिया कि यह केवल एक ग्लोबल इवेंट नहीं, बल्कि भारत की टेक्नोलॉजी सॉवरेनिटी का वैश्विक शंखनाद था, जिसकी गूंज पेरिस से लेकर न्यूयॉर्क तक सुनाई दी। इसमें शामिल दुनिया के दिग्गज नेताओं से लेकर टेक्नोलॉजी पर राज करने वाली कंपनियों के सीईओ तक ने जो बातें कहीं, वह भारत की चमक बयां करती हैं। इतना ही नहीं, भारत इस समिट के जरिए दुनिया को यह संदेश दिया है कि एआई का विकास सिर्फ ताकतवर देशों का खेल नहीं होना चाहिए, बल्कि यह ऐसा क्षेत्र बने जहां ग्लोबल साउथ की आवाज, जरूरतें और चुनौतियां भी केंद्र में हों। अब तक एआई पर वैश्विक बहस ज्यादातर अमेरिका, यूरोप और चीन के इर्द-गिर्द घूमती रही है, लेकिन भारत जैसे देश के सामने विशाल आबादी, विकासशील अर्थव्यवस्था, डिजिटल डिवाइड, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, विभिन्न भाषाएं और सामाजिक संरचना को लेकर अलग-अलग चुनौतियां हैं। भारत चाहता है कि एआई का इस्तेमाल केवल कॉर्पोरेट मुनाफे या सैन्य ताकत बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि यह गरीबी घटाने, सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने और शासन को अधिक पारदर्शी बनाने का औजार बने। एआई समिट के जरिए भारत यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि वह एआई फॉर गुड का मॉडल पेश कर सकता है। वह डेमोक्रेटिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गवर्नेंस का उदाहरण बन सकता है और ग्लोबल साउथ की चिंताओं को वैश्विक एजेंडे में ला सकता है। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास और इस्तेमाल का ग्लोबल हब बनाने का बड़ा विज़न 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' पेश किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों से भारत में डिज़ाइन करने और दुनिया को डिलीवर करने का आह्वान किया। इस महत्वाकांक्षा को एआई समिट में भी प्रमुखता से दिखाया गया, जिसने भारत को ग्लोबल साउथ में एक लीडर और दुनिया के मंच पर एक बड़े खिलाड़ी के तौर पर पेश किया। भारत दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी आबादी के साथ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और इसकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्रांति में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। वर्तमान में भले ही अमेरिका और चीन एआई के दो विपरीत ध्रुव बने हुए हैं, लेकिन भारत में एआई लीडर बनने की तीव्र आकांक्षा और क्षमता है। भारत में भी वर्तमान में एआई पर व्यापक शोध कार्य चल रहा है, जो वैश्विक समस्याओं के समाधान में सहायक हो सकता है। एआई का उद्देश्य लोगों की मदद करना है, न कि उनकी जगह लेना। भविष्य में मनुष्य स्मार्ट सिस्टम के साथ मिलकर काम करेंगे।

सरकार की प्रतिबद्धता इंडिया एआई मिशन जैसी बड़ी पहलों से और मजबूत होती है, जिसके लिए अगले पांच सालों में 10,300 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इसका मकसद कंप्यूटिंग पावर बढ़ाना और सस्ती दरों पर रिसर्च के मौके उपलब्ध कराना है। दुनिया भर में एआई के क्षेत्र में भारत की तेज़ी से हुई तरक्की साफ दिखती है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने इसे अमेरिका और चीन के बाद एआई वाइब्रेंस में तीसरे स्थान पर रखा है। यह तरक्की भले ही गति दिखाती है, लेकिन स्थापित एआई दिग्गजों से मुकाबले के लिए अभी काफी लंबा सफर तय करना बाकी है। अमेरिका प्राइवेट इन्वेस्टमेंट, कंप्यूटिंग क्षमता और फाउंडेशन मॉडल डेवलपमेंट जैसे अहम क्षेत्रों में आगे है, जबकि चीन रिसर्च आउटपुट और पेटेंट जेनरेशन में बाज़ी मारता है। भारत का एआई इकोसिस्टम अभी मैच्योर होने के बजाय तेज़ी से बढ़ रहा है। इस कंपीटिशन के माहौल में न सिर्फ एआई की बुनियादी क्षमताओं में बड़ा निवेश जरूरी है, बल्कि स्वदेशी विकास पर भी खास ध्यान देना होगा, खासकर सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में, जहां भारत एक उपभोक्ता से निर्माता बनने की ओर बढ़ रहा है।

आज जब दुनिया एआई क्रांति के मुहाने पर है और भारत इस क्षेत्र की तीसरी सबसे सक्षम शक्ति बनने की तैयारी कर रहा है इसी कारण दुनिया भर की नामी एआई कंपनियां देश में दिलचस्पी लेने के साथ भारी निवेश भी कर रही हैं, तब फिर सरकार को एआई क्रांति की चुनौतियों से सावधान रहने के साथ उससे उत्पन्न हो रहे अवसरों को भुनाने के लिए कोई ठोस रूपरेखा बनानी चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पूरी तरह डेटा पर आधारित है। इसका मतलब ये है कि किसी भी एआई टूल के पास जितना अधिक डेटा होगा वो मॉडल उतना ही शक्तिशाली होगा। हालांकि, आधार और यूपीआई जैसी डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं के जरिए भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि हम तकनीक को कितने बड़े पैमाने पर लागू कर सकते हैं। अब यही काम हम एआई के साथ करने जा रहे हैं। भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है। लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं- नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। दूसरी एक बड़ी चिंता विदेशी एआई सिस्टम पर निर्भरता और उसके चलते मार्केट कंसंट्रेशन है। फिर भी, एआई अब केवल भविष्य की अवधारणा नहीं, बल्कि वर्तमान का हिस्सा बन चुका है।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि भारत एआई को केवल तकनीक के रूप में नहीं, बल्कि विकास, समावेशन और सुशासन के उपकरण के रूप में देख रहा है। तेजी से बढ़ती एआई प्रतिस्पर्धा के बीच यह शिखर सम्मेलन भारत के लिए अपनी उपलब्धियों को दुनिया के सामने रखने का शानदार अवसर रहा है। एआई के लाभ तभी व्यापक होंगे, जब उसका उपयोग केवल बड़े शहरों या बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों, छोटे उद्यमों और सामान्य नागरिकों तक पहुंचे। डिजिटल विभाजन को कम किए बिना एआई क्रांति अधूरी रहेगी। साथ ही, सरकार को इस बात पर भी निरंतर नजर रखनी होगी कि एआई का दुरुपयोग, जैसे फेक न्यूज, डीपफेक, साइबर अपराध और डेटा के अनैतिक इस्तेमाल समाज में अस्थिरता न पैदा करें। भरोसा और सुरक्षा, एआई के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं।

भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है, लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं। जैसे नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। इसलिए हमें एआई को लेकर अलर्ट भी रहना होगा।

एआई छीनेगा नहीं, लाखों नौकरियां देगा युवाओं को

उम्मीद
विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

आजकल हर तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की चर्चा है। राजधानी में एआई इंपैक्ट सम्मेलन में हाल ही में संपन्न हुआ है। इसमें करीब डेढ़ दर्जन देशों के राष्ट्राध्यक्ष या प्रधानमंत्री शामिल हुए। इसके अलावा, सारे संसार से प्रतिनिधि भी भाग ले रहे थे। दरअसल, एआई तकनीक मशीनों को इंसानों जैसा सोचने-समझने की ताकत दे रही है। एआई आ रहा है। चैट जीपीटी, मशीन लर्निंग, ऑटोमेशन। बैंक में एआई चैटबॉट्स, फैक्टरियों में रोबोट्स, गवर्नमेंट में ई-गवर्नेंस। कुछ रूटीन काम ऑटोमेट होंगे, लेकिन इतिहास बताता है कि नई तकनीक अंततः ज्यादा रोजगार पैदा करती है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की रिपोर्ट के अनुसार, एआई से नई स्किल्स वाली नौकरियां बढ़ेंगी। एआई स्पेशलिस्ट, डेटा साइंटिस्ट, मशीन लर्निंग इंजीनियर आदि। एनएएसएससीओएम और अन्य रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में एआई से 2025-2030 तक लाखों नई नौकरियां आएंगी। एआई टैलेंट की डिमांड 1 मिलियन से ज्यादा होगी, और एआई अपनाने से जीडीपी में 450-500 बिलियन डॉलर का इजाफा होगा। कई अध्ययनों में पाया गया कि एआई से कुछ रूटीन जॉब्स बदलेगी या कम होंगी, लेकिन नई जॉब्स (जैसे एआई कॉन्फिगरेटर, एक्सपीरियंस डिजाइनर) ज्यादा तेजी से बढ़ रही हैं। भारत में एआई से प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी, व नए सेक्टर जैसे हेल्थकेयर, एग्रीकल्चर, एजुकेशन में अवसर खुलेंगे। एक बात साफ है कि आज के डिजिटल युग में एआई एक क्रांतिकारी तकनीक बन चुकी है। जहां कुछ लोग एआई को नौकरियों के लिए खतरा मानते हैं, वहीं वास्तविकता यह है कि भारत जैसे युवा-प्रधान देश में एआई नए और बेहतर रोजगार के द्वार खोल रहा है। हाल के वर्षों में भारत ने एआई अपनाने में वैश्विक नेतृत्व हासिल किया है। स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारत दुनिया में एआई प्रतिभा की भर्ती में सबसे आगे है, जहां सालाना भर्ती दर लगभग 33% है। 2025 में भारत में लगभग 2.9 लाख एआई से जुड़े रोजगार के अवसर पैदा हुए और 2026 में इसमें 32% की वृद्धि होने का अनुमान है, जो करीब 3.8 लाख नई नौकरियों का मतलब है। ये अवसर मुख्य रूप से मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, एआई इंजीनियरिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई एथिक्स जैसे क्षेत्रों में उभर रहे हैं। बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जैसे शहर एआई जॉब्स के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) ने भी 2025 में करीब 4.5 लाख नई नौकरियां जोड़ीं, जिनमें एआई-संचालित भूमिकाएं प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई जैसे नेताओं ने स्पष्ट किया है कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा, बल्कि उन्हें बदलकर नई संभावनाएं देगा। भारतएआई मिशन, स्किल इंडिया और विभिन्न एडटेक प्लेटफॉर्म्स के जरिए युवाओं को रीस्किलिंग और अपस्किलिंग का अवसर मिल रहा है। एआई स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ा रहा है, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से लाखों सहायक रोजगार सृजित हो रहे हैं। एआई का नेट प्रभाव रोजगार पर सकारात्मक है। यह उत्पादकता बढ़ाता है, नए उद्योग जन्म देता है और उच्च वेतन वाली नौकरियां पैदा करता है। भारत की 65% से अधिक युवा आबादी इस बदलाव का सबसे बड़ा लाभार्थी बनेगी, बशर्ते हम कौशल विकास पर फोकस करें। कंप्यूटर की तरह, एआई भी जॉब किलर नहीं, बल्कि जॉब क्रिएटर साबित होगा। स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम कर रही सेलेस्टियल एयरोस्पेस के साइंटिस्ट श्रेयांस जैन मानते हैं कि जो लोग एआई सीखेंगे, वे आगे बढ़ेंगे। नई स्किल्स से बेहतर सैलरी, प्रमोशन और अवसर मिलेंगे। पर भारत में प्राइवेट और गवर्नमेंट सेक्टर के लाखों लोग चिंतित हैं कि कहीं, एआई उनकी नौकरी तो नहीं छीन लेगा, लेकिन यह डर पुराना है। याद कीजिए 1980-1990 के दशक को, जब कंप्यूटर भारत में आ रहे थे। तब भी यही डर था कंप्यूटर नौकरियां खा जाएगा। मजदूर यूनियनें सड़कों पर उतरीं, हड़तालें हुईं, विरोध प्रदर्शन हुए। सरकारी दफ्तरों, बैंकों, रेलवे में हर जगह कंप्यूटर का विरोध। लेकिन कंप्यूटर ने भी रोजगार पैदा किए। संदेश साफ है एआई से नौकरियां नहीं छिनेंगी, बल्कि बढ़ेंगी बशर्ते हम इसे अपनाएं, स्किल्स अपग्रेड करें और आगे बढ़ें। सब मिलकर इस नई क्रांति का हिस्सा बनें।

भारत में एआई से 2025-2030 तक लाखों नई नौकरियां आएंगी। एआई टैलेंट की डिमांड 1 मिलियन से ज्यादा होगी और एआई अपनाने से जीडीपी में 450-500 बिलियन डॉलर का इजाफा होगा। इसलिए स्किल्स अपग्रेड करें और आगे बढ़ें।

गलगोटिया जैसी यूनिवर्सिटी पर निगरानी की जरुरत

चिंतन
योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली के प्रगति मैदान में स्थित भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आयोजन किया गया। पूरी दुनिया से एआई के जानकार और उनसे जुड़े अविष्कारों को दिखाया जा रहा है। इन्हीं सब के बीच ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी की ओर से दिखाए गए एक रोबोट पर विवाद मच गया है जो एक इंटरनेशनल मुद्दा बन गया। मामला यह है कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जिस रोबोट को खुद के द्वारा तैयार किया गया बताया था, लेकिन वह वो चीन का रोबोट निकला। इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया में बहुत तेजी से वायरल हो रही हैं। यही नहीं गलगोटिया यूनिवर्सिटी के ऊपर मीम्स भी बन गए हैं। गलगोटिया यूनिवर्सिटी को लेकर देश ही नहीं दुनिया में भी चर्चा होने लगी है। स्थिति यह है कि एआई समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की ओर से खुद का रोबोट बताकर चीनी प्रोडक्ट दिखाने के बाद बड़े स्तर पर किरकिरी हो गई। इसके बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी को बुधवार को भारत मंडपम में चल रहे एआई समिट एक्सपो से अपना स्टॉल खाली तक करा दिया। बता दें कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने 'ओरियन' रोबोट एआई समिट में दिखाया गया जो एक रोबोटिक कुत्ता है। इसकी तस्वीर और वीडियो सामने आने के बाद इसकी सच्चाई सबके सामने आ गई। लोगों ने रिसर्च किया और सबकुछ पता चल गया। चीन पल्स एक्स हैंडल से एक पोस्ट किया गया जिसमें कहा गया कि भारतीय यूनिवर्सिटी ने चीन के रोबोट को खुद का रोबोट बताया। लेकिन सवाल यही है कि देशभर अपनी पहचान रखने वाली ने इतनी बड़ी यूनिवर्सिटी ने आखिर ऐसा क्यों किया। क्या इसके पीछे कोई राजनितिक साजिश थी, क्योंकि इसको लेकर कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह सरकार को बदनाम करने का भी काम हो सकता है। और यदि ऐसा नहीं तो गलगोटिया यूनिवर्सिटी को अपनी बड़े स्तर पर उपस्थिति दर्ज करवानी थी और अपनी यूनिवर्सिटी को सबसे सर्वश्रेष्ठ बताना था। मामला चाहे कुछ भी हो लेकिन इस घटनाक्रम से देश की साख पर बट्टा लगा गया। वहीं समिट में पहुंचे तमाम लोगों ने कहा कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जो काम किया है यह बेहद निंदनीय है इससे न सिर्फ देश की बदनामी हुई है बल्कि यूनिवर्सिटी के प्रति लोगों में विश्वास खत्म हुआ है। स्थिति यह है कि अब देश के एआई भविष्य व गुणवत्ता पर कई तरह के सवालिया निशान खड़े हो गए। इसके अलावा गलगोटिया यूनिवर्सिटी से सालाना हजारों विद्यार्थी पास आउट होते हैं और हाल ही में पढ रहे बच्चों को क्या कोई भी नौकरी देगा? इस घटना के बाद कई कंपनियों का दृष्टिकोण इस यूनिवर्सिटी के लिए बदल गया।विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में रोबोटिक्स अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है और इसे अभी एक विकसित हो रहे इकोसिस्टम के रूप में देखा जा रहा है लेकिन कुछ कंपनियां सरकार को खुश करने व अपने व्यापार को बढ़ोतरी करने में केवल अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। बीते दो दशकों से रोबोटिक्स के क्षेत्र में काम कर रहे और आईआईटी मंडी में रोबोटिक्स के एक प्रोफ़ेसर ने कहा कि भारत के पास तकनीकी क्षमता और प्रतिभा होने के बावजूद इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी चुनौतियां इस क्षेत्र की रफ़्तार को सीमित कर रही हैं।उन्होंने यह भी कहा कि 'एआई की आत्मा का एक रोबोटिक शरीर खोजने' जैसा है और यह एक कठिन क्षेत्र है क्योंकि इसमें इंजीनियरिंग की लगभग हर शाखा के समन्वय की आवश्यकता होती है। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत जब वैश्विक एआई दौड़ में खुद को प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर रहा है ऐसे में यह घटना 'मेड इन इंडिया' की छवि के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है। ऐसे में केन्द्र व राज्य सरकारों को मिलकर इस पर निगरानी रखने की सख्त आवश्यकता है और इनकी देखरेख के लिए अलग से एक विभाग बनाना चाहिए जिससे की कोई गड़बड़ी की गुंजाइश न हो। सच्चाई यह है कि जो छोटे संस्थान होते हैं वहां बच्चों को अच्छे से सिखाया जाता है। केवल बड़ी-बड़ी इमारतों को दिखाकर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जाता है। लेकिन अब गलगोटिया प्रकरण के बाद अब बड़े एक्शन ऑफ प्लान की जरुरत है।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जो काम किया है यह बेहद निंदनीय है इससे न सिर्फ देश की बदनामी हुई है बल्कि यूनिवर्सिटी के प्रति लोगों में विश्वास खत्म हुआ

रोजगार के साथ चुनौतियां भी बढ़ाएगी कृत्रिम बुद्धिमत्ता

चुनौती
चरणजीत चरण
वरिष्ठ साहित्यकार

जैसे ही हम एआई की बात करते हैं, इसे रोजगार के प्रति एक डर के रूप में देखा जाता है और युवाओं के लिए एक चुनौती माना जाता है। आज जैसा कि हम जानते हैं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे जीवन में इतना अधिक घुल-मिल गई है कि हम इसके बिना भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते। जब हम इससे मिलने वाले लाभों की बात करते हैं, तो उससे होने वाले संभावित नुकसान स्वाभाविक रूप से हमारी चर्चा के केंद्र में आ जाते हैं। इसे लेकर जो सबसे बड़ा डर और भ्रम किसी भी देश या समाज में हो सकता है, वह है रोजगार में कटौती होना। इसमें कोई शक नहीं है कि एआई के माध्यम से बहुत से काम आसान हुए हैं, कार्यों में लगने वाले समय को न्यूनतम किया गया है तथा कार्य की सटीकता भी बढ़ी है; लेकिन यह चिंता भी चिंतन का विषय है कि यह तकनीक रोजगार के लिए एक चुनौती बनकर उभरी है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि पश्चिम की भौतिकवादी दुनिया एआई का इस्तेमाल किसी भी कार्य में सटीकता बढ़ाने और लागत कम करने में करना चाहती है। वहीं भारत की सोच इस विषय में बिल्कुल अलग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार, भारत इसका इस्तेमाल खर्च में कटौती के रूप में नहीं, बल्कि गुणवत्ता में सुधार और मानवीय क्षमता के विस्तार के रूप में करना चाहता है। पश्चिम की दुनिया जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मानव क्षमताओं के प्रतिस्थापन के रूप में उपयोग करना चाहती है, वहीं भारत इसे मानव सहयोग के रूप में उपयोग करना चाहता है। हाल ही में हुए दिल्ली एआई समिट का मकसद भी यही है कि इसे न सिर्फ मानव सहयोगी के रूप में देखा जाए, बल्कि उसका इस्तेमाल कार्यकुशलता और सृजनात्मकता बढ़ाने के लिए किया जाए।

भारत और पश्चिम की दुनिया में शुरू से अब तक एक बुनियादी अंतर यही रहा है कि पश्चिम ने इस क्षेत्र में जितने भी नवाचार किए हैं, उन्हें बहुत गोपनीय रखा है। साथ ही, ऐसी किसी भी तकनीक को मानव श्रम की कटौती के रूप में इस्तेमाल किया है और उनके तमाम प्रयोग भी इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए नज़र आते हैं। इसके विपरीत, भारत का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से मानव जीवन में आने वाली जटिलताओं का निवारण करना और इसके माध्यम से नए रोजगार का सृजन करना है। उदाहरण के रूप में, भारत ने अपने ग्रामीण क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल कर स्वास्थ्य प्रणाली को सुधारने में अभूतपूर्व कार्य किया है। मरीजों का डेटा एकत्र करने से लेकर जटिल बीमारियों के निदान तक पहुंचना और छोटे-छोटे गाँवों तक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, इन सभी क्षेत्रों में भारत का कार्य सराहनीय है। यदि हम इसकी बुनियाद में जाएँ, तो देखते हैं कि इस प्रणाली के रखरखाव के लिए जिस बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होगी, उसी से भविष्य में लाखों नए रोजगार सृजित होंगे। भारत में एआई को न सिर्फ सरकारी बल्कि अब निजी क्षेत्र के लिए भी खोल दिया गया है। सरकार पूरी निष्ठा से इस दिशा में कार्य कर रही है कि इसका इस्तेमाल युवाओं में कौशल विकास के लिए हो, न कि छंटनी के लिए। भारत का 'इंडिया एआई मिशन' केवल शोध के लिए नहीं है, बल्कि सरकार की कोशिश है कि देश का युवा बुनियादी रूप से इस क्षेत्र में अपनी कार्यकुशलता और क्षमताओं का विकास करे। दिल्ली समिट के अनुसार, भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा डेटा समूह है। इसी डेटा का उपयोग करने के लिए जिस मानव संसाधन की आवश्यकता है, उसी के कारण भारत दुनिया का एआई कार्यालय बन रहा है। भारत चूंकि एक कृषि प्रधान देश है, इसलिए कृषि क्षेत्र के नवाचार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अग्रणी भूमिका निभा सकती है। दिल्ली समिट में विशेषज्ञों के माध्यम से एक विशेष बात उभरकर आई कि भारत का 'सॉवरेन मॉडल' दुनिया के उन तमाम देशों के लिए एक मिसाल है, जो अपनी जनसंख्या को केंद्र में रखकर प्रगति करना चाहते हैं।

भारत ने इस समिट के माध्यम से दुनिया को बताया है कि एआई का विकास रोजगार छीनने के लिए नहीं, बल्कि क्षमता विकास के लिए होगा। भारत चाहता है कि इसका इस्तेमाल 'सहायक बुद्धिमत्ता' के रूप में हो, जो चिकित्सकों, शिक्षकों, अभियंताओं और सृजनशील लोगों जैसे शिल्पकार, संगीतकार, लेखक के सहायक के रूप में कार्य करे, न कि उनका स्थान ले। समग्र रूप से देखें तो इस संदर्भ में सरकार का मकसद है कि तकनीक का उपयोग केवल मशीनों की क्षमता बढ़ाना नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उस तकनीक से नए रोजगार कैसे सृजित हों और वह लोगों के दैनिक जीवन को कैसे सुगम बनाए।

एआई समिट का मकसद यही है कि इसे न सिर्फ मानव सहयोगी के रूप में देखा जाए, बल्कि उसका इस्तेमाल कार्यकुशलता व सृजनात्मकता बढ़ाने के लिए किया जाए।

कई तरह की समस्याएं भी पैदा कर सकता है एआई

दृष्टिकोण
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र स्तंभकार

नई दिल्ली के भारत मंडपम में जब 'इंडिया-एआई इंपैक्ट समिट 2026' का वैश्विक सम्मेलन आयोजित किया गया, तब से एक स्वाभाविक प्रश्न द्वारा मन-मस्तिष्क आंदोलित हुए बिना नहीं रह पा रहे हैं, कि क्या भारत व विश्व में प्राकृतिक कृषिकर्म एवं प्रकृति के समुचित संरक्षण हेतु भी कोई अधि मंथनपरक सम्मेलन कभी होगा? क्या इस दिशा में भारतीय शासन, विदेशी शासनों तथा देशी-विदेशी कंपनियों के अथाह धन-संसाधन धारी स्वामियों को इस बारे में कोई आत्मरुचि कभी होगी अथवा नहीं? जीवन की मुख्य आवश्यकताओं से पृथक एआई अर्थात कृत्रिम मेधा का विषय सहसा इतना व्यापक व विशाल क्यों हो गया है कि यह चाहे-अनचाहे सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में आ गया है? ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि सॉफ्टवेयर कंपनियों, पूंजीपतियों तथा कम जनसंख्या के साथ अधिक तकनीक व प्रौद्योगिकी से समृद्ध विश्व के लघु आकार वाले देश एआई तकनीक बेचकर लाभार्जन करना चाहते हैं। इनमें अमेरिका प्रमुख है। डेयरी उत्पादों पर किंकर्तव्यविमूढ़ता के कारण भारत-अमेरिका के मध्य अपेक्षित व्यापार समझौता नहीं हुआ, तो भारतीय व अमेरिकी शासन तथा दोनों देशों के सॉफ्टवेयर कारोबारियों ने नवीनतम कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी एआई के बलबूते पारस्परिक व्यापार में वृद्धि करने की नीति बनाई है। ये नीति अमेरिका में एआई के प्रसारण के बाद बृहद स्तर पर फैली आजीविका की समस्या तथा भारत में आगामी वर्षों में एआई के कारण संभवतः फैलने वाली आजीविका की समस्या की अनदेखी करके बनाई गई है।

एआई न केवल आजीविका की समस्या अपितु सामाजिक, व्यक्तिगत, सार्वजनिक व अमानवीय समस्याएं भी उत्पन्न करेगा। एक समय उदारीकरण के बाद वाहन उद्योगों को फलीभूत करने देशवासियों को द्विपहिया, तिपहिया और चौपहिया वाहन खरीदने, रखने व चलाने के लिए उकसाया गया था। आज उसके दुष्परिणाम सड़कों पर प्रतिदिन कई घंटों के जाम, समय की बर्बादी, सड़क चौड़ीकरण हेतु वन क्षेत्रों व प्राचीन वृक्षों के कटान, ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण, प्राकृतिक विकृतियों के स्वरूप में स्पष्ट दृष्टिगोचर हैं। इन दुष्परिणामों का देश-दुनिया के शासन के पास कोई समाधान नहीं है। लोगों ने इनके साथ घुट-घुट कर जीने को नियति मान लिया है। इसी प्रकार की कई वस्तुओं, सुविधाओं व सेवाओं को रखने एवं खरीदने के लिए लोगों को विवश किया जाता रहा है। लोगों से कभी पूछा नहीं गया कि उन्हें ये सब कुछ चाहिए भी कि नहीं। लोगों के बीच यही स्थिति एआई अर्थात कृत्रिम मेधा की है। कंपनियों ने एक प्रौद्योगिकी विकसित कर दी है। अब उसे आभासी उत्पाद के रूप में बेचने के लिए दुनिया के शासनों पर दबाव बनाओ कि अपनी शासकीय नीतियों के माध्यम से अपने देश की जनसंख्या को इस उत्पाद के ग्राहक के रूप में परिवर्तित करने की योजनाएं बनाइए। एआई सम्मेलन का यही मूल उद्देश्य है। अमेरिका आधारित सॉफ्टवेयर की सर्वाधिक विशाल कंपनी गूगल, अपने आरंभिक सॉफ्टवेयर कर्म से लेकर नवीनतम एआई अनुप्रयोग को एक सूचनापरक आभासी उत्पाद बना, विश्व में प्रसारित कर अधिक से अधिक लाभार्जन करने हेतु व्यग्र है। विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या धारी देश है भारत। गूगल जैसी कंपनियों के लिए अपने सॉफ्टवेयर कारोबार को चमकाने के लिए, भारत न केवल ग्राहक संख्या के स्तर पर, अपितु भारतीय मूल के गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के माध्यम से भी, एआई बाजार का केंद्र बिंदु बना हुआ है। एक अरब पचास करोड़ की जनसंख्या बहुत विशाल है। उसे एआई बेचा जाएगा तो न केवल गूगल, बल्कि अमेरिका भी आर्थिक रूप से संपन्न बनेंगे। आजकल देखा जा रहा है कि भारतीय किशोरों व युवाओं में व्यापक रुचि बने क्रिकेट को विश्वस्तर पर प्रसारित किया जा रहा है और इस प्रसारण अभियान में जो आर्थिक आधार हैं उनमें गूगल की जेमिनी भी प्रमुख प्रायोजक है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से पूर्व जितने भी वास्तविक एवं अवास्तविक उत्पाद व सेवायें लोगों पर थोपी गई हैं, उनका प्रमुख उद्देश्य जनकल्याण नहीं अपितु व्यक्तिगत व कंपनीगत लाभार्जन ही रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अपवाद नहीं है। ये भी जनकल्याण नहीं, विशुद्ध लाभ की योजना है। कृत्रिम रूप में मेधा प्रस्तुत करनेवालों से सीधा प्रश्न है कि क्या यह मेधा बिना व्यक्ति के संचालित हो सकती है? अंततः इसे भी किसी व्यक्ति के मन-मस्तिष्क, विचारों-भावनाओं तथा हाथों द्वारा ही तो चलाया जाना है।

जब ऐसा है तो इस पर इतना अतिशयोक्तिपूर्ण मंथन क्यों किया जा रहा है? क्या देश-दुनिया में अभी तक प्रसारित डिजिटल व कम्प्यूटर आधारित लेन-देन, गतिविधियां तथा अन्य प्रसारण अनुप्रयोग प्रतिकूलताओं अर्थात चोरी-डकैती, साइबर ठगी, डीफ फेक, धोखाधड़ी, दुष्प्रचार, मिथ्या सूचना तथा अन्य विसंगतियों से पूर्णतः मुक्त हैं, जो कृत्रिम मेधा के सम्मुख ये चुनौतियां नहीं उभरेंगी? जब तक देश-दुनिया में बेईमान, मक्कार, अशांत, उपद्रवी, प्रकृति विरोधी, पंगे लेने की दुष्प्रवृत्तियों से घिरे हुए तथा अन्य मानवीय बुराइयों से युक्त लोग रहेंगे, तब तब कृत्रिम मेधा हो अथवा कोई अन्य प्रौद्योगिकी, सभी का पूर्ण दुरुपयोग होता रहेगा। एआई के संबंध में भी कितने ही सूचना प्रौद्योगिकी आधारित नियम-कानून बन जायं, किंतु जब तक त्वरित व कठोर दंड की नीतियां लागू नहीं होंगी, तब तक कृत्रिम मेधा के माध्यम से भी कुछ भी यथोचित नहीं होगा।

चोरी-डकैती, साइबर ठगी, डीफ फेक, धोखाधड़ी रोकने के लिए एआई के संबंध में त्वरित और कठोर दंड की नीतियां भी लागू करनी होंगी।

एआई समिट में यूथ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर भाजपा का हल्ला बोल

देशभर में कांग्रेस को 'देशद्रोही' बताकर माफी मांगने के लगाए पोस्टर, नारेबाजी भी की

भारत मंडपम के कार्यक्रम में युवा कांग्रेस ने डाला था 'रंग में भंग'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बवाल के खिलाफ सड़क पर उतरी भाजपा

दिल्ली में भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का शनिवार को आखिरी दिन था। यह 20 फरवरी को खत्म होना था लेकिन लोगों के उत्साह के चलते इसका समय एक दिन बढ़ाया गया है। एक दिन पहले यानी 20 फरवरी को यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एआई समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए।

इसको लेकर अब राजनीतिक बवाल लगातार बढ़ता ही जा रहा है।यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जो विरोध प्रदर्शन किया। उसके चलते भाजपा अब आक्रामक हो गई है। भाजपा ने शनिवार को देशभर में कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया।समिट में हंगामा करने के विरोध में भाजपा ने दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शन किया। दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता देशद्रोही राहुल गांधी माफी मांगे के पोस्ट लेकर विरोध कर रहे हैं।

दिल्ली में बैरिकेड को तोड़ दिया

नई दिल्ली। बैरिकेड्स के ऊपर चढ़े भाजयुमो के कार्यकर्ता

समिट में हंगामा करने के विरोध में भाजपा ने दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शन किया। दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता देशद्रोही राहुल गांधी माफी मांगे के पोस्ट लेकर विरोध किया। नेताओं के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए अकबर रोड को दिल्ली पुलिस ने दो लेयर की बैरीकेड लगाकर बंद कर दिया। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड को तोड़ दिया। इस दौरान कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। इसमें दिल्ली भाजपा अध्यक्ष विनोद सचदेवा के अलावा सांसद मनोज तिवारी भी थे।

महाराष्ट्र में राहुल को काले झंडे दिखाए

मुलुंड में, प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को काले झंडे दिखाए, जब वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक कार्यकर्ता द्वारा दायर मानहानि के मामले में नई जमानत देने के लिए ठाणे जा रहे थे।

जयपुर में बैरिकेड्स पर ही चढ़ गए

राजस्थान के जयपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेड्स लगाए, लेकिन भाजपा कार्यकर्ता उन पर ही चढ़ गए। राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी भी की।

कोर्ट में दिल्ली पुलिस का दावा

नेपाल के जेन-जी आंदोलन से प्रेरित था यूथ कांग्रेस का प्रोटेस्ट

एआई समिट में शर्टलेस प्रदर्शन करने वाले यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को शनिवार को कोर्ट ने पांच दिनों की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। कोर्ट में चारों आरोपियों को पेश किया गया और दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि प्रदर्शन करने वाले ये कार्यकर्ता नेपाल के जेन-जी आंदोलन से प्रेरित थे। कुछ समय पहले नेपाल में हुए जेन-जी आंदोलन से वहां की सरकार गिर गई थी। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के इस प्रदर्शन के पीछे एक बड़ी साजिश थी।

अब यूथ कांग्रेस ने महात्मा गांधी की तस्वीर साझा कर दी सफाई

'शर्टलेस' विरोध के एक दिन बाद इंडियन यूथ कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर अपने प्रदर्शन का बचाव किया है। संगठन ने महात्मा गांधी की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि हम गांधी के वंशज हैं। शर्टलेस ही सही। कल भी लड़ रहे थे, आगे भी लड़ते रहेंगे। अन्य पोस्ट में यूथ कांग्रेस ने कहा कि जब सत्ता सुनने से मना कर दे, तो युवा उठ खड़े होते हैं।

भाजपा के सुधांशु बोले

यूथ कांग्रेस को बताया 'लश्कर-ए-राहुल', देश कभी माफ नहीं करेगा

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एआई समिट में यूथ कांग्रेस के हंगामे पर कहा कि 'लश्कर-ए-राहुल' के झंडाबरदार भारत की इज्जत को तार-तार करने में लगे हुए हैं। इस तरह के निंदनीय कृत्य के लिए देश की जनता कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेगी। सम्मेलन में भारत की प्रतिभा और बुद्धिमत्ता का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, तो कांग्रेस की निम्नता और नग्नता का एक शर्मनाक प्रदर्शन देखने को मिला।

कांग्रेस का वार

ये डील नहीं देश के लिए परेशानी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक वैश्विक टैरिफ को रद्द कर दिया। इस फैसले के बाद भारत की राजनीति में भी प्रतिक्रिया सामने आई। कांग्रेस ने इसे भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। कांग्रेस का आरोप है व्यापार समझौता देश के लिए ओरडील यानी परेशानी साबित हो रहा है।

चारों आरोपियों को 5 दिन की पुलिस रिमांड

इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में शुक्रवार यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया था। इस मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उन्हें पटियाला हाउस कोर्ट लाया गया। दिल्ली पुलिस ने सभी आरोपियों की 5 दिन की कस्टडी मांगी। जबकि बचाव पक्ष ने इसका कड़ा विरोध करते हुए जमानत याचिका दाखिल की। कोर्ट ने इस मामले में पुलिस को आरोपियों की 5 दिन की कस्टडी दे दी है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान कृष्ण हरि, कुंदन यादव, अजय कुमार और नरसिम्हा यादव के तौर पर हुई है।

यूजीसी ने जारी की अद्यतन सूची

देश में 32 विश्वविद्यालय फर्जी उच्च शिक्षा के लिए ये 'अवैध'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देश में चल रहे 32 फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी की है। ये गैर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय खुद को वैध बताकर छात्रों को गुमराह कर रहे थे। यूजीसी ने चेतावनी दी है कि इनसे मिली डिग्री नौकरी और उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए अवैध हैं। यूजीसी ने स्पष्ट किया है कि ये 32 संस्थान यूजीसी अधिनियम, 1956 के तहत किसी भी रूप में डिग्री प्रदान करने के लिए अधिकृत नहीं है।

दिल्ली में सर्वाधिक

दिल्ली में 12, उत्तर प्रदेश में 4, आंध्र प्रदेश में 2, कर्नाटक में 2, केरल में 2, महाराष्ट्र में 2, पुडुचेरी में 2, पश्चिम बंगाल में 2, अरुणाचल प्रदेश में 1, हरियाणा में 1, झारखंड में 1 और राजस्थान में 1 है।

सीएजी रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

उत्तर-पूर्व राज्यों में 16,000 वाहनों के चेसिस नंबर समान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की एक हालिया रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में करीब 16,000 वाहन ऐसे पाए गए हैं जिनके चेसिस और इंजन नंबर एक जैसे हैं। यह रिपोर्ट असम विधानसभा के 126 सदस्यीय सदन में हाल ही में पेश की गई। ऑडिट के दौरान पाया गया कि असम समेत सात अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में 15,849 वाहन ऐसे हैं, जिनके चेसिस और इंजन नंबर समान हैं।

यह गंभीर मामला

किसी भी समय एक वाहन का पंजीकरण नंबर और चेसिस-इंजन नंबर यूनिक (उसके जैसा कोई दूसरा नहीं) होना अनिवार्य है। यदि कोई वाहन एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित (ट्रांसफर) होता है, तो पहले पुराने पंजीकरण को रद्द करना जरूरी होता है।

गुवाहाटी में सीआरपीएफ परेड में बोले गृहमंत्री शाह

कांग्रेस सरकारों ने कराई घुसपैठ, हम चुन-चुनकर निकालेंगे

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम के कामरूप में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठ और नक्सलवाद के मुद्दे पर कांग्रेस को जमकर आड़े हाथों लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में वोट बैंक की राजनीति के कारण असम की जनसांख्यिकी खतरे में पड़ गई और कई जिले मुस्लिम बहुल हो गए। असम की धरती को घुसपैठियों से भी मुक्त किया जाएगा।

चुनाव से पहले घुसपैठियों को दी चेतावनी

सीआरपीएफ के कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह

शाह दो दिनों के प्रदेश के दौरे पर हैं। शनिवार को उन्होंने गुवाहाटी में सीआरपीएफ स्थापना दिवस के मौके पर परेड के बाद संबोधित किया। पूर्वोत्तर में पहली बार यह आयोजन हो रहा है। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा बलों की तारीफ करते हुए घुसपैठियों को सख्त संदेश दिया है। चुनावी माहौल में इसका अर्थ साफ समझा जा सकता है।

परिवार के 5 लोगों के मिले शव, फंदे पर था पति

कासगंज। यूपी के कासगंज जिले में शनिवार को सनसनीखेज घटना हुई। एक घर में दंपती समेत 3 बच्चों के शव मिले। अमांपुर कस्बे में एक पेट्रोल पंप के पीछे रहने वाले सत्यवीर के परिवार के लोगों के शव बंद मकान में मिले। मकान के जंगले से देखने पर सत्यवीर का शव फंदे पर लटका मिला जबकि पत्नी व बच्चे मृत अवस्था में मिले हैं।

गांधीनगर में संगठन सशक्तिकरण पर मंथन

गांधीनगर। यहां स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने राज्य इकाई के संगठनात्मक ढांचे और आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में गुजरात भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जिला के नेता और प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हुए।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

होली विशेष रेलगाड़ियाँ-2026 की संख्या में वृद्धि

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए आगामी होली त्यौहार के दौरान पहले से ही घोषित अनेक होली विशेष रेलगाड़ियों के अलावा रेलवे द्वारा निम्नलिखित होली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

04530/04529 सरहिंद – मधुबनी – सरहिंद आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04530		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04529	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	13:00	सरहिंद	05:15	--
01:45	01:55	लखनऊ जं.	17:00	17:10
19:00	--	मधुबनी	--	23:00

चलने के दिन: 04530 सरहिंद से दिनांक 25.02.2026, 02.03.2026 एवं 06.03.2026 को और 04529 मधुबनी से दिनांक 26.02.2026, 03.03.2026 एवं 07.03.2026 को।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: राजपुरा, अम्बाला कैंट, बराड़ा, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, अयोध्या धाम, मनकापुर जं., बस्ती, गोरखपुर, छपरा, हाज़ीपुर, मुज़फ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा जं. एवं सकरी जं. स्टेशन।

04610/04609 अमृतसर जं. – मानसी जं. – अमृतसर जं. आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04610		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04609	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	20:10	अमृतसर जं.	13:15	--
02:30	--	मानसी जं.	--	04:00

चलने के दिन: 04610 अमृतसर जं. से दिनांक 24.02.2026, 28.02.2026 एवं 04.03.2026 को और 04609 मानसी जं. से दिनांक 26.02.2026, 02.03.2026 एवं 06.03.2026 को।
स्थान: शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: ब्यास जं., जलंधर सिटी जं., फगवाड़ा जं., ढंढारी कलाँ, सरहिंद, राजपुरा, अम्बाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, गोंडा जं., गोरखपुर जं., सीवान जं., छपरा, सोनपुर, हाज़ीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय एवं खगड़िया जं. स्टेशन।

04302/04301 हरिद्वार – मुज़फ्फरपुर जं. – हरिद्वार आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04302		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04301	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	11:45	हरिद्वार	15:30	--
12:30	--	मुज़फ्फरपुर जं.	--	14:45

चलने के दिन: 04302 हरिद्वार से दिनांक 25.02.2026, 28.02.2026 एवं 03.03.2026 को और 04301 मुज़फ्फरपुर जं. से दिनांक 26.02.2026, 01.03.2026 एवं 04.03.2026 को।
स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: लक्सर जं., नजीबाबाद जं., धामपुर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., बेतिया, सगौली जं., बापूधाम मोतिहारी एवं चकिया स्टेशन।

04014/04013 आनंद विहार (ट) – लौकहा बाजार – आनंद विहार (ट) आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 26 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04014		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04013	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	15:40	आनंद विहार (ट)	03:40	--
20:15	--	लौकहा बाजार	--	21:30

चलने के दिन: 04014 आनंद विहार (ट) से दिनांक 22.02.2026 से 06.03.2026 और 04013 लौकहा बाजार से दिनांक 23.02.2026 से 07.03.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनियां, सीतामढ़ी, शिशो, सकरी जं. एवं झंझारपुर स्टेशन।

04209/04210 वाराणसी – दिल्ली जं. – वाराणसी आरक्षित स्पेशल रेलगाड़ी — 26 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04209		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04210	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	22:30	वाराणसी	09:40	--
13:30	--	दिल्ली जं.	--	19:25

चलने के दिन: 04209 वाराणसी से दिनांक 22.02.2026 से 06.03.2026 और 04210 दिल्ली जं. से दिनांक 23.02.2026 से 07.03.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., रायबरेली जं., लखनऊ जं., मुरादाबाद एवं गाज़ियाबाद स्टेशन।

04066/04065 आनंद विहार (ट) – खोरधा रोड जं. – आनंद विहार (ट) आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 11 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04066		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04065	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	00:30	आनंद विहार (ट)	08:15	--
12:30	--	खोरधा रोड जं.	--	15:30

चलने के दिन: 04066 आनंद विहार (ट) से दिनांक 27.02.2026 से 03.03.2026 और 04065 खोरधा रोड जं. से दिनांक 28.02.2026 से 05.03.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: गाज़ियाबाद, गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्ज़ापुर, पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ओन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., पहाड़पुर, कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमोह, चन्द्रपुरा, बोकारो स्टील सिटी, पुरुलिया जं. बराभूम, चाण्डिल जं., टाटानगर जं., घाटशिला, हिजली, बालासोर, भद्रक, जाजपुर केन्द्रुझर रोड, कटक एवं भुवनेश्वर स्टेशन।

04052/04051 नई दिल्ली – हावड़ा जं. – नई दिल्ली आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 14 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04052		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04051	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	18:15	नई दिल्ली	08:20	--
23:40	--	हावड़ा जं.	--	01:40

चलने के दिन: 04052 नई दिल्ली से दिनांक 25.02.2026 से 03.03.2026 और 04051 हावड़ा जं. से दिनांक 27.02.2026 से 05.03.2026 तक।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.।
ठहराव: गाज़ियाबाद, अलीगढ़ जं., टुण्डला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., मिर्ज़ापुर, पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., बख्तियारपुर जं., किऊल जं., झाझा, जसीडीह, मधुपुर, चित्तरंजन, आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बैण्डेल स्टेशन।

04002/04001 नई दिल्ली – दादर – नई दिल्ली आरक्षित सुपरफास्ट स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04002		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04001	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	22:40	नई दिल्ली	21:05	--
22:40	--	दादर	--	00:05

चलने के दिन: 04002 नई दिल्ली से दिनांक 25.02.2026 एवं 04.03.2026 को और 04001 दादर से दिनांक 27.02.2026 एवं 06.03.2026 को।
स्थान: 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.।
ठहराव: कोसी कलां, मथुरा, गंगापुर सिटी, कोटा, रतलाम, वडोदरा, सूरत एवं बोरीवली स्टेशन।

04616/04615 फिरोज़पुर कैंट जं. – दानापुर – फिरोज़पुर कैंट जं. आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04616		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04615	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	12:00	फिरोज़पुर कैंट जं.	23:55	--
17:30	--	दानापुर	--	21:10

चलने के दिन: 04616 फिरोज़पुर कैंट जं. से दिनांक 26.02.2026, 02.03.2026 एवं 06.03.2026 को और 04615 दानापुर से दिनांक 27.02.2026, 03.03.2026 एवं 07.03.2026 को।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनॉमी), शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: मोगा, लुधियाना, अम्बाला कैंट जं., यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, रायबरेली, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., वाराणसी, पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, रघुनाथपुर एवं आरा स्टेशन।

04312/04311 योग नगरी ऋषिकेश – कोलकाता – योग नगरी ऋषिकेश आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04312		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04311	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	22:20	योग नगरी ऋषिकेश	22:25	--
08:00	--	कोलकाता	--	13:55

चलने के दिन: 04312 योग नगरी ऋषिकेश से दिनांक 26.02.2026 एवं 02.03.2026 को और 04311 कोलकाता से दिनांक 28.02.2026 एवं 04.03.2026 को।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: हरिद्वार जं., मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, आलम नगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., वाराणसी, पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ओन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, पारसनाथ, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमोह, धनबाद जं., आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान, बैण्डेल जं. एवं नैहाटी जं. स्टेशन।

04614/04613 अमृतसर – कटिहार – अमृतसर आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04614		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04613	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	14:15	अमृतसर	14:40	--
01:00	--	कटिहार जं.	--	04:00

चलने के दिन: 04614 अमृतसर से दिनांक 25.02.2026, 01.03.2026 एवं 05.03.2026 को और 04613 कटिहार जं. से दिनांक 27.02.2026, 03.03.2026 एवं 07.03.2026 को।
स्थान: शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: ब्यास जं., जलंधर सिटी जं., ढंढारी कलाँ, अम्बाला कैंट, सहारनपुर जं., मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., सीवान, छपरा, सोनपुर, हाज़ीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बछवारा जं., बरौनी जं., खगड़िया जं., मानसी जं. एवं नवगछिया स्टेशन।

04412/04411 तिलक ब्रिज – मुरादाबाद जं. – तिलक ब्रिज अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04412		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04411	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	10:00	तिलक ब्रिज	16:50	--
13:00	--	मुरादाबाद जं.	--	13:30

चलने के दिन: 04412 तिलक ब्रिज और 04411 मुरादाबाद जं. से दिनांक 27.02.2026 से 03.03.2026 तक।
स्थान: सामान्य।
ठहराव: आनंद विहार हॉल्ट, साहिबाबाद, गाज़ियाबाद जं., पिलखुआ, हापुड़ जं., गढ़मुक्तेश्वर, गज़रौला जं. एवं अमरोहा स्टेशन।

08629/08630 राँची – गोरखपुर जं. – राँची होली स्पेशल रेलगाड़ी — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 08629		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 08630	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	23:55	राँची	20:45	--
12:00	12:10	वाराणसी जं.	08:10	08:20
21:30	--	गोरखपुर जं.	--	00:50

चलने के दिन: 08629 राँची से दिनांक 02.03.2026 से 30.03.2026 तक (प्रत्येक सोमवार) को और 08630 गोरखपुर जं. से दिनांक 04.03.2026 से 01.04.2026 तक (प्रत्येक बुधवार) को।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: मूरी जं., बोकारो स्टील सिटी, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमोह, कोडरमा, गया जं., अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ओन सोन, सासाराम, पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., वाराणसी, जौनपुर जं., औंड़िहार जं., मऊ जं., सलेमपुर जं., भटनी जं. एवं देवरिया सदर स्टेशन।

01431/01432 पुणे – गाजीपुर सिटी – पुणे (सप्ताह में दो दिन) स्पेशल रेलगाड़ी — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01431		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 01432	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	06:40	पुणे	16:20	--
15:30	15:40	वाराणसी जं.	08:20	08:30
19:05	--	गाजीपुर सिटी	--	04:20

चलने के दिन: 01431 पुणे से दिनांक 24.02.2026, 27.02.2026, 03.03.2026 एवं 06.03.2026 (प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार) को और 01432 गाजीपुर सिटी से दिनांक 26.02.2026, 01.03.2026, 05.03.2026 एवं 08.03.2026 (प्रत्येक बृहस्पतिवार एवं रविवार) को
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर, कोपरगांव, मनमाड़ जं., जलगांव जं., भुसावल जं., खण्डवा, ईटारसी जं., पिपरिया, नरसिंहपुर, मदन महल, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, वाराणसी जं., जौनपुर जं. एवं औंड़िहार जं. स्टेशन।

01491/01492 पुणे – हज़रत निज़ामुद्दीन – पुणे (साप्ताहिक) स्पेशल रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01491		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 01492	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	17:30	पुणे	23:55	--
20:00	--	हज़रत निज़ामुद्दीन	--	21:25

चलने के दिन: 01491 पुणे से दिनांक 27.02.2026 एवं 06.03.2026 (प्रत्येक शुक्रवार) और 01492 हज़रत निज़ामुद्दीन से दिनांक 28.02.2026 एवं 07.03.2026 (प्रत्येक शनिवार) को।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: लोणावला, कल्याण जं., भिवंडी रोड, वसई रोड, वापी, सूरत, वडोदरा जं., गोधरा जं., रतलाम जं., शामगढ़, भवानी मंडी, रामगंज मंडी जं., कोटा जं., सवाई माधोपुर जं., गंगापुर सिटी जं., भरतपुर जं. एवं मथुरा जं. स्टेशन।

01079/01080 छत्रपति शिवाजी महाराज ट.–गोरखपुर– छत्रपति शिवाजी महाराज ट. स्पेशल रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 31 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01079		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 01080	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	22:30	छत्रपति शिवाजी महाराज ट.	00:40	--
04:10	04:15	लखनऊ जं.	19:50	19:55
10:00	--	गोरखपुर	--	14:30

चलने के दिन: 01079 छत्रपति शिवाजी महाराज ट. से दिनांक 08.03.2026 को और 01080 गोरखपुर से दिनांक 23.02.2026 से 10.03.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: दादर, ठाणे, कल्याण जं., नाशिक रोड, मनमाड़ जं., जलगांव जं., भुसावल जं., खण्डवा जं., ईटारसी ज., भोपाल जं., बीना जं., विरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं., उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ जं., गोंडा जं., बस्ती एवं खलीलाबाद स्टेशन।

01415/01416 पुणे – गोरखपुर – पुणे स्पेशल रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 31 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01415		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 01416	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	06:50	पुणे	03:15	--
10:00	10:05	लखनऊ जं.	22:30	22:35
16:00	--	गोरखपुर	--	17:30

चलने के दिन: 01415 पुणे से दिनांक 22.02.2026 से 08.03.2026 और 01416 गोरखपुर से दिनांक 22.02.2026 से 09.03.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर, कोपरगांव, मनमाड़ जं., भुसावल जं., खण्डवा, ईटारसी जं., भोपाल जं., बीना, विरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं., उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ जं., गोंडा जं. एवं बस्ती स्टेशन।

06569/06570 यशवंतपुर जं. – हज़रत निज़ामुद्दीन – यशवंतपुर जं. होली स्पेशल रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 06569		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 06570	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	22:40	यशवंतपुर जं.	21:40	--
14:45	--	हज़रत निज़ामुद्दीन	--	07:00

चलने के दिन: 06569 यशवंतपुर से दिनांक 25.02.2026 और 06570 ह. निज़ामुद्दीन से दिनांक 01.03.2026 को।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: येलहंका जं., धर्मावरम जं., अनंतपुर, डोन जं. कर्नूलु सिटी, काचीगुडा, काज़ीपेट जं. बल्हारशाह, नागपुर जं., भोपाल जं., बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं., ग्वालियर जं., आगरा कैंट जं. एवं मथुरा जं. स्टेशन।

05219/05220 मुज़फ्फरपुर जं. – आनंद विहार (ट) – मुज़फ्फरपुर जं. स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05219		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 05220	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	13:30	मुज़फ्फरपुर जं.	09:45	--
10:00	--	आनंद विहार (ट)	--	12:00

चलने के दिन: 05219 मुज़फ्फरपुर जं. से दिनांक 06.03.2026 और 05220 आनंद विहार (ट) से दिनांक 07.03.2026 को।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. ईकोनॉमी।
ठहराव: हाजीपुर जं., सोनपुर जं., पाटलिपुत्र, दानापुर, आरा, बक्सर, पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज जं. एवं गोविंदपुरी स्टेशन।

05559/05560 रक्सौल जं. – उधना जं. – रक्सौल जं. स्पेशल मेल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05559		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 05560	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	05:30	रक्सौल जं.	00:15	--
14:50	15:00	लखनऊ जं.	14:20	14:30
13:05	--	उधना जं.	--	15:35

चलने के दिन: 05559 रक्सौल जं. से दिनांक 28.02.2026 और 05560 उधना जं. से दिनांक 01.03.2026 को।
स्थान: प्रथम वाता सह 2 टियर वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: सिकटा,नरकटियागंज जं., बगहा, कप्तानगंज जं., गोरखपुर जं., गोंडा जं., बाराबंकी जं., लखनऊ जं., कानपुर सेंट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं., ललितपुर, बीना जं., संत हिरदाराम नगर, सीहोर, उज्जैन जं., नागदा जं., रतलाम जं., गोधरा जं., वडोदरा जं. एवं भरुच जं. स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सुरक्षित निवेश के कई मजबूत विकल्प, मिलेगा बढ़िया रिटर्न

- पीपीएफ, एनएससी, एससीएसएस और सुकन्या जैसी योजनाएं दे रही हैं आकर्षक ब्याज और टैक्स लाभ
- कम जोखिम में स्थिर आय और लंबी अवधि में मजबूत फंड बनाने के विकल्प
- बैंक एफडी से आगे बढ़कर सोचें, सरकारी योजनाओं में छिपा है बेहतर रिटर्न

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में निवेशकों की सबसे बड़ी प्राथमिकता है पूंजी की सुरक्षा और स्थिर रिटर्न। शेयर बाजार की अस्थिरता से घबराने वाले या जोखिम कम लेना चाहने वाले लोग आमतौर पर बैंक एफडी का सहारा लेते हैं। लेकिन क्या एफडी ही एकमात्र सुरक्षित विकल्प है? असल में, सरकार समर्थित कई ऐसी योजनाएं हैं जो न केवल सुरक्षित हैं, बल्कि कई मामलों में एफडी से बेहतर ब्याज भी देती हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही भरोसेमंद निवेश विकल्पों के बारे में, जहां सुरक्षा के साथ अच्छा रिटर्न भी मिल सकता है।

कंपाउंडिंग के लिए सबसे बेहतर

1. पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) अगर आपका लक्ष्य लंबी अवधि में सुरक्षित तरीके से बड़ा फंड बनाना है, तो पीपीएफ एक बेहतरीन विकल्प है।

- निवेश अवधिः 15 वर्ष
- वर्तमान ब्याज दर : 7.1% (सरकार द्वारा तिमाही आधार पर तय)
- अधिकतम निवेश : 1.5 लाख रुपये प्रति वर्ष
- टैक्स लाभ : धारा 80सी के तहत छूट
- पीपीएफ की सबसे बड़ी खासियत है इसका ईईईई स्टेटस निवेश, ब्याज और मैच्योरिटी राशि तीनों टैक्स-फ्री होती हैं। यह योजना खासकर उन निवेशकों के लिए उपयुक्त है जो रिटायरमेंट या बच्चों की उच्च शिक्षा जैसे दीर्घकालिक लक्ष्य के लिए सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं।

2. नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी)

- यदि आप 5 साल की अवधि के लिए सुरक्षित निवेश चाहते हैं, तो एनएससी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- निवेश अवधि : 5 वर्ष
- ब्याज दर : लगभग 7.7%
- टैक्स लाभ : 80सी के तहत छूट
- एनएससी में निवेश की गई राशि सुरक्षित रहती है और तय ब्याज दर के अनुसार परिपक्वता पर रिटर्न मिलता है। यह योजना उन लोगों के लिए बेहतर है जो मध्यम अवधि के लक्ष्य के लिए निवेश करना चाहते हैं और जोखिम नहीं लेना चाहते।

3. सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम (एससीएसएस)

- यह योजना विशेष रूप से 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए है।
- निवेश अवधि : 5 वर्ष (आवश्यकतानुसार बढ़ाई जा सकती है)
- ब्याज दर : लगभग 8% से अधिक (तिमाही समीक्षा के अधीन)

नियमित ब्याज भुगतान

- एससीएसएस उन सेवानिवृत्त लोगों के लिए बेहद उपयोगी है जो अपने रिटायरमेंट फंड से नियमित आय चाहते हैं। ब्याज तिमाही आधार पर मिलता है, जिससे नकदी प्रवाह बना रहता है।

4. पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम (एमआईएस)

- अगर आप सुरक्षित निवेश के साथ हर महीने नियमित आय चाहते हैं, तो पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम एक बेहतर विकल्प है।
- निवेश अवधिः 5 वर्ष
- ब्याज दरः लगभग 7.4%
- मासिक ब्याज भुगतान

5. सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई)

- बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए यह योजना विशेष रूप से बनाई गई है।
- पात्रताः 10 वर्ष या उससे कम आयु की बेटी
- निवेश अवधिः 15 वर्ष
- मैच्योरिटीः 21 वर्ष
- अधिकतम निवेशः 1.5 लाख रुपये प्रति वर्ष
- ब्याज दरः लगभग 8.2%
- एसएसवाई वर्तमान में सबसे अधिक ब्याज देती है।

एसआईपी संपत्ति निर्माण का एक आसान और व्यवस्थित तरीका बिना योजनाबद्ध निकासी निवेश को कर देती है बर्बाद

सिर्फ एसआईपी नहीं एसडब्लूपी भी जरूरी

बिजनेस डेस्क

जनवरी 2026 में निवेशकों ने सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए म्यूचुअल फंड में 31,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। एसआईपी अब आदत जैसी बन गई है। यह संपत्ति निर्माण का एक आसान और व्यवस्थित तरीका बन गया है। लेकिन असली परीक्षा तब शुरू होती है जब आप इसका उपयोग करना शुरू करते हैं। बिना योजनाबद्ध निकासी रणनीति के वर्षों का अनुशासित निवेश जल्दी ही बिखर सकता है। इसलिए हर एसआईपी के साथ एक सिस्टमैटिक विदड्रॉल प्लान (एसडब्लूपी) होना भी जरूरी है। एसआईपी संपत्ति संचय का एक प्रभावी साधन है, लेकिन यह सुचारु परिणाम की गारंटी नहीं देता। इसलिए एसआईपी से बाहर निकलने का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आपका एसआईपी कितने समय तक चला या आपने इसे किस बाजार परिस्थिति में शुरू किया। अंतिम चरण में बाजार में गिरावट आपकी योजनाओं को पटरी से उतार सकती है। मान लीजिए एक निवेशक ने जनवरी 2005 में एसबीआई निफ्टी इंडेक्स फंड में 10,000 रुपये की मासिक एसआईपी शुरू की। लक्ष्य था 2020 के मध्य तक घर की डाउन पेमेंट के लिए 40 लाख रुपये जुटाना। 31 जनवरी 2020 तक 18 लाख रुपये का निवेश बढ़कर 40.73 लाख रुपये हो गया। लक्ष्य आसानी से हासिल होता दिख रहा था। फिर महामारी के कारण बाजार में गिरावट आई। 23 मार्च 2020 तक यह कॉर्पस घटकर 26 लाख रुपये रह गया यानी अचानक 14 लाख रुपये की कमी। पोर्टफोलियो को दोबारा संभलने में लगभग आठ महीने लग गए। यदि निवेशक ने लक्ष्य तिथि से 12-18 महीने पहले एसडब्लूपी के माध्यम से चरणबद्ध निकासी शुरू कर दी होती तो कुछ मुनाफा सुरक्षित किया जा सकता था। एसडब्लूपी मूलतः एसआईपी का उल्टा है। नियमित अंतराल पर निश्चित रकम निवेश करने के बजाय आप तय समयावधि में नियमित रूप से निश्चित राशि निकालते हैं। जैसे-जैसे लक्ष्य नजदीक आता है, एसडब्लूपी एक संतुलित और क्रमिक निकासी का मार्ग तैयार करता है।

एसडब्लूपी है वितरण की संरचना

इस संरचना के दो प्रमुख लाभ हैं। पहला यह अंतिम समय की बाजार अस्थिरता से अर्जित लाभ के एक हिस्से की सुरक्षा करता है। दूसरा जो राशि नहीं निकाली जाती, वह निवेशित बनी रहती है और अंतिम चरण में संभावित बढ़त का लाभ उठाती है। उद्योग के विशेषज्ञ अब एसआईपी और एसडब्लूपी को एक संयुक्त रणनीति के दो हिस्सों के रूप में देखते हैं। वे इस संयोजन को जीवन भर का एसआईपी बताते हैं। कमाई के वर्षों में व्यवस्थित बचत और आय कम होने पर व्यवस्थित निकासी, बिना चक्रवृद्धि की ताकत को तोड़े। असल में एसआईपी संचय का इंजन है, जबकि एसडब्लूपी वितरण की संरचना। यह दोनों मिलकर संपत्ति निर्माण, संरक्षण और वितरण का निरंतर चक्र बनाते हैं।

सेवानिवृत्ति से आगे की भी सोचें

परंपरागत रूप से एसडब्लूपी को रिटायरमेंट आय के साधन के रूप में देखा जाता रहा है, लेकिन यह धारणा बदल रही है। एसडब्लूपी जीवन के विभिन्न चरणों में एक लचीला और कर-कुशल नकदी प्रवाह समाधान बनकर उभर रहा है। यह लोन की ईएमआई, बच्चों की फीस या अनियमित आय से जुड़े जीवनशैली खर्च जैसे नियमित खर्चों में मदद कर सकता है। एसडब्लूपी फ्रीलांसर, कंसल्टेंट या चक्रीय आय वाले व्यवसायियों के लिए भी उपयोगी है। अधिक आय वाले महीनों में अतिरिक्त कमाई निवेश की जा सकती है, जबकि एक छोटा एसडब्लूपी निश्चित मासिक खर्चों के लिए स्थिर आय प्रदान कर सकता है। यहां तक कि एकमुश्त लक्ष्यों जैसे शादी या घर की मरम्मत के लिए भी एसडब्लूपी चरणबद्ध निकासी की सुविधा देता है, जिससे टाइमिंग जोखिम कम होता है और शेष पूंजी निवेशित बनी रहती है।

बकेट रणनीति भी बनाएं

रिटायरमेंट में हर फंड एसडब्लूपी के लिए उपयुक्त नहीं होता। विशेषज्ञ तीन-बकेट रणनीति सुझाते हैं। तीन साल के खर्च लिक्विड फंड में, चौथे से सातवें वर्ष के खर्च कंजरवेटिव हाइब्रिड फंड में और दीर्घकालिक निवेश इक्विटी में ताकि मुद्रास्फीति को मात दी जा सके। निकासी पहले बकेट से शुरू होती है। जैसे-जैसे वह कम होता है, दूसरे बकेट से उसे भरा जाता है और बाद में तीसरे बकेट से। यह स्तरीय संरचना निकट अवधि के खर्चों को इक्विटी की अस्थिरता से बचाती है और दीर्घकालिक वृद्धि को बनाए रखती है।

चक्र को पूरा करना जरूरी

हर वित्तीय यात्रा व्यक्तिगत लक्ष्यों, आय पैटर्न और जोखिम सहनशीलता से प्रभावित होती है। लेकिन सिद्धांत सार्वभौमिक है। वितरण योजना के बिना संचय अधूरा है। एसआईपी से एसडब्लूपी तक सुचारु संक्रमण आवश्यक है। सही तरीके से किया जाए तो यह साझेदारी चक्रवृद्धि की शक्ति को जारी रखते हुए आपको नियमित आय भी देती रहती है।

संक्रमण की योजना भी हो

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेश के तुरंत बाद एसडब्लूपी शुरू नहीं करना चाहिए। निकासी शुरू होने से पहले पोर्टफोलियो को बढ़ने का समय चाहिए। बहुत जल्दी शुरुआत करने से यदि बाजार अस्थिर हो जाए, तो मूलधन पर असर पड़ सकता है। कर दक्षता भी इसका एक बड़ा लाभ है। प्रत्येक एसडब्लूपी किस्त में मूलधन और पूंजीगत लाभ दोनों शामिल होते हैं, लेकिन कर केवल लाभ वाले हिस्से पर लगता है। कम से कम एक वर्ष तक निकासी टालने से इक्विटी निवेश दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर के दायरे में आ जाता है, जिसमें सालाना 1.25 लाख रुपये तक के लाभ पर छूट मिलती है। अनिवार्य लक्ष्यों के लिए आदर्श रूप से लक्ष्य तिथि से 2-3 वर्ष पहले एसडब्लूपी शुरू कर देना चाहिए। भले ही कॉर्पस थोड़ा कम हो। अंतिम वर्ष तक इंतजार करने से जोखिम बढ़ जाता है। चरणबद्ध निकासी परिणामों को संतुलित बनाती है।

कितनी निकासी सुरक्षित है?

दीर्घकालिक स्थितियों जैसे सेवानिवृत्ति में निकासी दर यह तय करती है कि बचत 20-30 वर्षों तक चलेगी या समय से पहले खत्म हो जाएगी। जोखिम केवल बाजार की अस्थिरता नहीं, बल्कि सीक्वेंस-ऑफ-रिटर्न्स का भी होता है। यदि शुरुआती वर्षों में खराब रिटर्न के दौरान निकासी होती है तो कॉर्पस तेजी से घट सकता है। एसआईपी के विपरीत, जहां गिरते बाजार में अधिक यूनिट जमा होती हैं, एसडब्लूपी में गिरावट के दौरान समान नकदी प्रवाह के लिए अधिक यूनिट बेचनी पड़ती हैं। इसलिए निकासी दर संतुलित और सावधानीपूर्ण होनी चाहिए। आदर्श रूप से निकासी दर पोर्टफोलियो के दीर्घकालिक संभावित रिटर्न से कम होनी चाहिए। एक सामान्य नियम यह है कि निकासी वास्तविक रिटर्न यानी मुद्रास्फीति समायोजित रिटर्न के आधार पर तय हो। यदि अपेक्षित रिटर्न 10% और मुद्रास्फीति 5% है, तो निकासी 5% से अधिक नहीं होनी चाहिए। स्थिरता बनाए रखने के लिए निकासी दर अपेक्षित रिटर्न से 2-3 प्रतिशत अंक कम रखनी चाहिए। वैश्विक शोध अक्सर 3.5-4% को एक टिकाऊ दर मानता है, लेकिन इसकी उपयुक्तता एसेट आवंटन, जीवन प्रत्याशा और जीवनशैली की जरूरतों पर निर्भर करती है। प्रदर्शन के आधार पर समायोजित होने वाली डायनेमिक निकासी रणनीतियां भी मजबूती बढ़ा सकती हैं।

फंड तैयार करने की जल्दबाजी छोड़िए, एसआईपी को समय दें

बिजनेस डेस्क। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) आज म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे लोकप्रिय तरीका बन चुका है। छोटे-छोटे मासिक निवेश के जरिए बड़ा फंड तैयार करने का यह अनुशासित माध्यम है। लेकिन एक सवाल लगभग हर निवेशक के मन में आता है। एसआईपी में रिटर्न असली रफ्तार कब पकड़ता है? कई निवेशक 1-2 साल में शानदार मुनाफे की उम्मीद करते हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो वे एसआईपी बंद भी कर देते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि एसआईपी का असली फायदा समय के साथ खुलकर सामने आता है।

शॉर्ट टर्म में क्यों निराश कर सकता है एसआईपी?

अगर आप 1 से 3 साल की अवधि में एसआईपी का प्रदर्शन देखें, तो तस्वीर उतनी आकर्षक नहीं दिखती। ऐतिहासिक आंकड़ों के आधार पर निफ्टी 50 पर आधारित एसआईपी के रिटर्न का विश्लेषण बताता है कि छोटे समय में रिटर्न कई बार फ्लैट या निगेटिव भी रहा है।

कुछ अवधियों में

1. साल का एक्सआईआरआर रिटर्न -60% से ज्यादा तक गिरा
2. साल में -40% के आसपास
3. साल में -20% से ज्यादा गिरावट

शुरुआती रिटर्न कमजोर

यह सुनकर घबराहट होना स्वाभाविक है। लेकिन इसका कारण समझना जरूरी है। शेयर बाजार साइकिल में चलता है कभी तेजी, कभी गिरावट। यदि आपने एसआईपी की शुरुआत बाजार के ऊपरी स्तर पर की और उसके बाद गिरावट आई, तो शुरुआती रिटर्न कमजोर दिख सकते हैं। इसे ही टाइमिंग रिस्क कहते हैं। शॉर्ट टर्म में बाजार की दिशा आपके निवेश अनुभव को प्रभावित करती है।

5 साल के बाद बदलती है तस्वीर

- जैसे-जैसे निवेश की अवधि 5 साल के आसपास पहुंचती है, उतार-चढ़ाव का असर कम होने लगता है।
- 5 साल के अधिकांश रोलिंग पीरियड में एसआईपी का रिटर्न 5% से 10% के बीच रहा है। लंबी अवधि में रिकवरी का मौका मिलता है।

दो चीजें काम करती हैं

- रुपया लागत औसत : बाजार गिरने पर आपकी तय राशि से ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं।
- कंपाउंडिंग : शुरुआती निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आगे रिटर्न कमाता है।
- शुरुआती सालों की कमजोरी संतुलित होने लगती है और निवेश स्थिरता दिखाने लगता है।

7 साल के बाद बढ़ती है रफ्तार

- इतिहास बताता है कि 7 साल या उससे अधिक की अवधि में एसआईपी पर निगेटिव रिटर्न की संभावना लगभग खत्म हो जाती है। डबल डिजिट रिटर्न सामान्य हो जाते हैं। यहां सबसे बड़ा बदलाव बाजार में नहीं, बल्कि निवेशक के अनुभव में आता है। बाजार गिरता है, तो आपके पास रिकवरी का पर्याप्त समय होता है। तेजी आने पर आप उस पूरी रैली का हिस्सा बनते हैं। कंपाउंडिंग का प्रभाव स्पष्ट दिखने लगता है।

ऐसे समझें

उदाहरण के तौर पर, अगर कोई निवेशक हर महीने 10,000 रुपये एसआईपी करता है और औसतन 12% रिटर्न मिलता है, तो 3 साल में कुल निवेश 3.6 लाख पर फंड लगभग 4–4.5 लाख के आसपास हो सकता है। 10 साल में कुल निवेश 12 लाख पर फंड 23–24 लाख से ज्यादा हो सकता है। यही है कंपाउंडिंग की असली ताकत।

कब शुरू करें और कितना समय दें

- जितनी जल्दी शुरू करेंगे, उतना बेहतर।
- कम से कम 7–10 साल का नजरिया रखें।
- बाजार गिरने पर बंद न करें, जारी रखें।
- लक्ष्य आधारित निवेश करें।

असली रफ्तार कहां से

- पहले 2–3 सालः उतार-चढ़ाव
- 5 सालः स्थिरता
- 7 साल+: कंपाउंडिंग का प्रभाव
- 10 साल+: वास्तविक वेल्थ क्रिएशन

धैर्य ही असली रणनीति

एसआईपी कोई जादूई फार्मूला नहीं, बल्कि अनुशासित निवेश की प्रक्रिया है। छोटे समय में परिणाम आकर्षक न दिखें, लेकिन लंबी अवधि में यह प्रभावशाली बन जाता है। अगर आप बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन करने का धैर्य रखते हैं और निवेश को 7–10 साल का समय देते हैं, तो एसआईपी मजबूत संपत्ति निर्माण करेगी।

क्या एसआईपी सच में बना सकती है अमीर?

नौकरीपेशा लोगों के लिए छोटी बचत को निवेश में बदलना व्यावहारिक तरीका

अनुशासन लंबे समय में संपत्ति निर्माण की रखता है नींव

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में हर कमाने वाला व्यक्ति चाहता है कि उसकी आय सिर्फ खर्च तक सीमित न रहे, बल्कि भविष्य में बड़ी पूंजी में बदले। नौकरीपेशा लोगों के लिए हर महीने छोटी-छोटी बचत को निवेश में बदलना सबसे व्यावहारिक तरीका है। इसी संदर्भ में एसआईपी सबसे ज्यादा चर्चा में रहता है। लेकिन सवाल यह है क्या एसआईपी वास्तव में आपको अमीर बना सकती है? सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि एसआईपी कोई निवेश उत्पाद (प्रोडक्ट) नहीं, बल्कि निवेश करने का तरीका है। असल निवेश म्यूचुअल फंड में होता है और एसआईपी उस फंड में नियमित अंतराल पर तय रकम लगाने की प्रणाली है। यानी आप हर महीने एक निश्चित राशि निवेश करते हैं, चाहे बाजार ऊपर हो या नीचे। यही अनुशासन लंबे समय में संपत्ति निर्माण की नींव रखता है। अमीर बनने की संभावना इस बात पर निर्भर करती है कि आप कितने समय तक निवेश करते हैं और कितनी निरंतरता बनाए रखते हैं। शेयर बाजार से जुड़े फंड्स में ऐतिहासिक रूप से लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देखने को मिले हैं, लेकिन अल्पकाल में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है। जो निवेशक 8–10 साल या उससे अधिक का धैर्य रखते हैं, उन्हें चक्रवृद्धि का वास्तविक लाभ मिलता है। छोटी रकम भी समय के साथ बड़ी पूंजी में बदल सकती है। बशर्ते निवेश नियमित और दीर्घकालिक हो।

जल्दी अमीर बनने का शॉर्टकट नहीं

हालांकि, यह समझना भी जरूरी है कि एसआईपी "जल्दी अमीर बनने" का शॉर्टकट नहीं है। बाजार में गिरावट आएगी, रिटर्न कभी ज्यादा तो कभी कम होंगे। जो लोग कुछ महीनों में चमत्कार की उम्मीद करते हैं, वे अक्सर निराश होते हैं। असली ताकत अनुशासन और समय में छिपी है, न कि तात्कालिक मुनाफे में। जोखिम, रणनीति और समझदारी का संतुलन एसआईपी बाजार से जुड़ा निवेश है, इसलिए इसमें जोखिम भी शामिल है। यह फिक्स्ड डिपॉजिट या पीपीएफ की तरह पूरी तरह सुरक्षित विकल्प नहीं है। सही फंड का चयन, अपने जोखिम स्तर की पहचान और निवेश लक्ष्य की स्पष्टता बेहद जरूरी है। यदि आपका लक्ष्य 10-15 साल दूर है जैसे रिटायरमेंट या बच्चों की पढ़ाई तो इक्विटी आधारित फंड उपयुक्त हो सकते हैं, लेकिन कम अवधि के लक्ष्य के लिए संतुलित या डेट फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

बाजार गिरने पर घबराएं नहीं

बाजार गिरने पर घबराहट में एसआईपी रोक देना सबसे बड़ी गलती मानी जाती है। दरअसल, गिरावट के समय कम कीमत पर अधिक यूनिट मिलती हैं, जो बाजार सुधरने पर बेहतर रिटर्न दे सकती हैं। यही "रूपीकॉस्ट एवरेजिंग" का फायदा है। इसलिए समझदारी यही है कि उतार-चढ़ाव को निवेश यात्रा का हिस्सा मानें। एक और आम गलती है बहुत सारे फंड में निवेश कर देना। अलग-अलग सलाह के चक्कर में पोर्टफोलियो इतना जटिल हो जाता है कि निगरानी मुश्किल हो जाती है। बेहतर है कि अपने लक्ष्य के अनुसार सीमित और संतुलित फंड चुनें। गुणवत्ता पर ध्यान दें, संख्या पर नहीं। एसआईपी की एक बड़ी खूबी लचीलापन भी है। आपकी आय बढ़े तो निवेश राशि बढ़ा सकते हैं, जरूरत पड़े तो घटा या रोक भी सकते हैं। यह कोई कठोर अनुबंध नहीं है। लेकिन बार-बार बदलाव से बचना चाहिए; रणनीति सोच-समझकर तय करें।

यह जानना जरूरी

एसआईपी आपको रातोंरात अमीर नहीं बनाएगी, लेकिन समय, अनुशासन और सही रणनीति के साथ यह मजबूत संपत्ति निर्माण का प्रभावी साधन बन सकती है। समझदारी से किया गया निवेश, धैर्य और लक्ष्य-आधारित योजना यही वह सूत्र है जो सामान्य आय वाले व्यक्ति को भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना सकता है। अमीरी केवल बड़ी कमाई से नहीं, बल्कि सही निवेश आदतों से भी आती है।

ऑनलाइन शॉपिंग के दौर में यह सबसे लुभावना मौका

सस्ती किस्तों का जाल : क्या सच में 'नो कॉस्ट' है ईएमआई

ईएमआई में नहीं दिखता ब्याज, लेकिन कीमत बदल जाती है

जानकारी

बिजनेस डेस्क

ऑनलाइन शॉपिंग के दौर में एक लाइन सबसे ज्यादा लुभाती है वो है 'नो कॉस्ट' ईएमआई। छोटी-छोटी किस्तें देखकर खरीदारी का फैसला आसान लगने लगता है। दिमाग कहता है "इतनी सी ईएमआई है, अभी ले लेते हैं।" लेकिन निवेश और व्यक्तिगत वित्त के नजरिए से देखें तो 'नो कॉस्ट' ईएमआई उतनी सरल नहीं, जितनी दिखाई देती है। अब सवाल यह है कि क्या वाकई इसमें कोई लागत नहीं होती? या फिर लागत सिर्फ नजर नहीं आती?

'नो कॉस्ट' ईएमआई होती क्या है?

सरल शब्दों में, 'नो कॉस्ट' ईएमआई का मतलब है कि आप किसी प्रोडक्ट की कीमत किस्तों में चुकाते हैं और आपको अलग से ब्याज नहीं देना पड़ता। यानी कुल ईएमआई जोड़ने पर रकम उतनी ही होगी जितनी प्रोडक्ट की कीमत। लेकिन बैंक या फाइनेंस कंपनी बिना कमाई के पैसा उधार नहीं देती। तो फिर ब्याज कौन दे रहा है? यहीं से असली खेल शुरू होता है।

बैंक की कमाई कैसे होती है?

जब आप ईएमआई चुनते हैं, तो आमतौर पर प्रोडक्ट पर मिलने वाला सीधा डिस्काउंट कम कर दिया जाता है। उसी घटे हुए डिस्काउंट से बैंक का ब्याज एडजस्ट कर दिया जाता है। मतलब ये कि कागजों में आपको "ब्याज नहीं" दिखता है। लेकिन आपको मिलने वाला फायदा पहले ही कम कर दिया जाता है। बैंक को उसका हिस्सा मिल जाता है, और ग्राहक को लगता है कि वह बिना अतिरिक्त खर्च के सुविधा ले रहा है।

एक उदाहरण से समझिए

- मान लीजिए आप 60,000 रुपये का स्मार्टफोन खरीदना चाहते हैं।
- फुल पेमेंट पर ऑफरः 5,000 रुपये का सीधा डिस्काउंट
- अंतिम कीमतः 55,000 रुपये
- अब आप नो कॉस्ट ईएमआई चुनते हैं डिस्काउंट घटकर 2,500 रुपये रह जाता है
- नई कीमतः 57,500 रुपये
- आपने शुरुआत में ही 2,500 रुपये ज्यादा दे दिए।
- अगर इसमें 499 प्रोसेसिंग फीस और उस पर 18% जीएसटी जोड़ दें, तो कुल खर्च लगभग 58,000 रुपये से ऊपर पहुंच सकता है।
- दिखने में ईएमआई आसान थी, लेकिन कुल भुगतान बढ़ चुका है।

सबसे बड़ा भ्रम हैः ईएमआई

- सुविधा=सस्ता सौदा
- असल में ईएमआई सिर्फ भुगतान को छोटे हिस्सों में बांटती है। खर्च कम नहीं करती।
- छोटी ईएमआई दिमाग पर दबाव कम डालती है। एकमुश्त 55,000 देने से ज्यादा आसान लगता है 4,800 रुपये की मासिक किस्त देना। लेकिन कुल रकम का हिसाब अक्सर नजरअंदाज हो जाता है।
- यह मनोवैज्ञानिक प्रभाव है—छोटे नंबर कम डराते हैं।
- छिपे हुए चार्ज जिन पर कम ध्यान जाता है

ये अतिरिक्त खर्च संभव

- प्रोसेसिंग फीस : 199 से 999 रुपये या उससे अधिक
- जीएसटी : प्रोसेसिंग फीस या ब्याज वाले हिस्से पर 18%
- ईएमआई कन्वर्जन चार्ज

- लेट पेमेंट पेनल्टी (यदि किस्त समय पर न भरी जाए)
- ये सभी बातें अक्सर शर्तों में छिपी होती हैं, प्रोडक्ट पेज पर बड़े अक्षरों में नहीं लिखी होतीं।
- तुलनाः फुल पेमेंट बनाम नो कॉस्ट ईएमआई
- भुगतान तरीका दिखने वाली कीमत संभावित असली खर्च
- फुल पेमेंट 55,000 55,000
- नो कॉस्ट ईएमआई 57,500 58,000+

यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन महंगे इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर या एसी जैसे उत्पादों में यह हजारों रुपये तक पहुंच सकता है।

कब नो कॉस्ट ईएमआई सही विकल्प

हर बार नो कॉस्ट ईएमआई गलत नहीं होती। कुछ परिस्थितियों में यह उपयोगी हो सकती है। आपके पास पूरी रकम उपलब्ध नहीं है। ईएमआई लेने से डिस्काउंट कम नहीं हो रहा। प्रोसेसिंग फीस शून्य है। आप कैश फ्लो मैनेजमेंट के लिए भुगतान फैलाना चाहते हैं। अगर इन शर्तों में से अधिकतर पूरी होती हैं, तो ईएमआई एक व्यावहारिक विकल्प हो सकता है।

निवेश के नजरिए से

व्यक्तिगत वित्त का एक मूल सिद्धांत है खर्च से पहले गणित करें। यदि आपके पास पर्याप्त बचत है और आप फुल पेमेंट कर सकते हैं, तो अक्सर वह सस्ता विकल्प होता है। ईएमआई चुनने से पहले यह सोचें।

सोचें क्या यह जरूरत है

- क्या ईएमआई के कारण मैं अतिरिक्त खर्च कर रहा हूं?
- क्या मैं कई ईएमआई का बोझ एक साथ उठा रहा हूं?
- कई बार लोग एक साथ 3-4 ईएमआई ले लेते हैं। छोटी-छोटी किस्तें मिलकर बड़ी मासिक देनदारी बन जाती हैं।

मार्केटिंग बनाम समझदारी

आज का ई-कॉमर्स माहौल भावनात्मक फैसले लेने को प्रेरित करता है। अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें। लेकिन समझदार खरीदार पहले कैलकुलेशन करता है, फिर निर्णय लेता है। नो कॉस्ट ईएमआई धोखा नहीं है, लेकिन अधूरी जानकारी नुकसान में बदल सकती है। नो कॉस्ट ईएमआई सुविधा देती है, लेकिन हर सुविधा की एक कीमत होती है चाहे वह सीधी दिखे या छिपी हुई हो। इसलिए पहले पूरा गणित समझें, कुल भुगतान जोड़ें, और फिर फैसला लें। क्योंकि समझदारी से किया गया खर्च ही असली बचत है।

टी-20 क्रिकेट : भारत ने दी ऑस्ट्रेलिया को 17 रन से शिकस्त

10 साल बाद भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया में जीती सीरीज, स्मृति रहीं प्लेयर ऑफ द मैच

एजेंसी ▶▶ एडीलेड

भारत ने उप कप्तान स्मृति मंधाना (82 रन) और करिश्माई बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स (59 रन) के बीच शतकीय साझेदारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शनिवार को निर्णायक तीसरे और आखिरी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 17 रन से शिकस्त देकर इस मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक दशक में पहली द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला अपने नाम की। स्मृति को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मंधाना (55 गेंद में आठ चौके और तीन छक्के) और रोड्रिग्स (46 गेंद में चार चौके) ने मिलकर 121 रन की साझेदारी निभाकर भारत को 6 विकेट पर 176 रन के बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी की, जिसमें युवा स्पिनर श्रेयंका पाटिल (22 रन देकर तीन विकेट) और तेज गेंदबाजी की अगुआई करने वाली रेणुका सिंह (29 रन देकर एक विकेट) ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को झकझोरते हुए स्कोर तीन विकेट पर 32 रन कर दिया। इन शुरुआती झटकों ने भारत के दबदबे भरे प्रदर्शन की शुरुआत की और अंत में उसने मेजबान टीम को 20 आवेर में 9 विकेट पर 159 रन पर रोककर टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 2-1 से यादगार जीत दर्ज की। इस तरह भारत ने 2016 के बाद ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीती। बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी (32 रन देकर 3 विकेट) ने भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाते हुए तीन विकेट प्राप्त किए।

स्मृति और जेमिमा के बीच शतकीय साझेदारी

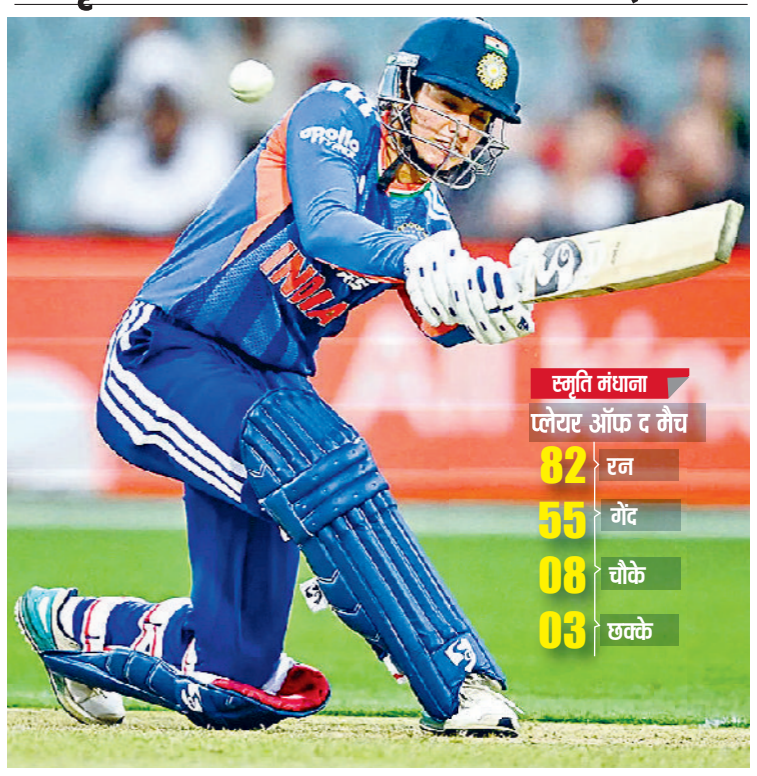

मंधाना ने खेली शानदार पारी

मंधाना 55 गेंदों में 3 छक्कों और 8 चौकों के साथ 82 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि जेमिमा रोड्रिगेज ने 46 गेंदों में 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। ऋचा घोष ने 18 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से एनाबेल सदरलैंड ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले। किम गार्थ और सोफी मोलिन्यूक्स ने 1-1 विकेट हासिल किया। मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया अपना ही छह साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले उन्होंने 2020 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 37 गेंदों में 66 रन बनाए थे। अब 82 रन बनाकर उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर किसी भारतीय महिला बल्लेबाज का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर दर्ज किया।

टी-20 में जेमिमा के 2500 रन पूरे

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिगेज ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध एडिलेड ओवल में खेले जा रहे तीसरे टी20 मैच में अर्धशतकीय पारी के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2,500 रन पूरे कर लिए हैं। जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध सीरीज के अंतिम मुकाबले में 46 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। अपना 118वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलते हुए जेमिमा ने भारत की पारी के पांचवें ओवर में किम गार्थ की गेंद पर चौका लगाकर इस आंकड़े को पार किया। इसी के साथ रोड्रिगेज कप्तान कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के बाद महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली चौथी भारतीय महिला बनीं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम 159 रन पर सिमटी

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 9 विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी। मेजबान टीम को 19 के स्कोर पर जॉर्जिया वोल (10) के रूप में झटका लगा, जिसके बाद इस टीम ने 63 के स्कोर तक 4 विकेट खो दिए। यहां से फोएबे लिचफील्ड (26) ने एशले गार्डनर के साथ चौथे विकेट के लिए 31 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 98 के स्कोर तक पहुंचाया, जिसके बाद गार्डनर ने जॉर्जिया वेयरहम (12) के साथ 35 रन, जबकि एनाबेल सदरलैंड (14) के साथ 30 रन जुटाते हुए टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन ये प्रयास नाकाफी रहे। एशले गार्डनर 45 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 57 रन बनाकर आउट हुईं।

एलिस पेरी ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज खिलाड़ी एलिस पेरी ने इतिहास रच दिया है। भारत के खिलाफ तीसरे टी20 में उतरने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के लिए 350 मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। 2007 से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का हिस्सा, पेरी से ज्यादा मैच सिर्फ दो महिला क्रिकेटरों ने खेले हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 357 और सूजी बेट्स ने 355 मैच खेले हैं। पेरी ने कहा, मेरे सामने कोई खास लैंडमार्क नहीं हैं। मैं बस यह अनुभव करना चाहती हूं कि यह टीम क्या कर रही है और जब तक मैं इसमें योगदान दे रही हूं और इसमें संतुष्टि पाती हूं, तब तक मैं यहां रहना पसंद करूंगी।

यह जीत काफी मायने रखती है : हरमनप्रीत

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा,' यह जीत काफी मायने रखती है । यह टीम प्रयास का नतीजा है । यह देखकर अच्छा लगा कि हर कोई योगदान दे रहा है। हर साझेदारी अहम है। गेंदबाजों को भी अपना काम बखूबी पता था कि विकेट लेने पर ही मैच जीतेंगे और उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया।'

गलत समय पर गंवाए अहम विकेट: सोफी

आस्ट्रेलिया की कप्तानी सोफी मोलिनू ने कहा,' यह अच्छी विकेट थी लेकिन हमने गलत समय पर अहम विकेट गंवा दिए। हम एलिसे पैरी को उसके 350वें मैच में जीत का तोहफा नहीं दे सके, जिसका दुख है।'

जेमिमा से लय हासिल करने में मिली मदद

एडीलेड। भारत की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि जेमिमा रौड्रिग्स के साहसी रवैये से उन्हें धीमी शुरुआत के बाद लय हासिल करने में मदद मिली। मंधाना ने कहा,' जब वह आई तब मैं 16 गेंद पर 15 रन बनाकर खेल रही थी। उसने आकर तीन चार चौके लगाए और मुझे लय हासिल करने के लिए समय मिल गया।' उन्होंने कहा,' ये छोटी छोटी चीजें हैं जिन पर ध्यान नहीं जाता लेकिन मुझे लगता कि उसके आकर दो तीन चौके लगाने से मुझे लय हासिल करने में मदद मिली। लिहाजा इसका श्रेय उसे जाता है।' उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को हराना बड़ी उपलब्ध है लेकिन टीम की नजरें अब ब्रिसबेन में मंगलवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला पर है। मंधाना ने कहा,'श्रृंखला जीतने में योगदान देना अच्छा रहा। आस्ट्रेलिया को आस्ट्रेलिया में हराना खास है।

खबर संक्षेप

संन्यास के 9 साल बाद रिंग में उतरेंगे दिग्गज मेवेदर

लॉस एंजिल्स। दिग्गज मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर ने कहा है कि वह नौ साल के अपने संन्यास को समाप्त करके इस साल गर्मियों में प्रतिस्पर्धी मुक्केबाजी में वापसी करेंगे। मेवेदर ने 2017 के बाद से कोई पेशेवर मुक्केबाजी मुकाबला नहीं लड़ा है। तब उन्होंने कॉनर मैकग्रेगर को हराया था। इस मुकाबले के बाद मेवेदर (50-0, 27 नॉकआउट) ने अपने करियर में तीसरी बार संन्यास की घोषणा की थी। पांच बार के पूर्व विश्व चैंपियन मेवेदर का रिंग में कोई सानी नहीं है।

हॉकी: भारत की वापसी की उम्मीदें टूटी, स्पेन से हारा

होबार्ट। भारतीय टीम की एफआईएच पुरुष प्रो लीग में वापसी की उम्मीदें शनिवार को स्पेन से मिली 0-2 की हार से टूट गईं। भारत अब रविवार को प्रो लीग के होबार्ट चरण के अपने दूसरे मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। भारतीय टीम की खराब फॉर्म जारी रही। स्पेन के लिए इग्नासियो अबाजो ने छठे मिनट और इग्नासियो कोबोस ने 36वें मिनट में गोल किए।

हमने अपने ग्रुप की टीमों को कम करके आंका: ब्रूक

पाल्लेकल। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने ग्रुप की कुछ टीमों को कम करके आंका और कहा कि उनकी टीम अब टी20 विश्व कप के सुपर आठ में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इंग्लैंड की टीम का ग्रुप चरण में प्रदर्शन अपेक्षित नहीं रहा तथा उसे एसोसिएट देशों के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए संघर्ष करना पड़ा जबकि वेस्टइंडीज ने उसे हराया था।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

जेनेसिस इनविटेशनल

भारतीय मूल के 3 गोल्फरों ने कट में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶ लॉस एंजिल्स

भारतीय मूल के तीन गोल्फर आरोन राय, अक्षय भाटिया और साहित थीगाला पीजीए टूर के सत्र के दूसरे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट जेनेसिस इनविटेशनल में कट हासिल करने में सफल रहे।

पहले दौर में 66 का स्कोर बनाकर शीर्ष 10 में जगह बनाने वाले राय ने दूसरे दौर में 70 का स्कोर किया और वह संयुक्त रूप से 12वें स्थान पर हैं। भाटिया (68-71) संयुक्त 21वें और थीगला (70-71) संयुक्त रूप से 33वें स्थान पर हैं। राय ने दूसरे दौर में चार बोगी की और पांच बर्डी लगाई।

भाटिया ने तीन बर्डी और तीन बोगी जबकि थीगला ने दो बोगी और तीन बर्डी की। मार्को पेंज और जैकब ब्रिजमैन ने रिवेरा कंट्री क्लब में सात अंडर 64 का स्कोर बनाया, जिससे वे रॉरी मैकलॉराय के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

कट में जगह बनाने में सफल रहे अहलावत और शर्मा

नैरोबी। भारत के वीर अहलावत ने तीन अंडर 67 और शुभंकर शर्मा ने पांच अंडर 65 का स्कोर बनाया, जिससे वे मैजिकल कीनिया ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में कट में जगह बनाने में सफल रहे। अहलावत ने पहले दो दौर में 67-67 का स्कोर बनाया और वह छह अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 28वें स्थान पर हैं। शर्मा ने दूसरे दौर में शानदार प्रदर्शन किया तथा छह बर्डी और एक बोगी करके पांच अंडर 65 का स्कोर बनाया। दो दिनों के बाद उनका कुल स्कोर चार अंडर पर है और वह संयुक्त 55वें स्थान पर हैं। भारत के एक अन्य गोल्फर युवराज संधू 69-71 के स्कोर के साथ कट से चूक गए। फ्रेडरिक लैक्रॉइक्स ने दूसरे दौर में 62 का स्कोर बनाकर केसी जार्विस के साथ बढ़त साझा की। इन दोनों का कुल स्कोर 13 अंडर पार है।

सुपर-8 : रणनीति में बदलाव के बाद सूर्या और तिलक पर दारोमदार

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया की भिड़ंत आज शाम 7 बजे से

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

ग्रुप चरण में अपने चारों मैच जीतकर खिताब बचाने की अपनी दावेदारी को मजबूत करने वाली भारतीय टीम को टी20 विश्व कप के सुपर आठ में रविवार को दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा, जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की बड़े शॉट खेलने के बजाय स्थिर बल्लेबाजी करने की बदली हुई रणनीति की परीक्षा होगी।

दक्षिण अफ्रीका की टीम के पास कागिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन, केशव महाराज और एडन मार्क्रम के रूप में मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है, जो मौजूदा चैंपियन भारत की कड़ी परीक्षा लेने के लिए तैयार है। दोनों टीमें पिछले दो महीनों में छठी बार एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी और यह देखना बाकी है कि रविवार को कौन सी टीम परिस्थितियों का बेहतर फायदा उठाएगी।

भारत को बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत

भारतीय टीम को ग्रुप चरण में खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा लेकिन वह इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि उसकी बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन (दो अर्धशतक और 202 का स्ट्राइक रेट) को छोड़कर शीर्ष चार में शामिल अन्य तीन बल्लेबाजों ने अभी तक कोई खास कमाल नहीं दिखाया है। अभिषेक शर्मा लगातार तीन मैच में शून्य पर आउट हो चुके हैं और उन्हें टूर्नामेंट में अपने पहले रन का इंतजार है। सूर्यकुमार और तिलक ने हालांकि सूत्रधार की भूमिका निभाई है लेकिन इन दोनों ने ऐसी पिचों पर सहज प्रदर्शन नहीं किया है, जहां गेंद रुककर आ रही हो। भारत रन बनाने के लिए हार्दिक पंड्या (स्ट्राइक रेट 155) और शिवम दुबे (स्ट्राइक रेट 178) पर भी काफी हद तक निर्भर रहा है।

न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच सुपर आठ मैच बारिश के कारण रद्द

पाल्लेकल। न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच टी-20 विश्व कप सुपर आठ ग्रुप दो का मैच शनिवार को बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बगैर रद्द कर दिया गया। इससे दोनों टीमों को एक एक अंक बांटना पड़ा। हल्की बूंदाबांदी के बीच पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया था। लेकिन अचानक तेज बारिश होने लगी जिससे मैच रद्द करने का फैसला लेना पड़ा। पाकिस्तान ने टीम में ख्वाजा नफे की जगह फखर जमां को शामिल किया था। वहीं न्यूजीलैंड टीम में तीन बदलाव किये गए थे। कप्तान मिचेल सेंटनेर पेट के संक्रमण से उबरकर टीम में लौटे जबकि लॉकी फर्ग्यूसन और ईश सोढी को भी अंतिम एकादश में शामिल किया गया। अब पाकिस्तान को 24 फरवरी को इंग्लैंड से खेलना है। न्यूजीलैंड टीम 25 फरवरी को श्रीलंका से खेलेगी। मैच रद्द होने से न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के लिये राह कठिन हो सकती है जिन्हें सुपर आठ में दो दो मैच और खेलने हैं। श्रीलंका के मौसम को देखते हुए अगर आगे कोई मैच रद्द होता है या हार का सामना करना पड़ता है तो सेमीफाइनल के रास्ते बंद हो सकते हैं।

इंडियन ओपन रेस वॉक : बाबू और मंजू ने जीते स्वर्ण पदक

चंडीगढ़। उत्तर प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय एथलीट राम बाबू और पंजाब की मंजू ने इंडियन ओपन रेस वॉक (पैदल चाल) प्रतियोगिता के पहले दिन क्रमशः पुरुष और महिला फुल मैराथन में स्वर्ण पदक जीते। इस प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) कर रहा है, जिसमें 26 वर्षीय बाबू ने 42 किलोमीटर की फुल मैराथन वॉक स्पर्धा में 3 घंटे, नौ मिनट और 17 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता बाबू ने हरियाणा के संदीप कुमार को पीछे छोड़ा। ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता संदीप ने तीन घंटे, 11 मिनट और 18 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। बाबू ने कहा कि वह यहां पहला स्थान हासिल करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार थे। उन्होंने कहा, 'तैयारी अच्छी थी और मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं। मेरा लक्ष्य जापान में होने वाले एशियाई खेलों में पदक जीतना है। मैं आगे अपने प्रदर्शन में और सुधार करने की कोशिश करूंगा।' मंजू ने पैदल चाल कि अनुभवी एथलीट उत्तर प्रदेश की ओलंपियन प्रियंका गोस्वामी सहित कुछ मजबूत प्रतियोगियों को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया।

40 की उम्र में रचाई दूसरी शादी

शिखर धवन ने थामा सोफी शाइन का हाथ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व स्टार बल्लेबाज शिखर धवन ने दूसरी शादी कर ली है। सोफी शाइन के साथ एक साल से ज्यादा समय से रिलेशनशिप में थे। अब दोनों ने शादी कर ली है। निजी कार्यक्रम में 21 फरवरी को धवन और सोफी एक-दूजे के हो गए। टीम इंडिया से बाहर चल रहे लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शादी की फोटो शेयर की। शिखर धवन और सोफी शाइन की शादी का कार्यक्रम कई दिनों से चल रहा था। सोफी और धवन लगातार सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर कर रही थीं। उन्होंने संगीत के साथ ही हल्दी सेरेमनी की फोटोज डाली।

चैंपियंस ट्रॉफी में दिखे थे धवन और सोफी

शिखर धवन और सोफी को पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान दुबई में एक साथ मैच देखते देखा गया था। मई में उन्होंने अपने रिलेशन की आधिकारिक घोषणा कर दी थी। दोनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और एक दूसरे के साथ फोटोज शेयर करते रहते हैं। पिछले महीने 12 जनवरी को दोनों ने सगाई की थी। युजवेंद्र चहल ने शादी की कई फोटोज शेयर कीं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा- मेरे यार की शादी है।

न्यू बंगाईगॉव पर बीजी कोचों का परिवर्तन

निविदा सं. M-249-RSP-2025-26-16B दिनांकः **19-02-2026**। नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदा आमंत्रित किया गया है: **कार्य का नामः** पू.सी. रेलवे के न्यू बंगाईगॉव स्थित सीएंडडब्ल्यू वर्कशॉप के 10 संख्यक कोचों के लिए एआरटी/एआरएमई (स्टॉफ वेन) तक बीजी कोचों का परिवर्तन। **निविदा राशिः** ₹1,50,80,051.20/-। **धरोहर राशिः** ₹2,25,400/-। **ई-निविदा बंद होगीः 12-03-2026 को 15:00 बजे में**। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा प्रपत्रों के साथ विस्तृत विवरण **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

सीडब्ल्यूएम, कैरियेज एंड वागन वर्कशॉप, न्यू बंगाईगॉव
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
मुस्कान के साथ ग्राहकों की सेवा में

1-15 मार्च तक होने वाले टूर्नामेंट में विलियम्स एकल और डबल्स में लेंगी हिस्सा

45 की वीनस फिर कोर्ट पर, इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी और 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को इस साल के इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने वीनस को वाइल्ड कार्ड एंट्री दिए जाने की पुष्टि की है। 1-15 मार्च तक दक्षिणी कैलिफोर्निया में होने वाले इस टूर्नामेंट में वीनस विलियम्स एकल और डबल्स दोनों श्रेणियों में हिस्सा लेंगी।

कैलिफोर्निया में अपने घर लौटना बहुत अच्छा

वाइल्ड कार्ड एंट्री मिलने से उत्साहित वीनस विलियम्स ने कहा, "इंडियन वेल्स वापस जाना और कैलिफोर्निया में अपने घर लौटना बहुत अच्छा है। जबरदस्त फैंस के सामने खेलने जैसा कुछ नहीं है। मैंने इतने सालों में यहां बहुत सारी यादें बनाई हैं। मैं आयोजकों की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे वापस बुलाया।" पूर्व वर्ल्ड नंबर वन और चार बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट विलियम्स ने पहले भी इंडियन वेल्स में काफी सफलता हासिल की है। वह तीन बार सेमीफाइनल तक पहुंची हैं। आखिरी बार 2024 में वाइल्ड कार्ड एंट्री के माध्यम से ही उन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी मिली थी वाइल्ड कार्ड एंट्री

45 साल की विलियम्स ने 2026 का कैंपेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से शुरू किया था। उन्हें वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी। हालांकि, वह पहले दौर से ही बाहर हो गई थीं, लेकिन ओपन एरा में ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड उन्होंने अपने नाम कर लिया। विलियम्स ने शुरुआती सेट में कड़ा मुकाबला जीता, लेकिन दूसरे सेट में डैनिलोविच ने बेसलाइन से वापसी की। सर्बियाई खिलाड़ी ने डिसाइडर में भी अपना नियंत्रण बनाए रखा, और अहम मौकों पर विलियम्स की सर्विस तोड़कर मैच अपने नाम कर लिया। हार के बावजूद, विलियम्स ने नौ एस और फर्स्ट-सर्व पॉइंट्स पर 71 प्रतिशत सफलता दर से सबको प्रभावित किया। हालांकि पांच डबल फॉल्ट महंगे साबित हुए। पिछले साल, वह पार्टनर लेयला फर्नांडीज के साथ यूएस ओपन डबल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंची थीं। इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वीनस के प्रदर्शन पर दुनियाभर के टेनिस फैंस की नजर रहेगी।

जनरल नरावणे की अप्रकाशित किताब पर जारी विवाद के बीच सरकारी सूत्रों ने दी यह जानकारी

पूर्व सेनाप्रमुखों के रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने पर नहीं कोई पाबंदी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

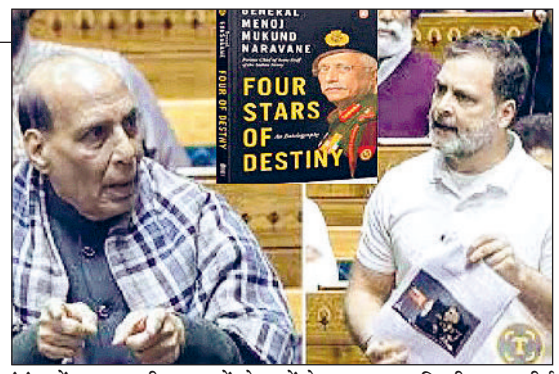

पूर्व सेनाप्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरावणे की अप्रकाशित किताब 'फोर स्टार ऑफ डेस्टिनी' को लेकर मचे राजनीतिक घमासान के बीच सरकारी सूत्रों ने शनिवार को बताया कि देश की तीनों सशस्त्र सेनाओं (सेना, वायुसेना और नौसेना-तटरक्षकबल) के प्रमुखों की सेवानिवृत्ति (रिटायरमेंट) के बाद उनके द्वारा कोई किताब लिखने पर 20 साल तक की कोई पाबंदी नहीं लगाई गई है। न ही सरकार की तरफ से ऐसा कोई प्रस्ताव लाया जा रहा है। इसके अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल की किसी बैठक में भी अभी तक इस संबंध में कोई चर्चा नहीं हुई है। दरअसल इस मामले के तूल पकड़ने की एक वजह हाल ही में मीडिया के एक घड़े में प्रकाशित की गई वह खबर रही है। जिसमें ये कहा गया था कि भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल नरावणे की किताब को लेकर विपक्ष खासकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद में सरकार पर जमकर निशाना साधा था। जिसके बाद अब केंद्र सरकार आगामी समय में सेनाओं के साथ-साथ किसी अन्य शीर्ष सरकारी अधिकारी की सेवानिवृत्ति के बाद उनके द्वारा कोई पुस्तक लिखने पर 20 वर्ष तक की रोक लगाने जा रही है। इस संबंध में जल्द ही एक आदेश जारी किया जा सकता है। खबरों में ये दावा भी किया गया था कि पूर्व में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की एक बैठक में भी इस विषय पर अनौपचारिक रूप से चर्चा की गई है।

रक्षा मंत्रालय ने नहीं दी प्रकाशन की मंजूरी

इस किताब को वर्ष 2024 में प्रकाशित किया जाना था। लेकिन उसके पूर्व में दिसंबर 2023 में मीडिया में प्रकाशित इसके कुछ अंशों जैसे अग्निवीर योजना को लेकर काफी बवाल हुआ था। जिसके बाद रक्षा मंत्रालय ने पेंगुइन और जनरल नरावणे को लिखित में कहा कि पुस्तक के प्रकाशन से पहले इसे सेना की मंजूरी के लिए भेजें। पुस्तक भेजी गई, सेना ने इसे जांचा और अपना मत मंत्रालय के पास अंतिम निर्णय लेने के लिए भेजा। रक्षा मंत्रालय ने अभी तक किताब को प्रकाशित करने की मंजूरी प्रदान नहीं की है।

लोकसभा में राहुल ने उठाया मुद्दा

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसी फरवरी महीने की शुरुआत में संसद के बजट सत्र के औपचारिक आगाज से पहले दिए गए महामहिम राष्ट्रपति के अभिभाषण और उसके बाद बजट पर हुई चर्चा के दौरान सदन में इस पुस्तक में दिए गए कुछ विवरण (मेमोयर) का हवाला देते हुए जैसे भारत-चीन के बीच वर्ष 2020 के मध्य में पूर्वी लद्दाख में हुए एलएसी विवाद के दौरान चीन के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर अपनाए गए सरकार के रुख पर गंभीर रूप से सवालिया निशान लगाने की कोशिश की थी। जिस पर कड़ा पलटवार करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि नेता प्रतिपक्ष को लोकसभा में कोई बात रखने से पहले तथ्यों के साथ यह जान लेना चाहिए कि जनरल नरावणे की जिस पुस्तक का वह सदन में जिक्र कर रहे हैं। वह अभी तक प्रकाशित ही नहीं हुई है। रक्षा मंत्रालय ने इसके प्रकाशन पर रोक लगाई है। ऐसे में किसी अप्रकाशित किताब का उल्लेख सदन में करना उचित नहीं है। इसके तुरंत बाद राहुल गांधी जनरल नरावणे की किताब की एक प्रति को लेकर संसद भवन परिसर में मीडिया के सामने आए और उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि उन्हें सत्ता पक्ष द्वारा मामले पर लोकसभा में अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया जा रहा है। जबकि ये पुस्तक सार्वजनिक रूप से मौजूद है।

दिल्ली पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

वहीं, संसद में मामला उठने के बाद दिल्ली पुलिस ने नेता प्रतिपक्ष और किताब के प्रकाशक पेंगुइन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस खासतौर पर किताब के डिजिटल और दूसरे फॉर्मेट में किताब के गैर-कानूनी सर्कुलेशन की जांच कर रही है। पुस्तक के प्रकाशक पेंगुइन ने मामले पर एक बयान जारी कर कह दिया है कि पुस्तक का जितना हिस्सा सर्कुलेशन में है। वह साफ तौर पर कॉपीराइट का उल्लंघन है। इसके तुरंत बाद जनरल नरावणे ने भी अपना पक्ष रखते हुए कहा कि पेंगुइन का जो बयान है। वह भी उसका समर्थन करते हैं। इस हिसाब से देखें तो यह किताब अभी तक न तो प्रकाशित हुई है और न ही ये आम-जनता के लिए उपलब्ध है। अपनी पुस्तक में पूर्व सेनाप्रमुख ने एलएसी विवाद, गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प और अग्निवीर योजना सहित कई अन्य रणनीतिक निर्णयों के बारे में भी उल्लेख किया है।

एलएसी विवादः सेनाप्रमुख थे नरावणे

जनरल नरावणे वर्ष 2019 से लेकर 2022 तक सेनाप्रमुख रहे। उनके कार्यकाल के दौरान ही अप्रैल 2020 में पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं के बीच एलएसी विवाद की शुरुआत हुई थी। इसके बाद जून महीने में गलवान घाटी में हुई खूनी हिंसक झड़प के बाद ये विवाद अपने चरम पर जा पहुंचा। भारत के 20 रणबांकुरे शहीद हुए। जबकि चीन के भी दो दर्जन से अधिक पीएलए सैनिक मारे गए थे। विवाद कुल करीब साढ़े चार साल से अधिक समय तक चला और अक्टूबर 2024 में ये पूरी तरह से खत्म हुआ है। जिसके पीछे दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों (प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग) के बीच रूस के कजान शहर में हुई द्विपक्षीय बैठक रही। फिलहाल दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में सुधार देखने को मिल रहा है। इस दिशा में कई कदम भी उठाए गए हैं। लेकिन भारतीय सेना का कहना है कि वह सीमा पर किसी भी आपातकालीन परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए आज भी पूरी मुस्तैदी से तैनात है।

खबर संक्षेप

पाक में आत्मघाती हमला दो सुरक्षाकर्मी मारे गए

पेशावर। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में

शनिवार को खुफिया जानकारी पर आधारित एक अभियान के दौरान हुए आत्मघाती हमले में दो सुरक्षाकर्मी मारे गए। सेना की मीडिया शाखा के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले में चलाए गए अभियान के दौरान फितना अल-ख्वारिज के पांच आतंकी भी मारे गए। बन्नू शहर में सुरक्षाबलों ने वाहन सवार आत्मघाती हमलावर को रोक लिया।

रोहित का पीएम को पत्र उड्डयन मंत्री को हटाएं

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में

मौत का मामला अब सियासी तूफान बन गया है। कई सवाल उठे हैं। एनसीपी-एसपी के विधायक रोहित पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू को पद से हटाने और पूरे मामले की स्वतंत्र जांच की मांग की है।

मुंबई-कोंकण के बीच रो-रो फेरी सितंबर से

मुंबई। गणेश चतुर्थी पर राज्य सरकार ने कोंकणवासियों के लिए

बड़ा तोहफा दिया है। मुंबई के भाऊचा धक्का (फेरी व्हार्फ) से रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग तक अब रो-रो (रोल-ऑन/रोल-ऑफ) फेरी सेवा शुरू होने जा रही है।

नेपाल में दो गुटों में झड़प के बाद कर्फ्यू

काठमांडू। दक्षिणी नेपाल में मधेस प्रांत के रौतहट जिले में दो गुटों के बीच हुई झड़पों के बाद तनाव

बढ़ने पर कुछ हिस्सों में शनिवार को कर्फ्यू लगा दिया गया। बृहस्पतिवार शाम को एक विवाद के बाद दो समुदायों के बीच झड़पें शुरू हुईं, जिसके बाद शुक्रवार और शनिवार सुबह तक जारी रही हिंसा में कम से कम आठ लोग घायल हो गए। मुख्य जिला अधिकारी दिनेश सागर भुसाल के अनुसार, शनिवार दोपहर एक बजे से जिला मुख्यालय गौर और अन्य हिस्सों में अगले आदेश तक कर्फ्यू लागू रहेगा। उन्होंने बताया कि यह निर्णय रौतहट जिला सुरक्षा समिति द्वारा लिया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के नए फैसले के बाद भारत को मिली एक बड़ी राहत

भारत से अमेरिका जाने वाले सामान पर टैरिफ 18% से घटाकर 10% किया

ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया स्मार्ट प्रधानमंत्री

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति के नए फैसले के बाद भारत के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। अब भारत से अमेरिका जाने वाले सामान पर लगने वाला टैरिफ घटाकर 10% कर दिया गया है, जो पहले 18% तय किया गया था। यह नया अस्थायी टैरिफ 24 फरवरी से लागू होगा और फिलहाल 150 दिनों तक प्रभावी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के उलट ट्रंप ने अमेरिकी कानून की धारा 122 का उपयोग करते हुए यह ऐलान किया। ट्रंप ने इसे 'अस्थायी आयात शुल्क' बताया है, जिसका मकसद अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय भुगतान संतुलन से जुड़ी समस्याओं को ठीक करना है। व्हाइट हाउस ने एक फैक्टशीट जारी कर बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रेड एक्ट 1974 की धारा 122 के तहत यह कदम उठाया है।

इसके जरिए राष्ट्रपति कुछ आधारभूत अंतरराष्ट्रीय भुगतान समस्याओं को दूर करने के लिए अस्थायी आयात शुल्क और विशेष प्रतिबंध लगा सकते हैं। बता दें कि अमेरिकी कानून धारा 122 के तहत दुनियाभर पर लगाए गए 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ 150 दिनों के बाद अपने आप समाप्त हो जाएंगे, जब तक कि कांग्रेस उन्हें बढ़ाने के लिए वोट न करे। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि राष्ट्रपति चाहें तो समय से पहले भुगतान संतुलन आपातकाल की घोषणा कर इन उपायों को दोबारा लागू कर सकते हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि इस टैरिफ की घोषणा के बाद कुछ जरूरी वस्तुओं पर यह शुल्क लागू नहीं होगा। इनमें कुछ महत्वपूर्ण खनिज और धातुएं, ऊर्जा और ऊर्जा उत्पाद, प्राकृतिक संसाधन और उर्वरक, कृषि उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स और संबंधित सामग्री और कुछ इलेक्ट्रॉनिक्स और यात्री वाहन शामिल है।

भारतीय निर्यातकों को मिलेगा लाभ

कुछ वस्तुओं पर यह शुल्क लागू नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

भारत के साथ 'ट्रेड डील' अब 'फेयर डील'

ट्रंप ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कहा कि पीएम मोदी हमारा फायदा उठा रहे थे। उन्होंने साफ कहा कि सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ पर फैसले के बावजूद भारत के साथ हुई ट्रेड डील में कोई बदलाव नहीं होगा। ट्रंप के मुताबिक, कुछ भी नहीं बदला है- भारत हमें टैरिफ देता रहेगा, जबकि अमेरिका भारत को कोई टैरिफ नहीं देगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि पहले व्यवस्था उलटी थी और भारत अमेरिका पर ज्यादा फायदा उठा रहा था, लेकिन उनकी सरकार ने समझौता पलटकर इसे 'फेयर डील' बना दिया है। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें 'महान व्यक्ति' बताया, लेकिन कहा कि व्यापार के मामले में भारत पहले अमेरिका से ज्यादा स्मार्ट साबित हुआ था।

मौजूदा आयात शुल्क पर लगेगा नया कर

जब भारत पर अमेरिकी टैरिफ 50 प्रतिशत पहुंचा था। इसके बाद अंतरिम व्यापार समझौते के तहत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमति बनी थी। इस दौरान 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क हटा दिया गया था। अब अमेरिका में भारतीय सामान पर केवल 10 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लागू रहेगा। यह 10 प्रतिशत शुल्क मौजूदा आयात शुल्क के ऊपर लगेगा। उदाहरण के लिए, अगर किसी उत्पाद पर पहले से 5 प्रतिशत शुल्क है, तो अब उस पर 10 प्रतिशत और जुड़ जाएगा।

भारत से व्यापार घाटा 58.2 अरब डॉलर तक बढ़ा

ट्रंप की तरफ से भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत तक उच्च टैरिफ लगाने के बावजूद अमेरिका का भारत के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 2025 में 58.2 अरब डॉलर हो गया। यह पहले 45.7 अरब डॉलर के करीब था। इस बात की जानकारी अमेरिकी सरकार ने दी। बता दें, अमेरिका का दिसंबर 2025 में कुल व्यापार घाटा (वस्तु और सेवा) 70.3 अरब डॉलर रहा, जो नवंबर में 53 अरब डॉलर था। वहीं, दिसंबर में भारत के साथ व्यापार घाटा 5.2 अरब डॉलर रहा। पूरे साल 2025 के लिए अमेरिका का कुल व्यापार घाटा 901.5 अरब डॉलर रहा, जबकि 2024 में यह 903.5 अरब डॉलर था।

एक खिलौना कारोबारी ने दी ट्रंप के टैरिफ फैसले को चुनौती

रिक वोल्डेनबर्ग

ट्रंप की टैरिफ नीति के खिलाफ अमेरिका के ही एक खिलौना कारोबारी रिक वोल्डेनबर्ग ने सीधे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने माना कि नीति गलत है तो उसका विरोध होगा। फिर वो लड़ाई चाहे देश की सरकार या फिर राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ ही क्यों न हो। वोल्डेनबर्ग का कहना था कि यह सिर्फ व्यापार का मामला नहीं, बल्कि पीढ़ियों से खड़े किए गए कारोबार के अस्तित्व की लड़ाई थी। रिक वोल्डेनबर्ग शिकागो के पास स्थित शैक्षणिक खिलौना कंपनी लर्निंग रिसोर्सेज के सीईओ हैं। उनकी कंपनी की स्थापना उनकी मां ने की थी।

भारतीय मूल के वकील कात्याल ने पलटा ट्रंप टैरिफ का खेल

नील कात्याल

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के केंद्र में भारतीय मूल के वकील नील कात्याल हैं। नील ने ही अदालत में ट्रंप के उस कदम को चुनौती दी, जिसमें 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट यानी आईईईपीए का इस्तेमाल कर लगभग सभी व्यापारिक साझेदार देशों पर टैरिफ लगाए गए थे। नील कात्याल ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि राष्ट्रपति ने आपात आर्थिक शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि टैरिफ दरअसल टैक्स होते हैं और टैक्स लगाने का अधिकार केवल अमेरिकी कांग्रेस को है, न कि राष्ट्रपति को।

टैरिफ से वसूला पैसा वापस हो: सांसद शूमर

चक शूमर

अमेरिकी सीनेटर चक शूमर ने ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ को 'गैरकानूनी' बताते हुए साफ कहा है कि जो पैसा वसूला गया है, वह लौटाया जाना चाहिए। शूमर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने वही किया जो कानून के अनुसार सही था। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप ने देश से जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं हुए। नौकरियां बढ़ने के बजाए घटी हैं। कीमतें कम होने की जगह बढ़ी हैं। शटैरिफ के कारण आम लोगों पर महंगाई का बोझ बढ़ा है। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने अपने भाषण में बढ़ती कीमतों पर कोई बात नहीं की और न्यायाधीशों पर व्यक्तिगत टिप्पणी की, जो गलत है।

यूएस राजदूत हकाबी का दावा

इजराइल मिडिल ईस्ट पर कब्जा करे तो हमें कतई 'आपत्ति' नहीं

इजराइल में यूस राजदूत माइक हकाबी

एजेंसी ▶▶ यरूशलेम

इजराइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने कहा है कि अगर इजराइल मध्य पूर्व के अधिकांश हिस्से पर कब्जा कर लेता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने यहूदी लोगों के भूमि पर अधिकार पर जोर दिया। हकाबी से इजराइल की भौगोलिक सीमाओं के बारे में सवाल किए गए, जिनके बारे में उनका तर्क है कि वे बाइबिल पर आधारित हैं।

बाइबिल के वचन में अब्राहम के वंशजों को वह भूमि देने का वादा किया गया है, जिसमें इराक में यूफ्रेट्स नदी और मिस्र में नील नदी के बीच का क्षेत्र भी शामिल है। इस तरह के क्षेत्र में आधुनिक लेबनान, सीरिया, जॉर्डन और सऊदी अरब के कुछ हिस्से शामिल होंगे। इस पर हकाबी ने कहा कि अगर वे (इजराइल) यह सब ले लें तो कोई दिक्कत नहीं होगी। हकाबी को पिछले साल ही इजराइल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नियुक्त किया है। बता दें, अमेरिकी राजदूत एक कट्टर ईसाई जायोनिस्ट और इजराइल के प्रबल समर्थक हैं। हालांकि बाद में अपने इस बयान से पीछे हटते हुए उन्होंने कहा कि यह 'कुछ हद तक अतिशयोक्तिपूर्ण बयान था' फिर भी, उन्होंने अपनी धार्मिक व्याख्या के आधार पर इजराइली विस्तारवाद की संभावना को खुला रखा।

कहा- बाइबिल के वचन में इसका जिक्र

इजराइल का ये हक

हकाबी ने यह तर्क देने की कोशिश की कि इजराइल का अस्तित्व का अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानून में मौजूद है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून की निगरानी करने वाली कानूनी संस्थाओं पर भी इजराइल के हक की अनदेखी करने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और विदेश मंत्री रूबियो द्वारा आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय) और आईसीजे से छुटकारा पाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए मैं बहुत आभारी हूं, इसका एक कारण यह है कि वे ऐसे भ्रष्ट संगठन बन गए हैं, जो अब वास्तव में कानून को समान तरीके से लागू नहीं कर रहे हैं।

लेबनान में इजराइल के हमले में 12 की मौत

बेरूत। लेबनान के पूर्वी बेका घाटी में शुक्रवार को इजराइल के हमले में 12 लोग मारे गए और 24 व्यक्ति घायल हो गए, इनमें बच्चे भी शामिल हैं। इससे पहले दिन में एक फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर पर इजराइली हमले में दो और लोग मारे गए थे। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इजराइल ने दावा किया कि उसने बेका घाटी में लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्ला के कमान केंद्रों पर हमला किया है, हालांकि हिजबुल्ला ने इस पर कोई बयान जारी नहीं किया। इससे पहले शुक्रवार को इजराइल के एक और हमले में बंदरगाह शहर सिडोन में स्थित एक फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर को निशाना बनाया गया था, जिसमें दो लोग मारे गए थे। इजराइली की सेना ने दावा किया कि उसने ऐन अल-हिलवे शिविर में स्थित हमास के कमान केंद्र पर हमला किया है। हमास ने भी स्वीकार किया कि हमले में उसके दो सदस्य मारे गए, लेकिन कमान केंद्र पर हमले के दावे को उसने बेबुनियाद बताया।

विमान में जरूरी क्षमताओं को लेकर नहीं किया जाएगा कोई समझौता

तेजस मार्क-1ए को लेकर एचएएल को कुछ छूट देने के लिए तैयार रक्षा मंत्रालय, वायुसेना

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान और चीन की सीमाओं से बढ़ते युद्ध के साझा खतरे के बीच भारतीय वायुसेना को लड़ाकू विमानों की संख्या यानी स्क्वाड्रन को तेजी से बढ़ाने की आवश्यकता है। जिसे भली-भांति समझते हुए रक्षा मंत्रालय और भारतीय वायुसेना, स्वदेशी तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान के उत्पादन में तेजी लाने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को इससे जुड़े समझौते में शामिल की गई कुछ बाध्यताओं में छूट देने को तैयार है। जिससे इन विमानों की अगले वित्त वर्ष की शुरुआत के साथ वायुसेना को आपूर्ति की जा सकेगी। जो कि काफी समय से लंबित पड़ी हुई है। रक्षा-सुरक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने बताया कि छूट का ये अर्थ कतई नहीं है कि हम विमानों की खरीद को लेकर किए गए समझौते में शामिल की गई जरूरी क्षमताओं के मामले में किसी तरह का कोई समझौता करेंगे। जिस पर वर्ष 2016 में वायुसेना, डीआरडीओ और एडीए के बीच सहमति बनी थी। एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) ने इस विमान का डिजाइन तैयार किया है। जबकि एचएएल इसका उत्पादन कर रहा है। यह कुल 83 विमान हैं, जिनके उत्पादन के साथ एचएएल को वायुसेना को इनकी आपूर्ति करनी है। वहीं, बल के पास अभी लड़ाकू विमानों की कुल करीब 30 स्क्वाड्रन मौजूद हैं। जबकि इनकी आधिकारिक संख्या लगभग 42 होनी चाहिए।

इस तरह से आगे बढ़ेगा मामला

सूत्रों ने कहा कि मामले को लेकर बनी नई सहमति के हिसाब से देखें तो एडीए और एचएएल द्वारा विमान में लगाई जाने वाली मिसाइल के फायरिंग टेस्ट पूरे किए जाने, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम के तहत रडार के एकीकरण और हथियारों के पैकेज के साथ वायुसेना विमान को स्वीकार करेगी। उन्होंने कहा कि फायरिंग से जुड़े प्रशिक्षण पूरे हो गए हैं और अब सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया जारी है। वायुसेना द्वारा उक्त छूट के विषय में एचएएल को सूचित कर दिया गया है। बल का ये भी कहना है कि वो उक्त बिंदुओं के साथ विमान को स्वीकार करने के लिए तैयार है। बताते चलें कि एचएएल ने विमान की आपूर्ति में हो रही देरी को लेकर पूर्व में रक्षा मंत्रालय और वायुसेना को कहा था कि इस संबंध में काफी कार्य लंबित है, जिसकी निगरानी एडीए कर रही है। ऐसे में इसे मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी हुई देरी नहीं माना जा सकता है।

भारतीय नौसेन्य शक्ति का प्रदर्शन

विशाखापत्तनम। आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम के तट पर अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा (आईएफआर) 2026 के हिस्से के रूप में आयोजित एक समुद्री प्रदर्शन के दौरान भारतीय नौसेना का एक सी किंग 42बी हेलीकॉप्टर रेंगने की तकनीक का प्रदर्शन करता हुआ।

श्रीनगर में बड़ा हादसा, चालक ने गाड़ी पर से नियंत्रण खोया

सीआरपीएफ की बस नहर में गिरी, 7 जवान घायल

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के बाहरी इलाके में शनिवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां डगपोरा के अंतर्गत अहमद नगर रोड पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का एक बुलेटप्रूफ बंकर वाहन अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरा। इस दुर्घटना में सीआरपीएफ के सात जवान घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब सीआरपीएफ का वाहन डगपोरा रोड से गुजर रहा था। चालक ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण बुलेटप्रूफ बंकर सड़क से फिसलकर सीधे साथ लगती नहर में पलट गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों और प्रशासन ने बचाव कार्य शुरू किया। हादसे के तुरंत बाद सभी घायल जवानों को उपचार के लिए शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, सौरा ले जाया गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109